सुप्रभात
रांची, सोमवार
30.06.2025
नगर संस्करण। पेज :12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | आषाढ़, शुक्ल पक्ष, पंचमी, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 345

12 रेल आरक्षण व्यवस्था में बड़ा बदलाव कल से

न्यूज डायरी

छात्रावास में घुस गया पानी छत पर चढ़ कर बच्चे बचे

पूर्वी सिंहभूम। पोटका प्रखंड क्षेत्र में शनिवार देर रात मूसलधार बारिश ने तबाही मचा दी। गुड़रा नदी किनारे स्थित पांडरशुली गांव का लव कुश इंग्लिश स्कूल छात्रावास में रात में जब 162 बच्चे सो रहे थे, धीरे-धीरे पानी भर गया। सभी बच्चे जान बचाने के लिए छत पर चढ़ गये। सुबह तक दहशत में रहे। रविवार तड़के बचाव कार्य शुरू हुआ।

ट्रेन प्रस्थान से 8 घंटे पहले तैयार होगा आरक्षण चार्ट

नयी दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे बोर्ड को चरणबद्ध तरीके से ट्रेन प्रस्थान से आठ घंटे पहले आरक्षण चार्ट तैयार करने का निर्देश दिया है। इससे वेटिंग लिस्ट वाले यात्रियों के लिए अनिश्चितता कम होगी। वेटिंग लिस्ट क्लियर न होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए यात्रियों को अधिक समय भी मिलेगा। रेलवे, टिकट बुकिंग को आसान बनाने के लिए कई कदम उठा रहा है।

बाल-बाल बचे तेजस्वी मंच से टकराया ड्रोन

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव के भाषण के दौरान अचानक एक ड्रोन मंच से टकरा गया। उन्होंने फुर्ती दिखाते हुए झुक कर खुद को बचा लिया। रविवार को यह घटना उस समय हुई जब वह गांधी मैदान में वक्फ बचाओ, संविधान बचाओ' रैली को संबोधित कर रहे थे। पटना पुलिस घटना की जांच कर रही है। यह एक प्रतिबंधित क्षेत्र था और ऐसी कोई वस्तु वहां नहीं आनी चाहिए थी।

पुरी के कलेक्टर-एसपी का तबादला, दो अन्य अधिकारी निलंबित

रथयात्रा: गुंडिचा मंदिर के सामने भगदड़ में 3 की मौत, 50 घायल

दुखद

- ओड़िशा सरकार ने मृतक के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की

ओड़िशा सरकार ने भगदड़ की उच्चस्तरीय जांच के दिये आदेश

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओड़िशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद रविवार तड़के करीब 4 बजे गुंडिचा मंदिर के सामने भगदड़ मच गयी। यहां भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ के दर्शन करने के लिए भारी भीड़ जुटी थी, इसी दौरान भगदड़ मच गयी। इसमें तीन लोगों की मौत हो गयी, जबकि 50 लोग घायल हो गए। घायलों में छह की हालत गंभीर है।

इस घटना पर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने श्रद्धालुओं की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है और कहा है कि उनकी सरकार श्रद्धालुओं की सुरक्षा के प्रति लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी। सीएम मोहन चरण माझी ने घटना पर माफी भी मांगी है। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा, मैं और मेरी सरकार भगवान जगन्नाथ के सभी भक्तों से व्यक्तिगत रूप से क्षमा मांगते हैं। यह लापरवाही माफ करने लायक नहीं है। इसके बाद राज्य सरकार ने पुरी के कलेक्टर और एसपी का तबादला कर दिया। चंचल राणा को नया कलेक्टर और पिनाक मिश्रा को नया एसपी बनाया गया है। साथ ही डीसीपी और कमांडेंट को निलंबित कर दिया गया है।

ओड़िशा सरकार ने भगदड़ के कारण हुई मौतों की उच्चस्तरीय प्रशासनिक जांच के आदेश दिए हैं। ओड़िशा की विकास आयुक्त अनु गर्ग इस दुखद घटना की जांच करेंगी। इसके साथ ही ओड़िशा सरकार ने मृतकों के परिजनों को पच्चीस लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की है।

जगन्नाथ प्रभु का रथ पहुंचते ही मची भगदड़ : पुरी की रथयात्रा में गुंडिचा मंदिर के सामने बलभद्र और सुभद्रा के रथ पहले पहुंच चुके थे। जगन्नाथ रथ बाद में पहुंचा, जिससे लोगों में उसके दर्शन करने की होड़ लग गई। इसी दौरान भगदड़ मची, जिसमें गिरने से कई लोग कुचल गए। हादसे में मारे गए लोगों के नाम बसंती साहू (36), प्रेमकांति महांति (78) और प्रभाती दास हैं। इनके शव पुरी मेडिकल कॉलेज में रखे गए हैं।

डीजीपी ने घटनास्थल का लिया जायजा, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

पुरी के गुंडीचा मंदिर के पास रविवार तड़के हुई भगदड़ की घटना के बाद ओड़िशा के पुलिस महानिदेशक वाई. बी. खुरानिया ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। डीजीपी खुरानिया ने बताया कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए त्वरित सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे दर्शन के दौरान पुलिस के निर्देशों का पालन करें और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में मोबाइल फोन से तस्वीरें लेने से बचें, क्योंकि इससे अव्यवस्था फैल सकती है। हम श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित दर्शन सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से विभिन्न स्थानों पर पुलिस द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन का अनुरोध किया है। प्रशासन ने घटनास्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है और अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है।

खूंटी में ग्राम प्रधान सह भाजपा नेता बलराम मुंडा की गोली मारकर हत्या

खबर मन्त्र संवाददाता

खूंटी। मारंगहादा थाना क्षेत्र के काडेतुबिद गांव के ग्राम प्रधान सह भाजपा नेता बलराम मुंडा की अज्ञात अपराधियों ने शनिवार देर रात गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार बलराम मुंडा अपने घर में थे और बाहर बारिश हो रही थी। उसी दौरान 10-12 हथियारबंद अपराधी उनके घर में घुस आये। उनकी पिटाई शुरू कर दी। उन्हें बचाने आये भांजा आचू मुंडा को घायल कर दिया। मारपीट के बाद अपराधियों ने बलराम मुंडा को गोली मार दी। धारदार हथियार से काटकर उनकी हत्या कर दी।

एसआइटी ने 10 को दबोचा

इस मामले में पुलिस ने खुलासा किया कि इसका मकसद अफीम लूट था। एसआईटी ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीएसपी वरुण रजक के नेतृत्व में एसआइटी गठित की थी। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि बलराम मुंडा ने दो दिन पहले अपने घर के बाहर अफीम सुखाई थी, जिसे कुछ लोगों ने देख लिया था। इसके बाद लूट की योजना बनायी गयी।

पूजा सिंघल के पासपोर्ट मामले में फैसला आज

रांची। मनरेगा घोटाले की राशि की मनी लाउंड्रिंग मामले में ट्रायल फेस कर रहीं आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल और उनके पति अभिषेक झा की ओर से पासपोर्ट रिलीज करने से जुड़ी याचिका पर अदालत अपना आदेश आज 30 जून को सुनायेगी। याचिकाकर्ता को अपनी बेटी के नामांकन के लिए अमेरिका जाना है।

सुप्रीम कोर्ट जज ने की बाबाधाम में पूजा-अर्चना

रांची। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत कुमार रविवार को बाबा बैद्यनाथ मंदिर में सपरिवार बाबा भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की। उनके साथ त्रिपुरा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अपरेश सिंह, झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस एस नारायण मिश्रा भी मौजूद थे। इस दौरान कड़ी सुरक्षा थी।

पीएम ने 'फिट से बनेंगे सुपरहिट' का दिया नारा

भोजन में तेल का इस्तेमाल 10 फीसदी कम करें : मोदी

मन की बात कार्यक्रम

एजेंसी

नयी दिल्ली। पीएम मोदी ने भोजन में 10 प्रतिशत तेल घटाने का आह्वान दोहराते हुए 'फिट से सुपरहिट' बनेंगे का नारा दिया। रविवार को आकाशवाणी पर अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 123वीं कड़ी में उन्होंने कहा, अगर हमें अपने सामर्थ्य का विस्तार करना है तो सबसे पहले अपनी फिटनेस और वेल बीइंग पर ध्यान देना होगा। फिटनेस के लिए मोटापा घटाना आवश्यक है। श्री मोदी ने कहा खाने में 10 प्रतिशत तेल कम करो, मोटापा घटाओ। जब आप फिट होंगे, तो जीवन में और ज्यादा सुपरहिट होंगे।

पीढ़ियों को बचाना है पेड़ लगाना: उन्होंने देशवासियों से पेड़ लगाने का आह्वान करते हुए कहा है कि यह आने वाली पीढ़ियों को बचाने के लिए यह जरूरी है। पर्यावरण बचाने में सब का योगदान धरती के लिए बड़ी ताकत बन रहा है।

क्षत्रिय आयोग का गठन जल्द करे केंद्र सरकार : एमएस तंवर

आरक्षण जाति नहीं आर्थिक आधार पर हो

समाज एकजुट रहे, तभी मजबूती होगी : एपी सिंह

महापुरुषों के इतिहास के साथ छेड़छाड़ न हो

खबर मन्त्र संवाददाता

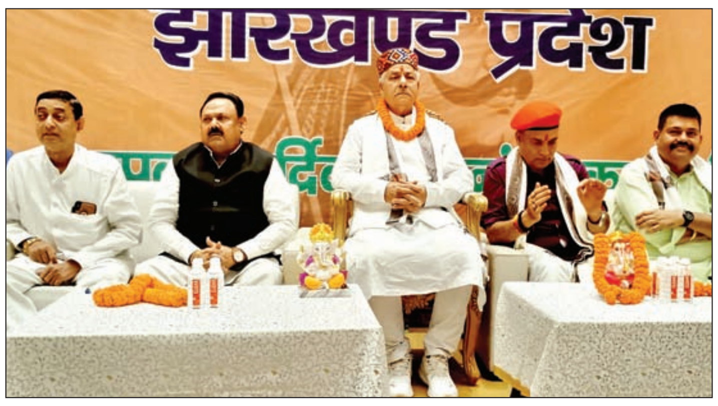

रांची। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर ने कहा कि आज देश जिस माहौल से गुजर रहा है, ऐसी स्थिति में क्षत्रिय समाज की जिम्मेदारी काफी बढ़ गयी है। हमें संगठित होकर होकर देश को मजबूत बनाने में आगे आना होगा। देशहित में हमारे पूर्वजों ने जो त्याग और बलिदान दिया है, उसी भूमिका में एक बार इस समाज को आना होगा। श्री तंवर रविवार को रांची में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के कार्यकर्ता सम्मेलन बोल रहे थे। सम्मेलन में प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से शीघ्र क्षत्रिय कल्याण बोर्ड का गठन करने, क्षत्रिय आयोग बनाने, क्षत्रिय महापुरुषों के इतिहास के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं करने की मांग की गयी। साथ ही समाज की एकजुटता पर जोर दिया गया, तभी संगठन मजबूत बने सकता है।
दलादली चौक स्थित फोकस रेस्टॉरेंट एवं रिसोर्ट में रविवार को आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष बिनय सिंह बिनु ने की। महासभा के प्रदेश संरक्षक कमलेश सिंह ने समाज के दूर दराज से आये सभी सदस्यों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन में श्री तंवर ने कहा कि समाज की एकता का ही नतीजा है कि केंद्र सरकार में सवर्ण वर्ग को दस प्रतिशत का आरक्षण दी। जब हम एक रहेंगे तभी सरकार भी हमारी बात सुनती है। उन्होंने कहा कि हम किसी भी राजनीतिक दल का न तो समर्थन करते हैं और न ही विरोध। उन्होंने आह्वान किया कि समाज के जो भी उम्मीदवार चुनाव में खड़े हो उसे जरूर जितायें। श्री तंवर ने संगठन के अबतक के इतिहास और कार्यों की जानकारी दी।

बिनय सिंह बिनु बने प्रदेश अध्यक्ष

प्रदेश समिति का पुनर्गठन करते हुए सर्वसम्मति से बिनय सिंह बिनु को एक बार फिर अध्यक्ष चुना गया। वहीं उपाध्यक्ष पृथ्वी नाथ शाहदेव, विकास नाथ शाहदेव, सुधीर प्रसाद सिंह, अरुण सिंह, श्रीधर सिंह व राजीव रंजन सिंह चुने गये। रंजीत बहादुर सिंह, एन के सिंह, अंजनी सिंह व राणा ऋषि सिंह तथा सूरज शाहदेव को सचिव बनाया गया। राव सम्राट को प्रवक्ता के रूप में चयन किया गया। कोषाध्यक्ष मनोज सिंह को बनाया गया।
महिला विंग की प्रदेश अध्यक्षा के रूप में मनीषा सिंह, उपाध्यक्षा, रीना सिंह, सचिव सुमन सिंह, नीतू सिंह, प्रेरणा सिंह का चयन किया गया। वहीं युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में आदर्श कुमार सिंह चयन किया गया।
प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में उदित राज एवं प्रदेश महासचिव युवा मोर्चा के रूप में यश सिंह परमार का चयन किया गया। चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष के रूप में डॉ आशुतोष कुमार सिंह का चयन किया गया। इसकी घोषणा महासभा के संरक्षक डॉ बिमलेश सिंह ने किया।

समाज व संगठन मजबूत बनायें : कमलेश

महासभा के प्रदेश संरक्षक कमलेश सिंह ने सभी सदस्यों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि समाज का हर सदस्य संगठन को मजबूत करने के लिए अपना योगदान देने को तैयार है। यह हम सभी के लिए खुशी की बात है। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन को पूरे राज्य में मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज वह छाता है जो हर गरीब,शोषित को सुरक्षा देता है। सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एपी सिंह ने कहा कि संगठन के नवनियुक्त तथा निवर्तमान पदाधिकारियों को मिलकर समाज के लिए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि यह महासभा देश की सबसे पुरानी महासभा है। क्षत्रिय समाज शोषक नही रक्षक होता है। उन्होंने क्षत्रिय महासभा को संगठन को पूरे झारखंड़ में मजबूत करने पर बल दिया। उन्होंने समाज में किसी प्रकार की भेदभाव नहीं रखने की बात कही। उन्होंने समाज के सभी लोगों से आह्वान किया कि जनगणना में अपनी जाति के कालम में सिर्फ राजपूत लिखे और कुछ नहीं।
सम्मेलन को महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष मनीषा सिंह ने भी संबोधित किया। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि जहां कहीं भी अन्याय हो आवाज जरूर उठायें। उन्होंने महिला शिक्षा पर जोर दिया। साथ ही आरक्षण को जाति आधार पर नहीं आर्थिक आधार पर देने की वकालत की। बिहार प्रदेश के उपाध्यक्ष दामोदर सिंह ने कहा, हर सदस्य का चरित्र अच्छा होना चाहिए, तभी समाज की छवि स्वच्छ बनेगी। युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डिम्पल राणा ने समाज के गरीब वर्ग को आरक्षण की मांग उठायी।
महिला विंग दिल्ली प्रदेश अध्यक्षा गीता सिंह चौहान ने कहा कि संगठन में ही शक्ति है। सभा को बिनय कुमार सिंह, वीके सिंह, अभिषेक सिंह, मनोज सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन ललन सिंह एवम धन्यवाद सूरजदेव सिंह ने किया। सम्मेलन में सौरभ सिंह, सिद्धार्थ सिंह, डॉ बिमलेश सिंह, राजीव सिंह, दिवाकर सिंग, मनोज सिंह, पृथ्वी नाथ शाहदेव, सहित हजारों लोग उपस्थित रहे।

खबर एक नजर में

झामुमो के चतरा जिला अध्यक्ष बने निलेश ग्यासेन

रांची। झामुमो ने निलेश ग्यासेन को चतरा जिला का अध्यक्ष, अमरदीप प्रसाद, असलम अंसारी, पूरण राम को उपाध्यक्ष, चन्द्रदेव साहु को सचिव तथा नितेश कुमार राणा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। झामुमो के झारखंड प्रदेश महासचिव विनोद पांडेय ने कार्यालय आदेश जारी कर कहा है कि सभी पंचायत समितियों, वार्ड समितियों, प्रखंड समितियों तथा नगर समिति के गठन के बाद चतरा जिला समिति का गठन किया गया। श्री पांडेय ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जिले में आनेवाले केन्द्रीय समिति के पदाधिकारियों एवं केन्द्रीय सदस्यों के साथ बैठक कर 15 दिनों के अंदर जिला समिति के विस्तार के लिए पदाधिकारियों के नामों की अनुसंशा करें। ताकि जिला सूमिति के पर्ण गठन की प्रक्रिया पूरी की जा सके।

हमें महापुरुषों का सम्मान करना भाजपा से सीखने की जरूरत नहीं : विनोद कुमार पांडेय

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भाजपा की ओर से लगाए गए आरोपों को एक सिरे से खारिज किया है। झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा है कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक संवेदनशील विषय को लेकर भाजपा सस्ती राजनीति कर रही है और शहीदों एवं महापुरुषों के नाम पर झूठा और भ्रामक प्रचार कर रही है। हमें महापुरुषों का सम्मान करना कम से कम भाजपा से सीखने की जरूरत नहीं है। कोलियरी मजदूर यूनियन के महाधिवेशन में किसी भी महापुरुष का किसी भी प्रकार से अपमान नहीं किया गया। भगवान बिरसा मुंडा, बाबासाहेब अंबेडकर, सिद्धू-कान्हू सहित तमाम महापुरुषों की तस्वीरों को श्रद्धा के साथ मंच पर प्रदर्शित किया गया था। यह तस्वीरें मंच की शोभा थीं और इन्हें सम्मानपूर्वक लगाया गया था। भाजपा नेताओं द्वारा फैलाया गया यह आरोप न केवल झूठा है, बल्कि झारखंड की जनता को गुमराह करने की एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा है। झामुमो इन महापुरुषों की विचारधारा पर चलता है और उनके बलिदानों को अपना मार्गदर्शक मानता है। हमारा पूरा संघर्ष ही उनके सिद्धांतों पर आधारित है। हम भाजपा से पूछना चाहते हैं कि आदिवासी अधिकारों को कुचलने वाले उनके नीति-निमार्ता किस मुंह से भगवान बिरसा मुंडा और बाबासाहेब का नाम लेते हैं? असल अपमान तो तब होता है जब संविधान और सामाजिक न्याय की भावना को बार-बार कुचला जाता है। हम भाजपा से आग्रह करते हैं कि वे झूठ फैलाने से पहले तथ्यों की जांच कर लें। झारखंड मुक्ति मोर्चा अपने शहीदों और महापुरुषों के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है और रहेगा।

कोलकाता रेप कांड में सीजेआई लें स्वत: संज्ञान : सुधीर श्रीवास्तव

रांची। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुधीर श्रीवास्तव ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को पत्र लिखकर मांग किया है कि कोलकाता रेप कांड में स्वतः संज्ञान लेकर पूरे देश भर में पढ़ रही लॉ की छात्राओं के सुरक्षा के लिये एक विस्तृत दिशा निर्देश दें। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह को भी पत्र लिखा है और मांग किया है कि कोलकाता लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ रेप के आरोपियों का स्पीडी ट्रायल 30 दिन के अंदर हो। ताकि दूसरों के लिये यह केस एक नाजीर बन जाये। साथ ही, झारखंड के सभी वैसे कॉलेज जहां लॉ की पढ़ाई होती है।उनके निदेशकों को निर्देशित किया जाये कि कॉलेज में चप्पे चप्पे पर सीसीटीवी लगाया जाये। उन्होंने सभी लॉ छात्रा से भी आग्रह किया हैं कि वे शक्ति एप डाउनलोड करें और इमरजेंसी में तुरंत हेल्प का बटन दबाये। साथ ही, अपने-अपने कॉलेज के प्रिंसिपल, वीसी, एडायरेक्टर से अपने सुरक्षा की मांग करें। उन्होंने कहा कि देश में जब कानून पढ़ने वाले छात्र.छात्रा ही सुरक्षित नहीं है तो देश में कानून का राज कैसे स्थापित होगा।

राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था 18 वीं सदी की : बाबूलाल

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने हेमंत सरकार पर बड़ा निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ये 18वीं सदी नहीं है, पर झारखंड के गांवों में हालात अभी भी वही हैं। सिमडेगा ज़िले के चुंदियारी गांव में एक बुजुर्ग महिला गंगो देवी के कमर में गंभीर चोट आई। लेकिन, गांव में न सड़क थी, न स्वास्थ्य सुविधा, न एम्बुलेंस पहुंची। मजबूर परिजन खाट पर लादकर तीन किलोमीटर पैदल चले। उन्होंने कहा कि शर्म की बात ये है कि ये सब उस राज्य में हो रहा है, जहां हेमंत सरकार ने इस साल बजट में स्वास्थ्य पर 3497 करोड़ और सड़कों व पुलों के लिये 5300 करोड़ खर्च करने की घोषणा की थी। पिछले साल यही राशि 7223 करोड़ और 6389 करोड़ थी। इतना पैसा गया कहां। इसका जवाब तो हम सबको पता है। उन्होंने कहा कि जब भ्रष्टाचार करने की बात आती है, तो हेमंत सरकार सुरसा से भी बड़ा मुंह खोल लेती है। लेकिन, जब व्यवस्था को लेकर सवाल किया जाये तो मुख्यमंत्री और मंत्री गूंगे बहरे बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन, राजनीति से इतर इतनी संवेदनशीलता तो दिखाइये, कम से कम ये सुनिश्चित कीजिये कि आज के बाद किसी झारखंड वासी को खाट पर लादकर इलाज के लिये न जाना पड़े।

गजेंद्र सिंह की जमानत पर सात जुलाई को सुनवाई

रांची। राज्य में 38 करोड़ रुपए से अधिक के शराब घोटाले में जेल में बंद तत्कालीन संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र कुमार सिंह की ओर से दाखिल जमानत याचिका पर अब 7 जुलाई को सुनवाई होगी। शनिनवार को एसीबी कोर्ट नहीं बैठने के कारण सुनवाई टल गयी। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने एसीबी से केस डायरी की मांग की थी। गजेंद्र सिंह को 20 को गिरफ्तार किया था। तब से दोनों जेल में है। दोनों ने 18 जून को जमानत की गुहार लगाते हुये याचिका दाखिल की है।

जेल के अंदर पूर्व वार्ड पार्षद असलम व उसके भाई के साथ मारपीट

रांची। बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार ,होटवार में बंद हिंदपीढ़ी के पूर्व पार्षद मो असलम व उसके भाई आसिफ हुसैन के साथ के साथ जेल के कैदियों द्वारा मारपीट की गई है। घटना शनिवार की है। दोनों को इलाज जेल परिसर स्थित अस्पताल में किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जेल में बंद हिंदपीढ़ी के सोनू इमरोज के गुर्गो ने दोनों के साथ मारपीट की है। गौरतलब है कि हिंदपीढ़ी निवासी पूर्व पार्षद मो असलम ने सीजेएम की अदालत में गुरुवार को सरेंडर किया था,जहां से उसे जेल भेजा गया था। 22 जनवरी 2025 को असलम ने अपने भाई आसिफ, दिलावर उर्फ मुन्ना, राजू तथा आठ-दस अज्ञात युवकों के साथ मिलकर अप्पू उर्फ इरशाद पर जानलेवा हमला किया था। इस संबंध में पीड़ित के पिता मो कलीम ने हिंदपीढ़ी थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी।

नशीले पदार्थों के सेवन से बचें युवा : वीरेंद्र प्रताप

रांची। डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर के निर्देश पर रविवार को जगरनाथपुर थाना क्षेत्र स्थित रथ मेला परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची ने स्टॉल लगाकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर एलएडीसी सहायक वीरेंद्र प्रताप, प्रीति पाल, सम्पा दास, शारदा देवी, भारती शाहदेव, ऋषभ जयसवाल एवं राजा वर्मा उपस्थित थे। मेला परिसर में आने-जाने वाले लोगों को वीरेंद्र प्रताप ने नालसा व झालसा के द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं के बारे में जानकारी दिया। साथी अभियान पर फोकस करते हुए कहा कि अपने क्षेत्र में कोई भी निराश्रित बच्चे-बच्चियों हो तो डालसा रांची को सूचित करे या थाना क्षेत्र में कार्यरत पीएलवी से सम्पर्क करें।

झामुमो ने भगवान बिरसा मुंडा एवं अन्य महापुरुषों का किया अपमान : प्रतुल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने झामुमो पर बड़ा हमला करते हुये पार्टी पर भगवान बिरसा मुंडा, बाबासाहेब डॉक्टर अंबेडकर, सिद्धू-कान्हू सहित झारखंड के शहीदों और महापुरुषों का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि झामुमो से जुड़े एक संगठन की बैठक में उनका नेतृत्व मंच पर बैठा था और उनके पैरों के नीचे भगवान बिरसा मुंडा सहित अन्य महापुरुषों की तस्वीर लगाई गई थी।यह बेहद शर्मसार करने वाला वाकया है। यह झामुमो की शहीदों के प्रति सोच को दिखाता है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा को पूरा झारखंड भगवान के रूप में मान्यता देता है। बाबासाहेब डॉक्टर अंबेडकर संविधान के निर्माता और वंचित समुदाय के मसीहा थे। सिद्धू-कान्हू सहित अनेक महापुरुष जो झारखंड में पूजनीय है, उनकी तस्वीर को झामुमो के नेताओं ने अपने पैरों के नीचे लगा कर रखा था। झामुमो के नेता खुद मंच पर टांग चढ़ा कर बैठे थे।अपने पैरों के नीचे मंच पर इन शहीदों की तस्वीरों को रखा था। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी लालू प्रसाद के जन्मदिवस के अवसर पर उनके पैरों के पास बाबा साहब की तस्वीर को रखा गया।लालू प्रसाद ने ऐसा करने से मना भी नहीं किया था। यह इंडी गठबंधन की देश के महापुरुषों के प्रति घटिया सोच को उजागर करता है।

अविलंब सार्वजनिक रूप से माफी मांगे झामुमो : प्रतुल शाहदेव ने कहा कि ये तस्वीर झामुमो की शहीदों के प्रति घटिया सोच वाली मानसिकता को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद झामुमो के किसी भी नेता ने सार्वजनिक रूप से इसके लिये माफी नहीं मांगी है। इन्हें इस कुकृत्य का कोई अफसोस नहीं है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा सहित तमाम महापुरुषों का अपमान झारखंड बिल्कुल नहीं सहेगा। झामुमो को तुरंत माफी मांगनी चाहिये।

भारी बारिश के रेड अलर्ट पर सतर्क रहें अधिकारी : मंत्री इरफान अंसारी

राज्य की जनता की सुरक्षा ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है

आपदा की घड़ी में अलर्ट मोड में पूरी सरकार, मंत्री ने दिए जमीनी कार्रवाई के निर्देश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में मूसलधार बारिश के खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने सभी ज़िलों को अलर्ट पर रखा है। आपदा प्रबंधन मंत्री ने रविवार को राज्य के सभी उपायुक्तों, आपदा प्रबंधन अधिकारियों और जिला प्रशासन को 24 घंटे सतर्क रहने का सख्त निर्देश दिया है। मंत्री ने रेड अलर्ट वाले ज़िलों में स्कूलों को बंद करने की अनुशंसा की है। साथ ही, जलभराव, स्वास्थ्य संकट, बिजली दुर्घटनाओं जैसी संभावित समस्याओं से निपटने के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किया। अंसारी ने कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। हर नुकसान का त्वरित आकलन कर रिपोर्ट विभाग को भेजी जाए और मुआवजा वितरण में कोई देरी न हो। मंत्री ने कहा कि वह खुद पूरे राज्य की स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। आपदा प्रबंधन विभाग का हर अधिकारी, हर कर्मचारी सक्रिय है। कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बताते चलें कि इससे पहले 19 जून को भी भारी बारिश को लेकर राज्यव्यापी एडवाइजरी जारी की गई थी, जिसमें क्या करें या क्या न करें के निर्देश दिए गए थे। मंत्री ने अब एक बार फिर हालत को भांपते हुए राहत कार्यों को तेज करने और मुआवजा वितरण में तेजी लाने के आदेश दिए हैं।
मंत्री ने कहा कि प्रभावित ज़िलों में राहत सामग्री की आपूर्ति और वितरण पहले से जारी है। स्थानीय प्रशासन को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कोई भी पीड़ित परिवार सहायता से वंचित न रह जाये। अंसारी ने जनता से संयम, सतर्कता और सरकार पर विश्वास बनाये रखने की अपील की है। उन्होंने दोहराया कि जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती, आपदा प्रबंधन विभाग पूरी तरह सक्रिय रहेगा।

बाबूलाल जी, आइना देखने की हिम्मत हो तो जरा इतिहास भी देखिये : डॉ इरफान अंसारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने नेता प्रतिपक्ष पर जमकर हमला बोला है। डॉ अंसारी ने कहा है कि @बाबूलाल जी, आइना देखने की हिम्मत हो तो जरा इतिहास भी देखिये। 20 साल तक आप और आपकी पार्टी झारखंड की सत्ता में रहे-लेकिन क्या दिया इस राज्य को? न सड़क, न स्वास्थ्य, न सम्मान। आपके शासनकाल ने झारखंड की जड़ों को खोखला किया और आज जब हेमंत सोरेन सरकार व्यवस्था में बदलाव ला रही है, तो आपको तकलीफ हो रही है?

चुंदियारी गांव की बात कर रहे हैं? : चुंदियारी गांव की बात कर रहे हैं? तो आपके पास जानकारी अधूरी है या जानबूझकर नजरअंदाज कर रहे हैं? वह इलाका पहाड़ी और दुर्गम है, जहां एम्बुलेंस नहीं जा सकती। इसीलिए मैंने बाइक एम्बुलेंस योजना शुरू की है, ताकि ऐसे इलाकों में भी इलाज की सुविधा मिले। व्यवस्था बदल रही है, फर्क जमीन पर दिख रहा है।

..और बजट की बात करते हैं? : आप बताइए, जब आप सत्ता में थे, तब स्वास्थ्य और सड़क के लिए कितनी ईमानदारी से काम किया? बड़े-बड़े घोटालों और बंद पड़ी स्वास्थ्य योजनाओं की लिस्ट बहुत लंबी है बाबूलाल जी! और जब भ्रष्टाचार की बात करते हैं तो आप और आपकी पार्टी खुद सबसे पहले खड़े दिखते हैं।
बाबूलाल जी राजनीति के नाम पर सिर्फ आलोचना करना आसान है। हम जैसे लोग दिन-रात फील्ड में रहकर व्यवस्था सुधार रहे हैं। आपके भाषणों से नहीं, हमारी मेहनत से झारखंड बदलेगा। आप चाहें तो सड़कों पर उतरिए, किसी पीएचसी में जाइए-आपको बदलाव दिखेगा।

राज्य के सभी 5 मेडिकल कॉलेजों में गढ़े जायेंगे 500 एमबीबीएस डॉक्टर

नेशनल मेडिकल कमीशन ने दी कॉलेज के प्राचार्यों को दाखिले की अनुमति

सभी कॉलेजों में लिए जायेंगे 100-100 सीटों पर दाखिला

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के सभी पांच सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की पढ़ाई का सपना देख रहे छात्रों के लिए खुशखबरी है। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने सत्र 2025-26 के लिए इन सभी 5 कॉलेजों में 100-100 सीटों पर दाखिले की अनुमति दे दी है। यह जानकारी झारखंड के स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह और सभी कॉलेजों के प्राचार्यों को पत्र भेज दी है। नेशनल मेडिकल कमीशन की अनुमति के बाद अब, राज्य के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 100-100 सीटों पर दाखिले लिये जायेंगे।

इन कॉलेजों को मिली दाखिले की मंजूरी : राज्य के सभी 5 मेडिकल कॉलेजों में फूलो झानो मेडिकल कॉलेज, दुमका, मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज पलामू, शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज, हजारीबाग, शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज, धनबाद, एमजीएम मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर शामिल है। कमीशन ने पांचों कॉलेजों में 100 सीटों पर दाखिले की अनुमति तो दी है, लेकिन उसमें शर्त लगा दी गयी है। एनएमसी ने कहा है कि मेडिकल कॉलेजों में जो भी कमियां पाई गई हैं, उसे चार माह में पूरा करना होगा।

सशर्त दी गई है अनुमति

एनएमसी ने स्पष्ट किया है कि यह मंजूरी अस्थायी और सशर्त है। सभी कॉलेजों को अगले 4 महीनों के भीतर अपनी खामियों और संसाधनों की कमी को दूर करना होगा। इसके अलावा, अगले सत्र के लिए फिर से मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड (एमएआरबी) से अनुमति लेनी होगी।

दुमका में महज 41 फैकल्टी

एनएमसी के आंकड़े बताते हैं कि फैकल्टी की संख्या के अनुसार सबसे कमजोर स्थिति दुमका की है, जहां सिर्फ 41 फैकल्टी सदस्य हैं। वहीं, पलामू में 71, हजारीबाग में 78, जमशेदपुर में 133 एवं धनबाद में 141 फैकल्टी कार्यरत हैं। इसमें प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, एसिस्टेंट प्रोफेसर, ट्यूटर व सीनियर रेजीडेंट भी शामिल हैं। प्रोफेसर की बात करें तो जमशेदपुर व धनबाद में 09-09, हजारीबाग में 07, दुमका में 06 एवं पलामू में महज 04 प्रोफेसर कार्यरत हैं।

2019 में मिली थी पहली बार अनुमति

बताते चलें कि 2019 में दुमका, पलामू और हजारीबाग मेडिकल कॉलेजों को पहली बार 100 सीटों की मंजूरी मिली थी, लेकिन 2020 में संसाधनों की कमी के कारण दाखिले रोक दिए गए थे। अब एक बार फिर छात्रों को उम्मीद की किरण दिखी है, लेकिन सुधार की शर्त के साथ।

राज्य के प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में बहाल होंगे 44750 शिक्षक

स्कूली शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की घोषणा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा है कि राज्य के स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर की जायेगी। इसके लिए जल्द प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में 44750 शिक्षक बहाल होंगे। इससे इतर 26 सहायक आचार्यों की बहाली प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसका काउंसिलिंग कार्य चल रहा है। जनजातीय भाषा में भी 10 हजार शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि सरकार बेहतर शिक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर है और कार्य भी कर रही है।

इंटर कॉलेजों के छात्र-छात्राएं प्लस टू स्कूलों में होंगे समायोजित

मंत्री ने कहा कि केंद्र की गलत नीतियों के कारण राज्य में इंटर के छात्रों के भविष्य पर तलवार लटक रहा है। लेकिन, सरकार छात्र-छात्राओं के भविष्य से साथ खिलवाड़ करने नहीं देगी। राज्य के 168 इंटर कॉलेजों के लगभग दो लाख छात्र-छात्राओं को प्लस टू स्कूलों में समायोजित किया जायेगा। इसे लेकर सभी प्लस टू स्कूलों में डीएमएफटी फंड से चार-चार कमरों वाले भवन का निर्माण किया जायेगा। वहीं, इन स्कूलों में पढ़ाई को लेकर शिक्षकों की भी व्यवस्था की जायेगी।

पूरे राज्य में सबसे बेहतर लाइब्रेरी का होगा निर्माण : मंत्री ने कहा कि पूरे राज्य में देश की सबसे बेहतर लाइब्रेरी का निर्माण जिला से अनुमंडल स्तर तक किया जायेगा। इसे लेकर आर्किटेक्ट से नक्शा बनवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 20 साल में 4885 दिन राज्य में भाजपा की सरकार रही। हमारी सरकार भी लगभग छह साल रही, पर दो साल कोरोना में गया और एक साल ईडी की जांच में। शेष तीन साल में हमनें दर्जनों योजनाएं धरातल पर उतारी, जिसका लाभ जनता को मिल रहा है।

रांची डीसी के नाम से बना फर्जी फेसबुक आइडी, साइबर क्राइम कर रही जांच

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के नाम से किसी ने फर्जी फेसबुक आईडी बना ली है। इस आईडी से लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी जा रही है। जिला प्रशासन ने लोगों को सावधान किया है और कहा है कि वे ऐसी किसी भी रिक्वेस्ट को स्वीकार न करें। यह ठगी करने का एक तरीका हो सकता है। प्रशासन ने एफआईआर दर्ज कर साइबर क्राइम यूनिट को जांच करने के लिए कहा है।

फर्जी फेकबुक आईडी से आईएएस मंजूनाथ भजंत्री का कोई लेना-देना नहीं : जिला प्रशासन ने इस बारे में साफ-साफ कहा है कि मंजूनाथ भजंत्री का इस फर्जी फेसबुक आईडी से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान फ्रेंड रिक्वेस्ट को एक्सेप्ट न करें। प्रशासन ने कहा है कि ऐसी चीजों से सावधान रहें। यह साइबर अपराध का हिस्सा हो सकता है और इससे आपको पैसे या दूसरी तरह से नुकसान हो सकता है।

फर्जी आइडी बनाने के पीछे क्या हो सकता है मकसद! : जिला प्रशासन ने इस धोखाधड़ी के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। दोषियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। साइबर क्राइम यूनिट इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। वे पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह फर्जी आईडी किसने बनाई और इसके पीछे क्या मकसद है। पुलिस-प्रशासन की ओर से अपील की गई है कि उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के नाम से कोई फ्रेंड रिक्वेस्ट आती है, तो उसे स्वीकार न करें। सतर्क रहें और अपने दोस्तों और परिवार को भी इस बारे में बताएं। साइबर अपराध से बचने के लिए सावधानी बरतना बहुत जरूरी है।

3 तक अधिकांश जगहों पर भारी बारिश की संभावना

रांची। झारखंड में अभी बारिश का दौर नहीं थमेगा। अगले कई दिनों तक बारिश होती रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार झारखंड के कई हिस्सों में तीन जुलाई तक भारी बारिश की संभावना है। भारी बारिश को लेकर रेल अलर्ट भी जारी कर दिया गया है। राज्य में लगभग सभी स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की प्रबल संभावना है। रांची स्थित मौसम केंद्र के प्रमुख अभिषेक आनंद ने रविवार को कहा कि झारखंड की रांची में रविवार सुबह से ही हल्की से मध्यम बारिश हो रही है।

मुख्यमंत्री ने अफसरों को दिये निर्देश

मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को आपदा प्रबंधन विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, राज्य के कई जिलों में अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी दी गयी है। आपदा प्रबंधन विभाग और सभी जिला प्रशासन मौसम विभाग एवं अन्य एजेंसियों के साथ सतत समन्वय बनाकर रखें, सतर्क रहें और हर स्थिति में जनता को सहायता पहुंचाने का कार्य करें।

थमने का नाम नहीं ले रहा है प्रस्तावित रिम्स-2 निर्माण स्थल का विवाद

रैयतों ने रिम्स-2 की प्रस्तावित भूमि पर बिचड़ा डाला, प्रशासन ने रोका

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार रिम्स-2 के निर्माण को लेकर आगे बढ़ रही है। वहीं, दूसरी ओर 110 एकड़ जमीन पर बनने वाले इस प्रोजेक्ट का विरोध भी तेज हो गया है। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के बीच बहस छिड़ी है। अब, प्रशासन के विरोध के बाद नगड़ी के रैयतों ने सड़क पर धान की खेती शुरू कर दी है। रैयतों ने खेत की मिट्टी काटकर सड़क पर ही धान बिचड़ा डाल दिया। खेती की सूचना के बाद डीएसपी अमर कुमार पांडे के नेतृत्व में बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने रिम्स 2 के निर्माण को लेकर साफ कर दिया है कि यह प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री का सपना है और राज्य के लोगों की चिकित्सा सुविधा की जरूरत है।

टाला नहीं जा सकता रिम्स-2 का निर्माण

मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि रिम्स-2 का निर्माण टाला नहीं जा सकता। यह परियोजना स्वास्थ्य व्यवस्था को नई ऊंचाई पर ले जाएगी और राज्यवासियों को इलाज के लिए अब बाहर नहीं जाना पड़ेगा। यह भी कहा है कि जो लोग रिम्स 2 का विरोध कर रहे हैं। वह बाबूलाल मरांडी पाठशाला के छात्र हैं। उनकी सोच शुरू से ही झारखंड विरोधी रही है।

110 एकड़ भूमि में रिम्स-2 बनाने का राज्य सरकार का है फैसला

कांके के नगड़ी में स्वास्थ्य विभाग ने 110 एकड़ में 1074 करोड़ की लागत से रिम्स-2 बनाने का फैसला लिया है। यहां मरीजों के लिए 700 बेड की सुविधा होगी। साथ ही यूजी की 100 और पीजी की 50 सीटों के लिए पढ़ाई भी होगी, लेकिन रिम्स-2 के निर्माण का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के बीच बहस

इससे पहले रिम्स 2 को लेकर कांग्रेस कोटे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की के बीच भी तीखी बहस छिड़ी हुई है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी रिम्स 2 को लेकर किसी भी स्थिति से समझौता करने को तैयार नहीं है। वहीं, पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने खेती योग्य जमीन पर रिम्स 2 बनाने का विरोध शुरू कर दिया है। बंधु तिर्की ने स्वास्थ्य मंत्री पर तंज करते हुए कहा कि वह अपने बड़बोलेपन की बजाये झारखंड की जमीनी समस्याओं, वास्तविकता और अब तक झारखंड में हुई राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक और अन्य गतिविधियों पर नजर डालते हुए अपने समझ के स्तर का उपयोग करे।

रांची पुलिस मुहर्रम पर रहेगी मुस्तैद : डीएसपी

कोतवाली थाना में शांति समिति की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कोतवाली थाना में रविवार को मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से मुहर्रम मनाने का निर्णय लिया। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने लोगों से शांति व सौहार्द्र से मुहर्रम मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि रांची में सभी धर्मों के लोग भाइचारे के साथ सभी त्योहार को मनाते हैं। उसे कायम रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सभी को सरकार की गाइडलाइन का पालन करना है। पर्व-त्योहार में अफवाहों से दूर रहें, भाईचारे के साथ त्योहार मनायें। मुहर्रम पर पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था रहेगी। कोई असामाजिक तत्व त्योहार में खलल डालने का प्रयास किया, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। किसी भी गड़बड़ी की आशंका हो, तो तुरंत पुलिस को सूचना दें।

बैठक में थाना प्रभारी आदिकांत महतो, राजीव रंजन मिश्रा, अकीलुर्रहमान, मो इस्लाम, सागर वर्मा, मो आफताब आलम, महबूब रिजवी, आदिल जहीर, जितेंद्र गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे।

गुरुजी शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना को लेकर गिरजाघरों में पवित्र मिस्सा का अनुष्ठान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। दिशोम गुरुजी शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए रविवार को रांची के सभी गिरजाघरों में उनके नाम से पवित्र मिस्सा हुई। रांची संत मरिया महागिरजाघर, गोस्सनर एंवेजेलिकल लुथरेन चर्च, नार्थ वेस्ट गोस्सनर एंवेजेलिकल लुथरेन चर्च, चर्च आफ नार्थ इंडिया, असेंबली ऑफ गॉड चर्च कांटाटोली सहित सभी गिरजाघरों में शिबू सोरेन के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए ईसाई

समुदाय के लोगों ने प्रार्थना की। गोस्सनर एंवेजेलिकल लुथरेन चर्च (जीईएल) चर्च के रेव पादरी आलोक मिंज ने कहा कि झारखंड अलग राज्य आंदोलन में शिबू सोरेन के योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है।

गुरुजी जल्द ठीक हों, सरना समिति ने की प्रार्थना

रांची। केन्द्रीय सरना सम्मिति ने रविवार को सरना स्थल सिरमटोली में दिशोम गुरू शिबू सोरेन की लंबी आयु और जल्द स्वास्थ्य लाभ के लिए पाहन ने प्रर्थना सभा की। साथ ही सरना माँ और धरमेश बाबा से जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना की। मौके पर केंन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने बताया कि सिरमटोली सरना स्थल पर समिति के सदस्यों द्वारा पूजा अर्चना कर शिबू सोरेन के लिए स्वास्थ्य होने की कामना की गई। अजय तिर्की ने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड की पहचान हैं, जिन्होंने राज्य गठन से लेकर राज्य अलग होने तक आंदोलन किया। आज भी झारखंड में शिबू सोरेन भगवान की तरह पूजे जाते हैं। जल जगंल, जमीन की लड़ाई लड़ी। वह आदिवासी समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत और स्वाभिम्मान के प्रतीक हैं। इस मौके पर रुपचंद तिर्की, नवनीत उंराव, अजय कच्छप, बबलू उराव, बाहा तिग्गा, आशुतोष कुमार, अजीत उरांव, मनोज उरांव, शिवराम उरांव, सुमित्रा परमेश्वर उरांव आदि शामिल थे।

संजय सेठ ने कानपुर छावनी का किया निरीक्षण

रांची। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को कानपुर छावनी का दौरा किया और 7 इन्फेंट्री ब्रिगेड के बहादुर सैनिकों से मुलाकात की। श्री सेठ का 7 इन्फेंट्री ब्रिगेड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल सुनील शेरॉन ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान मंत्री को ऑपरेशनल तैयारियों और सैनिकों के लिए कल्याणकारी उपायों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने सैनिकों से बातचीत भी की और उनके अनुभव सुने। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के सफल संचालन के लिए अधिकारियों और जवानों को विशेष रूप से बधाई दी। ऑपरेशन सिंदूर को जिस तरह हमारे जवान ने बहादुरी का परिचय देते हुये सफल ऑपरेशन किया, ये हमारे लिये गर्व की बात है।

मारवाड़ी कॉलेज के केमिस्ट्री विभाग की दो छात्राओं को 6.5 लाख रुपये का पैकेज मिला

रांची। मारवाड़ी कॉलेज (केमिस्ट्री विभाग) की दो छात्राओं बबीता कुमारी और आकृति श्रीवास्तव का चयन वेदांता कंपनी में 6.5 लाख के पैकेज पर हुआ है। दोनों छात्राओं को रहने और खाने की सुविधा भी कंपनी की ओर से दी जाएगी। दो साल बाद आईआईएम से एमबीए कराया जाएगा। इसके बाद 10 से 12 लाख सालाना पैकेज इंक्रीमेंट होगा। कैंपस चयन प्लेसमेंट सेल द्वारा 24 और फाइनल इंटरव्यू 29 जून को हुआ था।

गौरवशाली विरासत के साथ बन रहा आत्मनिर्भर भारत: बाबूलाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी, सांसद, विधायक, मोर्चा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने रविवार को मंडल बूथों पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना गया। बूथ पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधारोपण भी किया गया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने देवघर जिलांतर्गत जसीडीह प्रखंड के कुशमहा में मन की बात सुनी। इस अवसर पर श्री मरांडी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम भारत के सांस्कृतिक, सामाजिक आर्थिक प्रगति का दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सांस्कृतिक विरासत के साथ आत्म निर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की कला संस्कृति, पारंपरिक हुनर का सम्मान आज बढ़ा है। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने हरमू मंडल रांची में कार्यक्रम को सुना।

रांची रेलवे स्टेशन से 10 किलो गांजा जब्त, तस्कर गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आरपीएफ नशे के तस्करों के खिलाफ लगातार बड़ी कारवाई कर रही है। नशे के तस्करों के खिलाफ रांची रेल मंडल में ऑपरेशन नार्कोस चलाया जा रहा है। इसी अभियान के दौरान रांची रेलवे स्टेशन से दस किलो गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के नेतृत्त्व में रांची रेल मंडल में आरपीएफ के अफसर और जवान नशे के तस्करों के खिलाफ उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में विशाखापट्टनम से गांजा लेकर चले एक तस्कर को रांची रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया है। आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार ने बताया कि रांची रेलवे स्टेशन पर नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए आरपीएफ पोस्ट रांची तथा फ्लाइंग टीम रांची द्वारा गहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। चेकिंग अभियान के दौरान ट्रेन संख्या 12817 (हटिया-आनंद विहार एक्सप्रेस) जब प्लेटफार्म संख्या -एक पर पहुंची। जिसमें जांच के दौरान एम-2 कोच के सीट संख्या 80 पर एक युवक संदिग्ध अवस्था में बैठा पाया गया। पूछताछ पर उसने अपनी पहचान अमन उत्तर-पश्चिम दिल्ली के रूप में दी। उसने बताया कि बैग उसका ही है। जिसमें से 10 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है। जिसका बाजार मूल्य लाखों में बताया जा रहा है।

जब्त गांजा को डीड किट से जांचकर पुष्टि की गई। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने यह गांजा विशाखापट्टनम से खरीदा था और आनंद विहार में ऊंचे दाम पर बेचने जा रह था। गांजा को मौके पर ही जब्त कर लिया गया तथा आरोपी को जीआरपी रांची को अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया।

एचइसी में आउटसोर्सिंग का विरोध हुआ तेज कर्मचारी बोले- नहीं भरेंगे एजेंसी का फॉर्म

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन- एचइसी एक बार फिर कर्मचारियों के गुस्से की जद में है। कंपनी में आउटसोर्सिंग व्यवस्था लागू करने की तैयारी के बीच सप्लाई और ठेका मजदूरों ने तीखा विरोध शुरू कर दिया है। कर्मचारियों का कहना है कि वर्षों की सेवा के बावजूद उन्हें अनदेखा कर बाहर की एजेंसी से नियुक्तियों की कोशिश न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि कंपनी के मूल ढांचे के खिलाफ भी है।

फार्म नहीं भरने पर बनी सहमति : रविवार को धुर्वा गोल चक्कर के पास एक बड़ी बैठक आयोजित की गई, जिसमें लगभग 1400 मजदूरों और उनके परिवारों ने भाग लिया। मजदूरों ने स्पष्ट कर दिया कि कोई भी कर्मचारी आउटसोर्सिंग के लिए फार्म नहीं भरेगा। आंदोलनकारियों का कहना है कि अगर प्रबंधन जबरन फॉर्म भरवाने की कोशिश करेगा, तो कानूनी विकल्पों का सहारा लिया जाएगा।

हम कोई प्रयोग नहीं, अनुभवी कर्मचारी हैं...

एचईसी मजदूर संघर्ष समिति के सदस्य मनोज पाठक ने कहा, 'हम 20-25 वर्षों से एचईसी की सेवा में हैं, जब स्थायीकरण होना चाहिए था, तब एजेंसी के बहाने बाहर किया जा रहा है, यह धोखा है। पहले भी सुरक्षा विभाग में आउटसोर्सिंग फेल हो चुका है, अब वही गलती दोहराई जा रही है। उन्होंने कहा कि जब कंपनी खुद आर्थिक तंगी से जूझ रही है, तो एजेंसी पर लाखों रुपये खर्च करना समझ से परे है। एचईसी को चाहिए कि वह अपने कर्मचारियों की जिम्मेदारी खुद उठाए और उन्हें वे सभी सुविधाएं दे।

विरोध का स्वरूप हो रहा तेज

बैठक में निर्णय लिया गया कि जब तक आउटसोर्सिंग योजना को वापस नहीं लिया जाता, आंदोलन जारी रहेगा। कर्मचारियों ने कहा कि यह सिर्फ नौकरी का नहीं, बल्कि गरिमा और भरोसे का सवाल है। अगर आज की मेहनत का यह सिला मिला, तो कल कोई भी तकनीकी श्रमिक इस संस्थान से नहीं जुड़ना चाहेगा। इधर एचईसी मजदूर संघर्ष समिति के सदस्य मनोज पाठक का कहना है कि 'अगर सरकार और प्रबंधन को एचईसी को बचाना है, तो सबसे पहले उन्हें कर्मचारियों के अनुभव, समर्पण और अधिकारों को सम्मान देना होगा। मजदूरों का विरोध आंदोलन में बदल चुका है ।

लायन्स रांची ईस्ट की नयी टीम निर्वाचित

भारतेंदु झा अध्यक्ष, अमित सचिव व अंजना बनीं कोषाध्यक्ष

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विश्व के 210 देशों में, लगभग 50 हजार क्लबों के माध्यम से एवं 14 लाख सदस्यों के द्वारा सामाजिक सेवा करने वाली सबसे बड़ी संस्था लायन्स इंटरनेशनल के इकाई लायन्स क्लब ऑफ रांची ईस्ट के पदाधिकारियों का निर्वाचन सर्वसम्मति से हुआ। नयी टीम में भारतेन्दु झा- अध्यक्ष, अमित कुमार -मानद सचिव एवं अंजाना गट्टानी कोषाध्यक्ष बनीं। नयी टीम का कार्यकाल 1 जुलाई 2025 से 30 जून 2026 तक होगा।

ज्ञातव्य हो कि लायन्स इंटरनेशनल ही एकमात्र ऐसी सामाजिक कार्य करने वाली संस्था है जो संयुक्त राष्ट्र संघ में वर्ष 1945 से बतौर सलाहकार के रूप में सदस्य है। लायन्स क्लब ऑफ रांची ईस्ट की स्थापना 30 नवम्बर 1985 में हुई थी एवं 17 जनवरी 1986 को इसे लायन्स इंटरनेशनल द्वारा मान्यता प्राप्त हुई थी। महज

56 सदस्यों द्वारा आरंभ किए गए क्लब में आज 200 से भी ज्यादा सक्रिय सदस्य हैं, जिनके प्रयासों से लायन्स क्लब ऑफ रांची ईस्ट पूर्वी भारत के बड़े एवं सक्रिय क्लबों की श्रेणी में शामिल है।

लायन्स क्लब ऑफ रांची ईस्ट का हस्ताक्षर एवं स्थायी प्रोजेक्ट कोकर रांची अवस्थित निरामया अस्पताल है, जो पिछले तीन दशक से स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा कार्य कर रहा है।

नए अध्यक्ष भारतेन्दु झा की प्राथमिकताओं में लायन्स इंटरनेशनल के दिशा निर्देशन में बच्चों के स्वस्थ चरित्र, पर्यावरण एवं युवाओं में कौशल विकास शामिल होंगे। नयी टीम को सहयोग हेतु पूर्व जिलापाल राजेश गुप्ता- एडमिनिस्ट्रेटर, सतीश गुप्ता एवं सुनील माथुर क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय उपाध्यक्ष सहित किशोर मंत्री, रामकृष्ण जी, दिनेश लाल ठाकुर, बिनोद सिंह, मुकेश पांडे, बिरेन्द्र नारायण, जुथीका सानयल, शायरी अग्रवाल, शिवानी सोनी, अनीता झा, अजित गुप्ता, मनोज गोप, डॉ सुरंजन सरकार, देवाशीष सानयाल, प्रशांत गुप्ता, नीरजकांत साहा, योगेंद्र साहू, रुपेन्द्र कुमार, संतोष अग्रवाल, सीताराम नरसरिया आदि निदेशक मण्डल में शामिल हैं। क्लब के पीआरओ लायन शीतल ओहदार होंगे।

मारवाड़ी ब्राह्मण सभा ने किया होनहार छात्रों को सम्मानित

रांची। मारवाड़ी ब्राह्मण सभा द्वारा रविवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर संयोजक श्याम सुंदर गोवला ने प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किए जाने की जरूरत पर अपने विचार रखे। विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश शर्मा ने अपने उद्बोधन में समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को आशीर्वाद देकर मनोबल बढ़ाया और कहा कि बच्चों को परिवार एवं समाज में अपनी प्रतिष्ठा बनाने का प्रयास करना चाहिए। इसके उपरांत मुख्य अतिथि चंदन मिश्र ने अपने संबोधिन में सभी बच्चों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी और कहा कि जीवन में उंचाई पर पहुंचना बड़ी बात नहीं है, बड़ी बात है उस ऊंचाई पर बने रहना। इसके बाद मारवाड़ी ब्राशण समाज के प्रतिभाशाली बच्चों वेदांत शर्मा, यशस्वी शर्मा, अवतांश शर्मा,(केट) नैतिक जोशी, तेजस्विनी जोशी, शोर्य शर्मा, हर्षिता जोशी, मयंक भारद्वाज, जिज्ञासा शर्मा, प्रथम शर्मा, आरव शर्मा, शुभ वशिष्ठ, जय किशन वशिष्ठ (सी.ए.), तनिष शर्मा, मनन दाधीच, तेजस्वी शर्मा, शोर्य शर्मा, दिव्यांशु शर्मा और स्नेहा शर्मा, आलोक दाधीच (सीएफए) और दक्ष शर्मा को विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य अतिथि द्वारा मोमेंटो एवं सम्मान-पत्र दे कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को सफलता बनाने मे सह संयोजक मनीष शर्मा, दीपक शर्मा ,कमल शर्मा, नथमल शर्मा का सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में पुर्व अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष गुलाब शर्मा, उपमंत्री महेन्द्र शर्मा, प्रदीप शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य धर्मचंद शर्मा, ललित माटोलिया, कृष्णा शर्मा, ओमप्रकाश जाटोलिया, अनिल शर्मा, योगेश सारस्वत, विनय जोशी, चेतन माटोलिया, रामगोपाल दायमा, पवन गोवला, डा. विजय शर्मा, राजेश कौशिक, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल सहित महिला सदस्या मती ममता शर्मा, पिंकी शर्मा, प्रभा शर्मा, अन्नू शर्मा, बिन्दु शर्मा, सुनिता शर्मा तनुजा शर्मा सहित काफी संख्या में समाज के लोगों ने हिस्सा लिया। धन्यवाद ज्ञापन मंत्री कृष्णा लाल शर्मा ने किया।

राजा राम की न्यायप्रणाली लोकतांत्रिक थी : डॉ उपाध्याय

रांची। लक्ष्मी नगर, रातू रोड़ में डॉ जेबी पांडेय के आवास पर रथ यात्रा के पावन मौके पर राजा राम की न्याय प्रियता पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता डा एसएस उपाध्याय (सेवा निवृत न्यायमूर्ति और यूपी के राज्यपाल के पूर्व सलाहकार) थे। उन्होंने कहा कि यद्यपि कि राम का जन्म त्रेता में राज परिवार रघुकुल में हुआ था, लेकिन उनकी न्याय प्रणाली लोकतांत्रिक थी। जब वे अयोध्या के राजा बने तो उनके राज में दैहिक दैविक भौतिक तापा का निर्मूलन हो गया था और समाज में समरसता थी। तुलसी ने रामचरितमानस में रामराज्य का वर्णन करते हुए लिखा है दैहिक दैविक भौतिक तापा। रामराज्य नहिं काहुहि व्यापा। उन्होंने कहा कि सभी अपने धर्म का पालन वैदिक रीति से करते थे। राम के निर्णय में पारदर्शिता थी। कानून की दृष्टि में सभी समान थे। उनका आदर्श वाक्य था कि जिस राजा के राज्य में प्रजा दुखी रहती है,वह राजा अवश्य ही नरक का अधिकारी होता है। राजा राम ने गलत करने पर प्रजा को टोकने का अधिकार जनता जनार्दन को दिया था। स्वतंत्र भारत में राष्ट्र पिता महात्मा गांधी का सपना राम राज्य की स्थापना थी। वर्तमान मोदी सरकार भी उसी राम राज्य के सपने को साकार करना चाहती है। अपने वक्तब्य में रांची विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो डॉ जंग बहादुर पाण्डेय ने कहा कि राजा राम की न्याय व्यवस्था निष्पक्ष, पारदर्शी और तटस्थ थी। गलती करने पर उन्होंने अपने प्रिय अनुज लक्ष्मण को राज्य से बहिष्कृत कर दिया था। लोक की आराधना के लिए जानकी तक का परित्याग कर दिया था। संगोष्ठी की अध्यक्षता राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर धनबाद के संस्थापक प्राचार्य डॉ वासुदेव प्रसाद ने की। डा हीरानंद प्रसाद, डा विनोद सिंह गहरवार, डा विष्णु जायसवाल, डा प्रशांत गौरव, डा चंद्र मणि किशोर, डा मणिश शर्मा, डा प्रदीप कुमार वर्मा, डा सीमा कुमारी, डा पूनम किंकर, डा गौतम कुमार गुप्ता, शैलेन्द्र कुमार, मन्नु ओझा, आसमां ओझा, अंशिका त्रिपाठी आदि ने भी अपने सारगर्भित उद्बोधन से संगोष्ठी में चार चांद लगाया। अतिथियों का भव्य स्वागत डा तारामणि पाण्डेय ने, सरस्वती वंदना डा बिनोद सिंह गहरवार ने कुशल संचालन डा ओम प्रकाश ने और धन्यवाद ज्ञापन डा प्रशांत गौरव ने किया। शांति पाठ और राष्ट्र गान से संगोष्ठी की पूर्णाहुति हुई।

लोकार्पण सह सम्मान समारोह में पावस-कविताओं की फुहारें

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। श्री साहित्य कुंज की मासिक गोष्ठी में विश्ववाणी संस्थान अभियान (जबलपुर) के साझा बहुभाषीय-संग्रह 'चंद्र विजय अभियान' का लोकार्पण रांची स्थित सर्जनी अपार्टमेंट में वरिष्ठ साहित्यकार निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव के कर कमलों से हुआ। भारत की बावन भाषा /बोलियों में संग्रहित इस काव्य संकलन की संकल्पना के जनक व संपादक आचार्य संजीव वर्मा 'सलिल' है। इस संग्रह में संकलित चांद के वैज्ञानिक व आध्यात्मिक महत्व की कविताओं का साहित्यक विश्लेषण

करते हुए आयोजन की अध्यक्षता कर रहें निरंजन प्रसाद ने रामधारी सिंह दिनकर की रचना 'चांद का कुर्ता' और माधव मुक्तिबोध की कविता 'चांद का मुंह टेढ़ा' पढ़कर साहित्यिक विचार मंथन को सभी के समक्ष रखा। आयोजन में मुख्य अतिथि उर्मिला सिन्हा ने इस संग्रह को बड़ी उपलब्धि बताते हुए, सभी सम्मिलित रचनाकारों को बधाई दी। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि गीता चौबे 'गूंज' जो बेगलुरु से रांची आई हुई हैं, उन्होंने विश्ववाणी संस्थान अभियान के विषय में सभी को अवगत कराया और उसकी उपलब्धियों को सभी के समक्ष रखा।

विशिष्ट अतिथि के रूप में रूणा रश्मि ने चंद्र विजय अभियान को एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए आचार्य संजीव वर्मा 'सलिल' के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर संग्रह के रचनाकारों में मनीषा सहाय, हिमकर श्याम, गीता चौबे गूंज, पुष्पा पांडेय,नीता शेखर, निर्मला कर्ण, सिम्मी नाथ को सम्मान पत्र पुस्तक व दुपट्टा से सम्मानित भी किया गया। आयोजन का संचालन भावना अम्बष्ठ व बिंदु प्रसाद ने किया व सरस्वती वंदना मधुमिता साहा ने की। धन्यवाद ज्ञापन नीता शेखर ने किया। भीगे-भीगे मौसम में सभी ने काव्य की सुगंधित रसधारा का प्रवाह भी किया। किसी ने बूंदों के सफर को सजाया तो किसी ने भोले बाबा को याद किया।

भाषा के नाम पर बांटने की जगह सरकार जोड़ने का काम करे : कैलाश यादव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अखिल भारतीय भोजपुरी मगही मैथिली अंगिका मंच की महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष कैलाश यादव की अध्यक्षता में हरमू पटेल पार्क के समीप आवासीय कार्यालय बी/149 में रविवार को हुई। बैठक का संचालन कार्यकारी अध्यक्ष अमरनाथ झा ने किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि संगठन की मजबूती के लिए जिला स्तर और प्रदेश स्तर पर क्षेत्रवार जनजागरण अभियान चलाया जाय और कमिटी को पूर्ण रूप दिया जाए। इसके अलावा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भोजपुरी, मगही, मैथिली, अंगिका, भूमिज भाषा को नियोजन नीति में समाहित कर क्षेत्रीय भाषा में शामिल करे।

बैठक के दौरान कैलाश यादव ने कहा कि राज्य सरकार में शामिल कुछ राजनेता और अधिकारी भोजपुरी, मगही, मैथिली, अंगिका, भूमिज भाषा के साथ सौतेला व्यवहार करने का गलत मार्गदर्शन किया करते हैं, जो जनहित के खिलाफ है, शासन जोड़ने का काम करे बंटवारा नहीं करे जिससे सामाजिक समरसता न बिगड़े।

श्री यादव ने कहा कि मंच जिला और प्रदेश स्तर पर व्यापक रूप में कार्य करेगी, इसके लिए क्षेत्रवार प्रभारी बनाने का निर्णय लिया गया है। कमिटी का पूर्ण रूप विस्तार के लिए आगामी दिनांक 13 जुलाई को हटिया में आयोजित बैठक के दौरान किया जाएगा। संचालन कर रहे अमरनाथ झा ने कहा कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में हम सभी लोगों को जोड़ने का काम कर रहे हैं, ये विषय भाषाई अस्मिता से जुड़ा हुआ इसलिए सरकार पर दबाव बनाने के लिए एकजुटता जरूरी है।

बैठक में ब्रजकिशोर झा, बबन यादव, रुद्रकांत मिश्रा, रामकुमार यादव, रामपुकार राय, सुनील पांडेय, उमेश राय, चंद्रदेव मंडल, महानंद यादव, विभाकर कुमार, द्वारिका राय, सदानंद सिंह, विजयकांत, अरुण राय, दिलीप यादव, योगेंद्र शर्मा सहित कई लोग मौजूद थे।

डांस कंपटीशन का आयोजन

रांची। बरियातू स्थित यूके डॉन्स एकेडमी द्वारा डॉन्स वॉर नामक डांस कंपटीशन का तीसरा सीजन का आयोजन रविवार को किया गया। जिसमे फाइनल में चयनित लगभग पचास बच्चों ने अपने नृत्य का प्रदर्शन किया। सभी चयनित प्रतिभागीयों को दो ग्रुप में रखा गया। प्रतिभागियों ने एसिड अटैक, हॉरर एक्ट, चार्ली चैपलिन एक्ट समेत कई बेहतरीन परफार्मेंस किये। ग्रुप ए में प्रथम स्थान अमायरा टिया कुजूर, द्वितीय स्थान पीहू भारतीय और तृतीय स्थान अतिका सिद्दीकी को मिला। ग्रुप बी में प्रथम स्थान वान्या, द्वितीय स्थान समायरा मिधा और तृतीय स्थान अक्षिता कृष्णा को दिया गया। निर्णायक के रूप में झालीवुड के नायक राजू तिर्की और कोरियाग्राफर दिनेश देवघरिया मौजूद रहे। यूके डॉन्स एकेडमी के डायरेक्टर और कोरियाग्राफर उमेश सिंह ने बताया कि डॉन्स वॉर के दो सीजन की तरह इस बार भी बच्चों ने नृत्य का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस प्रोग्राम को सफल बनाने में डॉ अल्का रश्मि नाग, प्रशांत महतो, सृष्टि प्रिया, डॉ संचया विभूति, संकल्प शिल्पी, विकी नायक, आकाश महतो, नेहा, शुभम महतो का भरपूर सहयोग मिला।

पद्मश्री कवि सुरेंद्र दुबे के निधन पर शोक व्यक्त

रांची। हास्य-व्यंग्य कविता के क्षेत्र में देशभर में अपनी अलग पहचान बनाने वाले पद्मश्री सम्मानित कवि सुरेंद्र दुबे के आकस्मिक निधन पर कवि सम्मेलन आयोजन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने गहरा शोक संवेदना व्यक्त करते हुए रविवार को दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि डॉ० सुरेंद्र दुबे न केवल एक सशक्त और प्रखर कवि थे, बल्कि वे अपने शब्दों से समाज को जागरूक करने वाले सच्चे संवेदनशील रचनाकार भी थे। वे ऐसे कवि थे जिनकी कविताओं में व्यंग्य के माध्यम से गंभीर सामाजिक संदेश सहजता से प्रस्तुत होते थे। उनकी प्रस्तुति में जितना हास्य होता था, उतनी ही गहराई भी होती थी। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में-सुरेश चंद्र अग्रवाल, ललित कुमार पोद्दार, अशोक कुमार नारसरिया, विनोद कुमार जैन, पवन शर्मा, अनिल अग्रवाल, पवन पोद्दार, किशोर मंत्री, रतन मोर, कमल जैन, मनोज बजाज, पुनीत पोद्दार, पुनीत अग्रवाल, हरि कनोडिया, संजय सर्राफ, प्रकाश झोलिया, बबलू हरित, संतोष अग्रवाल शामिल है। ये जानकारी समिति के पूर्व प्रवक्ता संजय सर्राफ ने दी।

चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा, झारखंड प्रदेश का चुनाव संपन्न

- **प्रदेश अध्यक्ष पद पर लोहरदगा निवासी किशोर वर्मा व प्रदेश युवा अध्यक्ष पद पर धनबाद निवासी आकाश रवानी विजयी घोषित**

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा झारखंड प्रदेश का चुनाव आज पूरे प्रदेश में गुप्त मतदान के द्वारा संपन्न हुआ। इस निमित्त पूरे प्रदेश को दस सेक्टर में बांटा गया था जहां समाज के कार्यकर्ताओं ने पूरी चुनावी प्रक्रिया को सफलता पूर्वक संपन्न कराया।

प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में चंद्रवंशी समाज के लोगों में विशेष उत्साह रहा। समाज के मतदाताओं ने मतदान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। रॉची जिला में चुनाव के लिए पहाड़ी स्थित चंद्रवंशी भवन के मतदान केंद्र में भी बड़ी संख्या में मतदाताओ ने अपने मताधिकार का उपयोग किया और प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश युवा अध्यक्ष का चुनाव किया।

अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आजाद की उपस्थिति में राष्ट्रीय चुनाव आयुक्त सुरेन्द्र सिंह, प्रदेश चुनाव प्रभारी सुबोध कुमार व रांची जिला के चुनाव प्रभारी प्रेम वर्मा ने संयुक्त रूप से चुनाव परिणाम की घोषणा की। जिसमें सर्वाधिक मत लाकर प्रदेश अध्यक्ष पद पर लोहरदगा निवासी किशोर कुमार वर्मा व प्रदेश युवा अध्यक्ष पद पर धनबाद जिला निवासी आकाश रवानी विजयी घोषित किए गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आजाद ने इस ऐतिहासिक चुनाव की सफलता पर समाज के सभी लोगों का आभार जताया।

मौके पर डॉ पिंटू, रेखा वर्मा, सुनील सिंह चंद्रवंशी, सत्येंद्र वर्मा, राजेश वर्मा, विनय चंद्रवंशी, दीपक वर्मा, पप्पू वर्मा, विक्रम वर्मा, आकाश चंद्रवंशी, राजा वर्मा सहित समाज के लोग उपस्थित थे।

30 जून 1855 की हूल क्रांति पर विशेष

जब आदिवासी अस्मिता ने अंग्रेजी हुकूमत को ललकारा

- **20,000 आदिवासियों के बलिदान से लिखी गई आजादी की पहली कहानी**

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में कई आंदोलन, कई बलिदान और कई वीर गाथायें दर्ज हैं। लेकिन, उनमें से एक ऐतिहासिक क्रांति है, जिसे हूल क्रांति कहा जाता है। यह भारत की आजादी की पहली संगठित लड़ाई थी, जो 30 जून 1855 को झारखंड के साहेबगंज ज़िले के भोगनाडीह गांव से शुरू हुई। संथाल जनजाति के सिद्धो कान्हू, चांद भैरव और फूलो झानो जैसे महान वीरों ने अंग्रेजी हुकूमत और जमींदारी प्रथा के विरुद्ध अबुआ दिशुम, अबुआ राज का उद्घोष कर क्रांति का बिगुल फूंका।

हूल संथाली भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है- क्रांति। यह विद्रोह केवल किसी कर प्रणाली या अत्याचार के खिलाफ नहीं था। बल्कि यह आदिवासी अस्मिता, सांस्कृतिक पहचान, जल जंगल जमीन की रक्षा और स्वशासन के अधिकार के लिये था। यह वह समय था जब अंग्रेज सरकार और साहूकारों की मिलीभगत से आदिवासियों की जमीन छीन कर जमींदारों को दी जा रही थी। उनकी संस्कृति को कुचला जा रहा थाए और उनकी आजीविका पर संकट खड़ा हो गया था। ऐसे में संथाल समाज के 50,000 से अधिक लोग संगठित होकर इस क्रांति में शामिल हुये। इस आंदोलन को कुचलने के लिये अंग्रेजों ने पूरी ताकत झोंक दी। फर्जी मुकदमों, दमन, गोलियों

और फांसी के जरिये आदिवासी जननायकों को खत्म करने की कोशिश की गई। इतिहासकारों के अनुसारए इस क्रांति में लगभग 20ए000 से अधिक आदिवासियों ने अपने प्राणों की आहुति दी। सिद्धो-कान्हू को 26 जुलाई 1855 को अंग्रेजों ने फांसी दे दी। लेकिन उनका संघर्ष आज भी आदिवासी अस्मिता का प्रतीक बना हुआ है।

दुर्भाग्यवश, मुख्यधारा के इतिहास ने इन वीरों और उनके योगदान को लंबे समय तक उपेक्षित रखा। परंतु आजादी के 75 वर्ष बादए जब देश ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाया, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदिवासी योद्धाओं को ऐतिहासिक सम्मान देने की पहल की। उन्होंने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित कियाए जो भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है। इसका उद्देश्य आदिवासी समाज के योगदान को राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाना और जनजातीय नायकों की गौरवगाथा को जन.जन तक पहुँचाना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह स्पष्ट किया कि स्वतंत्रता संग्राम केवल कुछ गिने-चुने नेताओं की कहानी नहीं। बल्कि यह देश के कोने कोने में लड़े गये संघर्षों और हजारों-लाखों बलिदानियों की विरासत है। इसी सोच के तहत झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल और पूरे पूर्वोत्तर भारत के आदिवासी नायकों की कहानियों को प्रमुखता दी जा रही है। हूल क्रांति कोई साधारण क्रांति नहीं थी। यह एक संगठित सामाजिक क्रांति थी। जिसने यह साबित किया कि आदिवासी समाज न केवल अपने अस्तित्व की रक्षा कर सकता है। बल्कि अपने आत्मसम्मानए स्वतंत्रता और संस्कृति के लिए जान देने को भी तत्पर रहता है। यह क्रांति देश की पहली ऐसी जनआंदोलन थी जिसमें महिलाओं की भी समान भागीदारी थी। फूलो झानो जैसी वीरांगनायें आज भी आदिवासी महिला सशक्तिकरण का प्रतीक हैं।

आज जब हम आजादी के अमृत काल में प्रवेश कर चुके हैंए यह अत्यंत आवश्यक है कि हम संथाल हूल क्रांति जैसे ऐतिहासिक आंदोलनों को उचित स्थान दें। हर वर्ष 30 जून को हूल दिवस के रूप में मनाकर हम इन वीर योद्धाओं की स्मृति को नमन करते हैं और आने वाली पीढ़ियों को यह बताते हैं कि भारत की आजादी की नींव जंगलों, पहाड़ों और खेतों में रहने वाले उन अनाम नायकों ने रखी थी। जिनका इतिहास अब पुनः लिखा जा रहा है।

जय हूल! जय जोहार!

लेखक -:
अशोक बड़ाईक
प्रदेश मिडिया सह प्रभारी
भारतीय जनता पार्टी, झारखंड

खबर एक नजर में

अखंड हिंद फौज के दीपक कुमार पहुंचे रांची, स्वागत

रांची। अखंड हिंद फौज के राष्ट्रीय संरक्षक श्री विजय शंकर बबेले कोमोडोर के दिशा निर्देश पर दीपक कुमार चिंतामन रविवार को रांची पहुंचे। उनका राष्ट्रीय सैनिक संस्था के पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत किया। भूतपूर्व सैनिक दिनेश्वर पाठक, मनोज कुमार उर्फ पुटू, श्वेता आर्या ने माला, तिरंगा पट्टा, बैच पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर युवा विंग के आयुष कुमार अग्रवाल, ऋषभ कुमार, प्रिंस कुमार शर्मा, बिनीत कुमार सिंह, प्रेरणा कुमारी, पूनम मिश्रा उपस्थित थे।

प्रवक्ता बनाये जाने पर सूरज शाहदेव बधाई दी

रांची। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का पुनगर्ठन राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। सूरज नाथ शाहदेव को प्रदेश प्रवक्ता बनाये जाने पर प्रदेश अध्यक्ष बिनय कुमार सिंह, पूर्व विधायक एवं महासभा के संरक्षक कमलेश सिंह, ललन सिंह, सूरजदेव सिंह, मनीषा सिंह, आदर्श कुमार सिंह, राजीव रंजन सिंह, दिवाकर सिंह, ऋषि सिंह राणा ने बधाई दी। श्री शाहदेव ने कहा कि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने जो विश्वास मुझपर व्यक्त किया है उसपर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगा।

मरकज-ए-अदब-व-साइंस का 21वां दीक्षांत समारोह का आयोजन

रांची। मरकज-ए-अदब-व-साईस का 21वां दीक्षांत समारोह रविवार को आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि जेके शाह साइंटिस्ट और लेफ्टिनेंट कर्नल गुफरान दानिश मुख्य रूप से उपस्थित थे। समारोह का संचालन केंद्र प्रबंधक मो. यूसुफ अंसारी ने किया। प्रोग्राम की अध्यक्षता ट्रस्ट के सचिव डॉ तारिक सज्जाद ने की। धन्यवाद प्रस्ताव ट्रस्ट के चेयरपरसन डॉ रुबिना नासरिन ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जेके साह ने अपने संबोधन में नाइलीट के कोर्सेस और रोजगार के अवस्सर पर छात्र-छात्राओं से चर्चा की।

झारखंड कोऑपरेटिव बैंक के डायरेक्टर ने प्रशिक्षणार्थियों का हौसला बढ़ाया

रांची। मन्मुख एजुकेशन के द्वारा आयोजित दूसरे बैच का इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड कोऑपरेटिव बैंक एवं झाम्फकोफेड के डायरेक्टर प्रभात कुमार का स्वागत मन्मुख एजुकेशन संस्था के संस्थापक मनोज कुमार झा के द्वारा किया गया। इन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि आप लोग अपने लक्ष्य को प्राप्त करें। अगर लक्ष्य प्राप्त करने में दिक्कत हो तो उसके बाद आप हमारे बैंक से कांटेक्ट करें। मेडिकल लाइन से संबंधित व्यवसाय करने में अगर आपको वित्तीय सहयोग की दिक्कत होगी तो हमारा बैंक आपके सहयोग के लिए तैयार है। अगर आपका सिविल स्कोर अच्छा होगा तो बिना गारंटर का वित्तीय सहयोग मिलेगा। संस्था के संस्थापक मनोज कुमार झा ने कहा कि हम आप लोगों को हर स्तर पर मदद करने के लिए तैयार हैं और आगे भी करेंगे। प्रोजेक्ट मैनेजर मनजीत कुमार झा ने भी अपनी बातों को रखा। संस्था के सभी सदस्य इस अवसर पर मौजूद थे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रांची महानगर की सदस्यता कार्यशाला में नयी सदस्यता टोली की घोषणा

रांची। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) रांची महानगर द्वारा रविवार को यशवंत स्मृति भवन, प्रांत कार्यालय में सदस्यता अभियान के निमित्त एक विशेष सदस्यता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन कर महानगर मंत्री तुषार दुबे और प्रांत मीडिया संयोजक गुड्डू राय ने संयुक्त रूप से किया। कार्यशाला में अभाविप के विभिन्न पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नव-प्रवेशी छात्र उपस्थित थे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सदस्यता अभियान की रूपरेखा तय करना, प्रशिक्षण देना और रणनीति बनाना था। इस अवसर पर केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य सदस्य दिशा दित्या ने महानगर सदस्यता प्रमुख के साथ मिलकर सदस्यता टोली की घोषणा की, ताकि सदस्यता कार्य को संगठित गति मिल सके। कार्यक्रम के दौरान प्रांत सदस्यता प्रमुख गुड्डू राय ने विशेष सत्र को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यता अभियान की विशेषताओं, उद्देश्यों और कार्यपद्धति की जानकारी दी।

डीएसपीएमयू में हूल दिवस पर छुट्टी

रांची। रांची विवि के बाद अब, डीएसपीएमयू में भी हूल दिवस पर छुट्टी घोषित कर दी गयी है। विवि की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि 21 दिसंबर 2024 में कुलपति के आदेशानुसार आंशिक संशोधन करते हुए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में 30 जून 2025 के प्रतिबंधित अवकाश को परिवर्तित करते हुए 30 जून को विश्वविद्यालय में हूल दिवस के अवसर पर नियमित अवकाश घोषित किया जाता है। यह जानकारी पीआरओ डॉ राजेश कुमार सिंह ने दी।

रीबॉक ने पहली वर्षगांठ मनायी

रांची। रीबॉक (आदित्य बिड़ला लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड) के मेन रोड रांची स्थित स्टोर ने अपनी पहली वर्षगांठ पूरे जोश और उत्साह के साथ रविवार को मनायी। इस खास मौके पर ग्राहकों के लिए आकर्षक छूट की पेशकश की गई, जिससे सेलिब्रेशन और भी खास बन गया। कार्यक्रम के दौरान केक काटने की रस्म भी आयोजित की गई। मौके पर ज्योति शर्मा मौजूद रहें। इस अवसर पर कंपनी की ओर से सचिन शर्मा (एरिया मैनेजर) और मनीष सिंह (स्टोर मैनेजर) मौजूद रहे और सभी को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई दी।

बेड़ो में बना नया जलमीनार।

सही तरीके से नहीं हो पा रही बेड़ो में नये बने पानी की टंकी से जलापूर्ति

टूटी पाइपलाइन से हजारों लीटर पानी हो रहा बर्बाद

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। जल जीवन मिशन के तहत प्रखंड मुख्यालय स्थित पेयजल आपूर्ति विभाग के परिसर में पेयजलापूर्ति एवं स्वच्छता विभाग पश्चिमी रांची के द्वारा सात करोड़ की लागत बनाई गई पेयजल सप्लाई टंकी ग्रामीणों के लिए शोपीस बनकर रह गई है। प्रखंड मुख्यालय के गुमला रोड बाजार टांड़ व बस्ती सहित बारीडीह गांव के लोगों को नए टंकी से जल नहीं मिल रहा है। दर्जनों ग्रामीणों का कहना है कि अभी तक उन्हें अभी तक उन्हें नया कनेक्शन भी नहीं मिला है। वहीं पुराने टंकी का स्टार्टर जल जाने के कारण बेड़ो में दिनों से पेयजलापूर्ति ठप पड़ी हुई है। जिससे लगातार हो रही बारिश में बेड़ो के लोगों को पेयजल की किल्लत से जूझ रहे हैं। लेकिन विभाग के जिम्मेदार इस समस्या की अनदेखी कर रहा है। लगातार पानी की किल्लत झेल रहे ग्रामीणों और बेड़ोवासियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। वहीं विभागीय लापरवाही के चलते नया बना टंकी बेकार साबित हो रही है। ग्रामीण बताते हैं कि सरकार द्वारा हर घर को नल से जल उपलब्ध कराए जाने की मंशा पूरा होने में तो अभी समय लग रहा है लेकिन जनता की सुविधा के लिए बनवाई गई पेयजल सप्लाई टंकी से सुचारू रूप से जल सप्लाई व्यवस्था गांव के लोगों के घरों तक नहीं पहुंच पा रही है। फटे टूटे पाइप लाइनों को बदला नहीं जा रहा। जब टंकी बन रही थी तो ग्रामीणों ने यह आस लगाई थी कि अब बेड़ो वासियों और गांववालों को नल से जल मिलेगा। लेकिन आधे अधूरे कनेक्शन के बाद और सरकार के विभागीय उदासीनता के चलते ग्रामीणों को सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जल विभाग के उच्च अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए पेयजल सप्लाई टंकी के नल से लोगों को जल सुविधा मुहैया करने के मांग की है।इधर टंकी के संचालन की जिम्मेदारी पंप ऑपरेटर बुधवा उरांव की है, लेकिन उन्हें बीते कई वर्षो से मानदेय नहीं मिला है। इससे वे आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। जिससे बिना वेतन के काम कर रहे पंप ऑपरेटर भी परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ने हर घर जल पहुंचाने का वादा किया था, लेकिन हकीकत में बेड़ो सहित आसपास के गांवों में जल संकट गहरा गया है। ग्रामीणों की मांग है कि नए पानी की टंकी को सुचारू रूप से चलाने पहले पुराने पानी टंकी की स्टार्टर की व्यवस्था की जाए। वही फटे व टूटे नये पाइपलाइन को बदला जाए और नया कनेक्शन किया जाये ताकि जलापूर्ति में कोई बाधा न आये।

तृतीय वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश शौण्डीक (सुड़ी) समाज के तत्वाधान में प्रथम त्रैवार्षिक सम्मेलन सह तृतीय वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन रिंग रोड स्थित रांची हवेली बैंकट हॉल में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद आदित्य साहू के द्वारा दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। उसके बाद उन्होंने अपने संबोधन में निर्धन परिवार के बच्चियों का समाज की ओर से सामूहिक विवाह करने पर जोर दिया। पूर्व विधायक अमित मंडल ने संगठन के कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की और समस्त झारखंड में ऐसे कार्यक्रमों को करने पर जोर दिया। संगठन के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक प्रसाद ने आए हुए समस्त लोगों का स्वागत किया। कार्यकारी अध्यक्ष विनय लाल ने आजीवन सदस्य अधिक से अधिक जोड़ने एवं संगठन को मजबूत करने पर बोल दिया। संगठन के महासचिव अशोक प्रसाद ने समाज की ओर से किए गए समस्त कार्य काप विवरण रखा और भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा रखी। सम्मेलन को योगेंद्र प्रसाद एवं प्रदीप कुमार प्रसाद ने संचालित किया। सम्मेलन को बीडी प्रसाद, शेफाली गुप्ता, इत्यादि ने संबोधित किया। तत्पश्चात नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें मुख्य संरक्षक अशोक प्रसाद, संरक्षक प्रदीप प्रसाद विधायक हजारीबाग, अमित मंडल, बीडी प्रसाद, विनोद रंजन, अध्यक्ष डॉक्टर अशोक प्रसाद, कार्यकारी अध्यक्ष श्री विनय लाल, महासचिव सूबेदार मेजर योगेंद्र प्रसाद, उप महासचिव प्रदीप कुमार प्रसाद को बनाया गया।

गगारी पहाड़ में भोलेनाथ का जलाभिषेक होगा

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। भोलेनाथ धाम गगारी पहाड़, मेला स्थल गगारी ओरमांझी में रविवार को गगारी मेला समित की एक बैठक हुई। मुखिया धनराज बेदिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में पांच जुलाई को आसाड़ी पूजा व श्रावण माह की पहली सोमवारी पर 14 जुलाई को कलष जल यात्रा निाकलने का निर्णय लिया गया। इसमें क्षेत्र के सभी श्रद्धालूओं से इस आयोजन में शामिल होने की अपील करते हुए बताया गया कि कलष जल यात्रा गांव के हेसातु जलासय से कलश में जलभर कर गगारी पहाड़ की चोटी में स्थित बाबा भोलेनाथ को जलाभिषेक किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए जीतेंद्र बेदिया ने बताया, इस वर्ष भी श्रावण पुर्णिमा के अवसर पर गगारी पहाड़ में धूमधाम से मेला लगाया जाएगा। बैठक में पूजा समीति के अध्यक्ष धनेशवर बेदिया, कोशाध्यक्ष राहुल महतो, सचिव दिगेश बेदिया, विशेशवर महतो, प्रकाश करमाली, महादेव उंराव, देवनारायन महतो, लक्षमन गंझु, धनब्रिज बेदिया, पंकज बेदिया, संतोष बेदिया, रामरत्न नायक, शहदेव उंराव, मनु महतो, सचिन महतो, प्रकाश बेदिया, विजय बेदिया व मीडिया प्रभारी जितेंद्र बेदिया उपस्थित थें।

ओरमांझी में आजसू पार्टी का मिलन समारोह

राज्य की व्यवस्था बदलने, युवाओं को आगे आना होगाः सुदेश महतो

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। आजसू पार्टी का मिलन समारोह रविवार को होटल पार्क पैलेस ओरमांझी में हुआ। जिसमें क्षेत्र के कई उपमुखिया, ग्रामप्रधान सहित लगभग 60 भाजपा, कांग्रेस, जेएएम व जेएसकेएम के कार्यकर्ता आजसू पार्टी में शामिल हुए। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो मुख्य ने सभी को पार्टी पहना कर स्वागत किया, और ओरमांझी को बलिदानियों की वीरभूमि बताया, कहा ओरमांझी में बलिदानी टिकैत उमराव सिंह व शेख भिखारी के गांवों को आदर्श गांव बनाने के की योजना थी। कई योजनाओं का शिलान्यास भी किया था। वह आज तक पूरी नहीं हुई है। उन्होने महिलाओं की नेतृत्व क्षमता बढाने में संजीवनी योजना का देन बताया, कहा आज महिलाएं विभिन्न

पंचायत प्रतिनिधि व विभिन्न पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए

कार्यक्रम के मंच पर उपस्थित सुदेश महतो।

संगठनों का सिर्फ नेतृत्व ही नहीं, अपने परिवार को आर्थिक मजबूती प्रदान कर रही है। कहा ओरमांझी में ही संजीवनी योजना का उद्घाटन किया था। अब आजसू पार्टी ओरमांझी से ही नई राजनीति की शुरूवात करेगी। उन्होने आजसू कार्यकर्ताओं में उर्जा का संचार भी किया। कहा राज्य का भविष्य तभी संभव है जब युवा अपने नेतृत्व क्षमता बढाए और नेतृत्व करें। आजसू के नेतृत्व में युवा शक्ति झारखंड राज्य के लिए संघर्ष किया। वहीं झामुमो ने आंदोलन को दिल्ली और पटना में बेचने का कार्य किया। लेकिन आजसू ने समझौता विहीन आंदोलन चलाकर अटलबिहारी वाजपेई से अलग राज्य बनवाया। कहा हेमंत सरकार में जनता के अधिकारों को दबाया जा रहा है। राज्य में दलाली व भ्रष्टाचार का आलम चरम पर है। प्रखंड व थाना अपनी समस्या को लेकर जाने वाली गरीब जनता को काई सुनने वाला नहीं। मुखिया व विधायक चुनकर भी जनता काम नहीं हो रहा। इस व्यवस्था को बदलने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। समारोह में पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, खिजरी के पूर्व प्रत्यासी रामधन बेदिया, जिप सदस्य सरिता देवी, दीपक महतो, हकीम अंसारी, बैजनाथ महतो सहित कई नेताओं ने संबोधित किया, और कार्यकर्ताओं से आजसू की विचारधारा को गांव गांव तक पहुंचाने की अपील किया। कार्यक्रम का सफल संचालन राजकिशोर महतो ने किया। कार्यक्रम में प्रखंड अध्यक्ष दिगंबर महतो, रामनंदन महतो, आनंद महतो, प्रकाश चौधरी, संजय तिर्की, लालू महतो, सुमित महतो, अभिमन्यु सिंह, संजय महतो, सौरभ कुमार विक्की सहित सैकड़ों की संख्या में आजसू कार्यकर्ता उपस्थित थें।

इटकी में वृक्षारोपण किया गया

इटकी। जन कल्याण सेवा समिति के सदस्यों द्वारा रविवार को इटकी में वृक्षारोपण किया गया। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी आवाज बुलंद करने के उद्देश्य से कृष्णा महतो के नेतृत्व में इटकी के बाहरी तालाब स्थित निमार्णाधीन सूर्य मंदिर और शमशान घाट परिसर में 25 आम, तीन बेल और दो चंदन के पौधे लगाए गए। साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए बांस निर्मित गैबियन लगाया गया। मौके पर कृष्णा महतो ने कहा कि वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण की रक्षा करता है बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ जीवन की नींव रखता है। कार्यक्रम में गंगा महतो, बलदेव महतो, विकास सोनी सहित जन कल्याण सेवा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

35 युवक युवतियों का पवित्र दृढ़ीकरण संस्कार कराया गया

इटकी। इटकी के मुख्य सीएनआई चर्च में रविवार को पवित्र दृढ़ीकरण संस्कार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 35 युवक युवतियों का पवित्र दृढ़ीकरण संस्कार कराया गया। इस अवसर पर छोटानागपुर डायोसिस के महा मान्यवर विशॉप स्वामी बीबी बास्के की ओर से अनुष्ठान संपन्न कराए गए साथ ही बच्चों को पवित्र आत्मा के फलों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में रेव० एम समद, मुख्य पुरोहित जे विल्सन, सहायक पुरोहित जे तिर्की, सचिव ब्रिजिट मिंज, रवि बेल्स कुजूर, निशित तिग्गा, अजीत कुमार खलखो, सीमा मिंज, संजय मिंज सहित सैकड़ो मसीही धर्मावलंबी मौजूद थे।

पत्नी की संदिग्ध मौत, पति जेल गया

मृतक संगीता देवी का फाइल फोटो।

पत्नी की हत्या आरोपी पति सिद्धार्थ साहू।

मृतक के घर स्थित लोगों की भीड़।

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के आनंदी में एक विवाहिता की संदिग्ध मौत मामले में ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा मृतक के पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतक के स्वजनों ने बेटी की हत्या कराने का अरोप दामाद सिद्धार्थ साहू उर्फ बबलू के साथ सास-ससुर व दो ननद पर लगाया गया है। शनिवार रात हुई घटना के संबंध में बताया गया कि लगभग 34 वर्षीय संगीता कुमारी की तबियत बिगड़ने के बाद उसे रिम्स ले जाया गया था। रात को ही सूचना मृतक के स्वजनों को मौत की सूचना दी गई। जिसके बाद सौंदा बस्ती रामगढ़ के मृतक के स्वजन व ग्रामीण ओरमांझी थाना पहुंचे, और मृतक के पति सिद्धार्थ साहू उर्फ बबलू, सास बिलासो देवी, ससुर गणपत साहू व ननद सोनी देवी व मुनकू देवी पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया। वहीं संगीता कुमारी के सीसीएल से सेवानिवृत पिता देवनंदन साव कहा बेटी ने मां को फोन कर कहा मां मुझे ले जाव नही तो मेरी जान चली जाएगी, और तीसरे दिन ही मौत हो गई। बताया 2011 में बेटी का विवाह किया था। 2016 में सेवानिवृत होने पर दामाद ने 22 लाख रूपया की मांग किया। देने से इनकार किया तो बेटी के साथ मारपिट व काफी परताड़ित की जाने लगी। इसे लेकर कई बार पंचायत भी हुई थी। पिता द्वारा ओरमांझी थाना में मामला दर्ज कराने के साथ पंचायत की कागजात भी सौंपा, और बताया पंचायत में बार-बार सिद्धार्थ साहू गलती स्वीकार लेता, और बाद में फिर मारपिट करता था। ओरमांझी थाना प्रभारी अनिल कुमार तिवारी ने बताया, दहजे उत्पीड़न की धारा पर मामला दर्जकर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस जांच कर रही है। फारेंसिक टीम से मकान में भी जांच कराया गया। पोस्टमार्ट रिर्पोट आने के बाद मौत का कारणों का पता लग पाएगा। इधर घटना के बाद मृतक के घर के पास लोगों की भीड़ लग गई थी। वहीं मृतक के स्वजन सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थें।

इलेक्ट्रॉनिक दुकान में चोरी करते एक धराया दूसरा फरार

- चान्हो का है शमशेर अंसारी
- रातू चट्टी चौक की है घटना

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू (रांची)। थाना क्षेत्र के चट्टी चौक स्थित सुमित कुमार की इलेक्ट्रॉनिक दुकान के गल्ले से 50 हजार रुपये नकद चोरी कर भाग रहे शमशेर अंसारी को ग्रामीणों ने धर दबोचा और जमकर धुनाई करने के बाद थाने के हवाले कर दिया। वह चान्हो के पंडरी निवासी मनुवर अंसारी का पुत्र है। जबकि, उसी गांव के तईना अंसारी का पुत्र शाहिद अंसारी रुपये लेकर फरार हो गया। शाहिद अंसारी चान्हो के आतंक माने जाने वाला स्व मोईन अंसारी उर्फ गोयंदा का सगा भतीजा है। चोरी के एक मामले में वह पहले भी जेल जा चुका है। घटना में प्रयुक्त अपाची मोटर साइकिल जेएच 01ई एफ 9067 और मोबाइल को जब्त कर लिया गया है। गाड़ी शमशेर की मां रोशन आरा के नाम से रजिस्टर्ड है। पुलिस फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिये छापेमारी कर रही है।

कैसे घटी घटना

अपाची शमशेर चला रहा था। उसने भुक्तभोगी की दुकान के समीप गाड़ी खड़ी कर सीट पर ही बैठा था। जबकि, शाहिद इंडक्शन खरीदने के बहाने दुकान पर गया। सुमित काउंटर पर नहीं था। ग्राहक की आवाज सुन वह बाहर निकला और अपना मोबाइल लाने फिर कमरे में गया। इस बीच शाहिद अंसारी गल्ले से रुपये निकाल भागने लगा। सुमित के परिवार की नजर उस पर पड़ी। उसके चिल्लाने पर लोग जुटे। तब तक वह फरार हो चुका था। लेकिन, शमशेर अंसारी पकड़ा गया।

मन की बात में होती है देश की बातः जैलेन्द्र कुमार

अनगड़ा। भाजपा अनगड़ा मंडल के कार्यकताओं ने रविवार को खिजरी विस के अनगड़ा मंडल स्थित बूथ नंबर 142 में प्रधानमंत्री के मन की बात को सुना। इसका अगुवाई भाजपा के पूर्व रांची जिलाध्यक्ष जैलेन्द्र कुमार कर रहे थे। जैलेन्द्र कुमार ने कहा कि प्रतिमाह के अंतिम रविवार को रेडिया पर प्रसारित होने वाले प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम में देश के विभिन्न विषयों की जानकारी दी जाती है। प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम वास्तव में देश की बात कार्यक्रम है। साथ ही प्रधान मंत्री समाज में छिपी हुई प्रतिभा को सामने लाते रहे है। इससे देश के विभिन्न सुदूरवर्ती क्षेत्रों में ऐसे छिपे हुए प्रतिभा के कार्यो की जानकारी देश-विदेश को हो रही है। देश लगातार स्वालंबी हो रहा है। इस मौके पर सजीव कुमार, बिरसा उरांव, लालजीत महतो, झलुआ महतो, बसंती देवी, कैतरी देवी, सुशीला देवी आदि शामिल हुए।

विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर का आयोजन, 20 करोड़ की परिसंपत्ति का वितरण भी किया गया

नामकुम। रविवार को प्रखंड सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बतौर मुख्य अतिथि सिविल जज रवि कुमार भास्कर उपस्थित थे। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सिविल जज श्री, भास्कर ने कहा कि साथी अभियान के तहत निराश्रित बच्चों की पहचान कर डालसा को सूचित करे और उन्हे जीवन जीने में मदद करें। उन्हाने नशापान को जीवन, समाज एंव पीढी के लिए अभिसाप बताते हुए उससे दुर रहने की अपील की, साथ ही सभी को नशा मुक्ति हेतु शपथ दिलवाया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न वर्ग के लाभुकों के बीच लगभग 20 करोड़ रुपए की परिसंपत्ति का वितरण भी किया गया। जिसमें मुख्य रूप से अबुआ आवास योजना के लाभुकों को कलश एंव घर की चाबी देकर गृह प्रवेश कराया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना, सर्वजन पेंशन योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पशुधन विकास योजना के लाभुको को सूअर एवं मुर्गी पालन,राशन कार्ड,स्वास्थय विभाग के द्वारा किट वितरण,शिक्षा विभाग द्वारा नोटबुक का वितरण तथा बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं को गोद भराई तथा बच्चों का अन्नप्रासन्न करवायाया गया। मौके पर मुख्य रूप से सीडीपीओ प्रभावती कुमारी, पंचायती राज पदाधिकारी वीरेंद्र राम, डॉ. अरविंद कुमार, पशुपालन पदाधिकारी सुरेंद्र राम, महिला प्रसार पदाधिकारी रेणु कुमारी, आपूर्ति पदाधिकारी मनोज कुमार, बीपीओ मरियम बानो, प्रधान सहायक अनिल कुमार, नाजीर विजय यादव, पीएलवी लता कुमारी, प्रहलाद, पंचायत सचिव, जनसेवक, रोजगार सेवक, प्रखंड एवं बाल विकास के कर्मी तथा ग्रामीण उपस्थित थे।

फरार अभियुक्त के घर में गिरफ्तारी के लिये रायडीह पुलिस ने इश्तियार चिपकाया।

बेड़ो। रायडीह पुलिस ने रविवार को बेड़ो थाना क्षेत्र के हांदु गांव निवासी आरोपी नईम हुसैन के घर पर बाजा बजा कर घर के दरवाजे में पुलिस पदाधिकारी धनंजय सिंह की मौजूदगी में इश्तियार को विधिवत चिपका कर तामिला किया गया। वहीं पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी नईम हुसैन के खिलाफ गुमला जिला के रायडीह थाना में कांड संख्या 32/2024 भादवि की धारा 414, 34 व 11(C) (D) पशु क्रूरता अधिनियम तथा 12 (1)गोवंशीय पशु हत्या प्रतिषेध अधिनियम के तहत एक नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अति वृष्टि से खिजरी निवासी सोनी देवी का घर गिरा

नामकुम। लगातार हो रही बारिस से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है, भारी बारिस के कारण खिजरी के महलीटोला की रहनेवाली सोनी देवी का घर पुरी तरह गिर गया। पीडीता ने बताया कि सभी लोग सुबह उठकर अपना नित्यकर्म में निकले हुए थे, उसी दौरान पूरा घर भरभरा कर गिर गया। अगर यह घटना रात के समय होती तो सोनी का पूरा परिवार मलबे में दब जाता और जानमाल का नुकसान हो जाता। सोनी ने बताया कि उनका पति जीतू महली दिव्यांग है और उसका एक छोटा बेटा भी है। घर गिर जाने के बाद अब उनके रहने के लिए कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण समस्या उत्पन्न हो गयी है। मामले कि जानकारी मिलने पर पूर्व जिला परिषद सदस्य आरती कुजूर पीड़िता के घर पहुंची और मामले की जानकारी ली,पीड़िता की परिस्थिति देखने के बाद आरती कुजूर ने स्थानीय प्रशासन से अविलम्ब पीड़िता के परिवार के लिए भोजन और रहने की वैकल्पिक व्यवस्था करने और आवास देने की मांग की है। साथ ही अगल बगल के कई घर भी जर्जर अवस्था में है,जो कभी भी गिर सकता है, उसकी जानकारी लेकर जान माल की क्षति होने से पूर्व ही गरीबो को उचित व्यवस्था देकर रहने और अन्य जरुरत पूरा करने की मांग की।

जय माता दी... के जयकारों से भक्तिमय हुआ श्री कृष्ण नगर कॉलोनी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री राधा कृष्ण मंदिर कृष्णा नगर कॉलोनी में मां ज्वाला जी ज्योत के स्थापना के प्रथम वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य पर आज श्री राधा कृष्ण मंदिर से प्रातः 7 बजे भव्य प्रभात फेरी निकाली गई जो राधा कृष्ण मंदिर से निकलकर अशोक सरदाना की गली होते हुए अर्जुन देव मिढ़ा के घर के पास से होते हुए होते हुए शाहिद भगत सिंह चौक होते हुए विवेकानंद हॉस्पिटल के पास होते हुए बिड़ला मैदान होते हुए देवराज खत्री जी के घर के पास से होते हुए गुरु कृपा अपार्टमेंट के पास से होते हुए मनोहर लाल जसूजा के घर के पास से होते हुए हरविंदर सिंह बेदी के घर के पास से होते हुए मुकेश बजाज के घर से होकर वापस श्री राधा कृष्ण मंदिर में विसर्जित हुई हर गली और हर चौक और हर हर घरों में प्रभात फेरी का स्वागत सत्कार किया गया एवं हर घरों से मां के नाम की अरदास और मिष्ठान प्रसाद का वितरण भक्तों के बीच में किया गया श्री दुर्गा जागरण मंडली के सदस्यों एवं द्वारा मां भवानी ज्योत सेवा मंडल के द्वारा भजनों की गंगा बहाई गई। प्रभात फेरी के मंदिर पहुंचने के बाद मां के दरबार में अरदास हुई उसके बाद भक्तों के बीच प्रसाद एवं चाय का वितरण किया गया मीडिया प्रभारी अरुण जसूजा से प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्षिक उत्सव के उपलक्ष में कई धार्मिक अनुष्ठान का कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है शाम 4 बजे से 7 बजे तक सामूहिक सुंदरकांड का पाठ भक्तों के द्वारा मंदिर परिसर में किया गया उसके बाद हनुमान जी के दरबार में आरती और अरदास की गई तत्पश्चात पुणे भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया दिनांक 30/06/25 भी प्रात 7:00 बजे श्री राधा कृष्ण मंदिर से प्रभात फेरी निकलेगी जो कृष्णा नगर कॉलोनी विभिन्न गलियों से होते हुए से राधा कृष्ण मंदिर में विसर्जित होगी दिनांक 02/07/25 से प्रातः 7 बजे से श्री दुर्गा सप्तशी का सामूहिक पाठ भक्तों के द्वारा किया जाएगा जो दिनांक 6/7/25 तक होगा एवं 7/7/25 दिन सोमवार को श्री प्रातः 8:00 बजे से भजनों का कार्यक्रम मंदिर परिसर में होगा एवं मां ज्वाला देवी की ज्योत के दर्शन भक्तों के लिए प्रातः 9:30 बजे से 11:00 बजे तक होंगे एवं उसके उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा एवं रात्रि 7 बजे से 12 बजे तक मां की चौकी का भी आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में राधा कृष्ण मंदिर कमेटी के प्रधान नंदकिशोर अरोड़ा, मनोहर लाल जसूजा, चंद्रभान तलेजा, रामचंद्र तलेजा, सुनील कटारिया चंदन सिडाना, किशोरी पपनेजा, अंचल किंगर, केसर पपनेजा, हरीश अरोड़ा, मनोज किंगर, हरीश मनूजा, गौरीशंकर मादनपौत्रा, विशाल अरोड़ा, कमल घई, नरेश खत्री, मनीष मुंजाल, गगन अरोरा, नरेश अरोड़ा, मुकेश तलेजा, जिमी अरोड़ा, विजय जसूजा, विनीत अरोड़ा, पंकज गखड़, पवन मनूजा, देवराज मनूजा, विजय जसूजा, अनिल मुंजाल, मुकेश सिडाना, निखिल घई, विकास घई, गगन अरोड़ा, प्रवीण घई, जगदीश घई, उमंग मनूजा, रोहित तलेजा, पवन पपनेजा, दीपक किंगर, विशाल किंगर, रौनक मिढ़ा, कौशल्या देवी, पूनम तलेजा लाजवंती किंगर,राज देवी मनुजा, शकुंतला देवी मुंजाल, ज्योति अरोड़ा, नीलम अरोड़ा, राधा देवी तलेजा, बबीता पपनेजा, अंजना गिरधर, शशि किंगर, पूजा जसूजा, कांता देवी अरोड़ा, श्वेता चावला, शालू मिड्ढा, सुनीता कात्याल, संगीता मादनपोत्रा, ऋचा मिड्ढा, भावना किंगर, पिंकी तलेजा, चेतना सिडाना, रूबी अरोड़ा, अनु आनंद, हर्षिता जसूजा, कविता मुंजाल, सविता मुंजाल, कामना खत्री, मीनू घई और इनके अलावा समाज के कई लोगों का योगदान मिल रहा है।

आर्थिक अनिश्चितता

छह विदेशी बैंकों ने कहा कि वे स्विफ्ट भुगतान प्रणाली के विकल्प के रूप में चीन के क्रॉस-बॉर्डर इंटरबैंक पेमेंट सिस्टम का इस्तेमाल करेंगे। यह तर्क दमदार है कि विश्व को सीमा पार भुगतान के लिए केवल एक मुद्रा या भुगतान प्रणाली पर आश्रित नहीं रहना चाहिए। अमेरिकी की वर्तमान राजनीति एवं उसकी नीतिगत स्थिति को देखते हुए ऐसे विचार लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए यूरोपीय केंद्रीय बैंक की अध्यक्ष क्रिस्टीन लेगार्ड ने हाल में कहा कि पूरे विश्वास के साथ यह नहीं कहा जा सकता कि डॉलर का दबदबा आगे भी कायम रहेगा। डॉनल्ड ट्रंप कई रूपों में अमेरिका को एक अनिश्चित दिशा में ले जा रहे हैं जिससे यह कहना मुश्किल है कि आगे हालात कैसे रहेंगे। उदाहरण के लिए ट्रंप ने दुनिया के अन्य देशों के साथ व्यापार का तौर-तरीका बदलने की ठान ली है। ट्रंप की नजर में किसी भी देश के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा स्वीकार्य नहीं है और इस स्थिति को बदलने का शुल्क सबसे सटीक हथियार है। उन्होंने दुनिया के देशों के लिए अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने के लिए 9 जुलाई की समय सीमा तय कर रखी है, जो अब नजदीक आ रही है। किंतु, अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि कितने व्यापार साझेदार देशों के साथ अमेरिका समझौता करेगा। हालांकि, यह तो साफ है कि शुल्क काफी अधिक होंगे और अमेरिका नियम-आधारित व्यापार व्यवस्था को काफी नुकसान पहुंचा चुका होगा। यह अनिश्चितता वास्तविक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही है। कमजोर होती आर्थिक वृद्धि दर और बढ़ती मुद्रास्फीति की आशंका ने अमेरिका के केंद्रीय बैंक को पशोपेश में डाल दिया है। ट्रंप प्रशासन का व्यापार पर रुख ही इसका एकमात्र कारण नहीं है। संस्थानों का अनादर भी काफी नुकसान पहुंचा रहा है।

मेष : बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यो से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या : अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थो की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर : प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006

e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

ब्रितानी सरकार के खिलाफ संथालों का हूल

1855 का संथाल हुल भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ सबसे शुरुआती किसान विद्रोहों में से एक था। चार भाइयों - सिद्धो, कान्हो, चांद और भैरव मुर्मू के साथ-साथ बहनों फूलो और झानो के नेतृत्व में 30 जून 1855 को यह विद्रोह शुरू हुआ।

विद्रोह का लक्ष्य न केवल अंग्रेज थे, बल्कि उच्च जातियां, जमींदार, दरोगा और साहूकार भी थे, जिन्हें सामूहिक रूप से 'दिकू' कहा जाता था।इसका उद्देश्य संथाल समुदाय के आर्थिक, सांस्कृतिक और धार्मिक अधिकारों की रक्षा करना था।

विद्रोह की उत्पत्ति : वर्ष 1832 में कुछ क्षेत्रों को ह्यसंथाल परगना या दामिन-ए-कोह नाम दिया गया, जिसमें वर्तमान झारखंड में साहिबगंज, गोड्डा, दुमका, देवघर, पाकुड़ और जामताड़ा के कुछ हिस्से शामिल हैं। यह क्षेत्र संथालों को दिया गया था जो बंगाल प्रेसीडेंसी के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों से विस्थापित हुए थे।

संथालों को दामिन-ए-कोह में बसने और कृषि करने का वादा किया गया था, लेकिन इसके बदले उन्हें दमनकारी भूमि हड़पने तथा बेगारी (बँधुआ मजदूरी) का सामना करना पड़ा। संथाल क्षेत्र में बँधुआ मजदूरी की दो प्रणालियाँ उभरीं, जिन्हें कामियोती और हरवाही के नाम से जाना जाता है।

कामियोती के तहत, ऋण चुकाए जाने तक ऋणदाता के लिये काम करना पड़ता था, जबकि हरवाही के तहत, ऋणदाता को व्यक्तिगत सेवाएँ प्रदान करनी पड़ती थीं और आवश्यकतानुसार ऋणदाता के खेत की जुताई करनी पड़ती थी। बॉन्ड की शर्तें इतनी सख्त थीं कि संथाल के लिऐ अपने जीवनकाल में ऋण चुकाना लगभग असंभव था।

गुरिल्ला युद्ध एवं दमन : मुर्मू बंधुओं ने ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध में लगभग 60,000 संथालों का नेतृत्व किया। छह महीने तक चले भयंकर प्रतिरोध के बावजूद, जनवरी 1856 में भारी जनहानि और तबाही के साथ विद्रोह का दमन दिया गया।

15,000 से ज्यादा संथालों ने अपनी जान गंवाई और 10,000 से ज्यादा गाँव नष्ट हो गए। हुल ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ शुरूआती प्रतिरोध को उजागर किया और यह आदिवासी लचीलेपन का प्रतीक बना हुआ है।

प्रभावः इस विद्रोह के परिणामस्वरूप ही संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम, 1876 पारित किया गया जो आदिवासी भूमि को गैर-आदिवासियों को हस्तांतरित करने को प्रतिबंधित करता है, केवल समुदाय के भीतर ही भूमि उत्तराधिकार की स्वीकृति देता है तथा संथालों को अपनी भूमि पर स्वयं शासन करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

संथाल जनजाति

गोंड और भील के बाद यह भारत में तीसरी सबसे बड़ी अनुसूचित जनजाति है, जो अपने शांतिपूर्ण स्वभाव के लिये जानी जाती है। वे मूल रूप से खानाबदोश थे और बिहार तथा ओडिशा के संथाल परगना में बसने से पहले छोटा नागपुर पठार में निवास करते थे। ये झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में निवास करते हैं तथा कृषि, औद्योगिक श्रम, खनन एवं उत्खनन जैसे कार्यों में शामिल हैं।

वे एक स्वायत्त आदिवासी धर्म में आस्था रखते हैं और पवित्र उपवनों के रूप में प्रकृति की उपासना करते हैं। उनकी भाषा को संथाली कहा जाता है जिसकी अपनी लिपि है जिसे 'डछ चिकी' कहा जाता है जो आठवीं अनुसूची में अनुसूचित भाषाओं की सूची में शामिल है।

उनके कलारूप, जैसे- फूटा कच्चा पैटर्न की साड़ी और पोशाक आदि लोकप्रिय हैं। वे कृषि और उपासना से संबंधित विभिन्न त्योहारों तथा अनुष्ठानों को मनाते हैं। संथाल घर, जिन्हें 'डँ' के नाम से जाना जाता है, बाहरी दीवारों पर बहुरंगी चित्रों से सुसज्जित अपने बड़े आकार, सफाई और आकर्षक रूप के कारण आसानी से पहचाने जा सकते हैं।

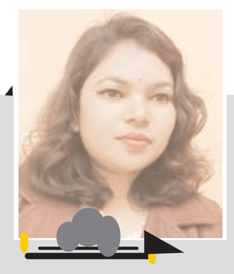

- रानी राज

पहाड़िया विद्रोह (1778, राजमहल हिल्स), चुआर विद्रोह (1776, मिदनापुर और बांकुरा), खोंड विद्रोह (1837-56 और 1914), कोया विद्रोह (1879-80, आंध्र प्रदेश का पूर्वी गोदावरी क्षेत्र) और रम्पा विद्रोह (1922-1924, आंध्र प्रदेश)अहोम विद्रोह (1828, असम), सिंगफोस विद्रोह (1830 के प्रारंभ में, असम), कुकी विद्रोह (1817-19, मणिपुर), नागा आंदोलन (1905-31; मणिपुर) और जेलियांगसोंग आंदोलन (1920 का दशक; मणिपुर)

छोटा नागपुर क्षेत्र में हुए अन्य जनजातीय विद्रोह कौन-से हैं?

मुंडा विद्रोहः मुंडा उलगुलान (विद्रोह) भारतीय स्वतंत्रता के दौरान एक महत्त्वपूर्ण जनजातीय विद्रोह था, जिसने जनजातीय लोगों द्वारा शोषण का विरोध करने उनकी क्षमता को उजागर किया।

यह अधिनियम आदिवासी और दलित समुदाय की भूमि की बिक्री को भी प्रतिबंधित करता है किंतु समान पुलिस के क्षेत्र में किसी अन्य आदिवासी व्यक्ति तथा एक ही जिले के दलित व्यक्ति के बीच भूमि हस्तांतरण की अनुमति देता है।

झारखंड के छोटा नागपुर में मुंडा जनजाति को, जो मुख्य रूप से कृषि करती थी, ब्रिटिश उपनिवेशवादियों, जमींदारों और मिशनरियों के उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उनकी भूमि जब्त कर ली गई और मजदूरों के रूप में काम करने के लिये विवश किया गया। बिरसा मुंडा ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया और जनजाति की छीनी गई भूमि तथा उनके अधिकारों को पुनः प्राप्त करने का प्रयास किया। बिरसा आंदोलन के परिणामस्वरूप वर्ष 1908 में अंग्रेजों द्वारा अधिनियमित किया गया छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम , जिला कलेक्टर की स्वीकृति से एक ही जाति और कुछ भौगोलिक क्षेत्रों के भीतर ही भूमि के हस्तांतरण की अनुमति देता है।

टाना भगत आंदोलनः यह आंदोलन अप्रैल 1914 में जतरा भगत के नेतृत्व में शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य छोटानागपुर के उराँव समुदाय में कुप्रथाओं को रोकना और जमींदारों द्वारा किये जा रहे शोषण का विरोध करना था। इस आंदोलन ने महात्मा गांधी से प्रभावित होकर अहिंसा को बढ़ावा दिया। आंदोलन के परिणामस्वरूप, पशु बलि बंद कर दी गई और शराब का सेवन प्रतिबंधित कर दिया गया। चुआर विद्रोहः चुआर विद्रोह छोटा नागपुर और बंगाल के मैदानों के मध्य क्षेत्र में शुरू हुआ जो वर्ष 1767 से 1802 तक जारी रहा। इसका नेतृत्व दुर्जन सिंह ने किया। अंग्रेजों द्वारा उनकी भूमि अधिग्रहण का जनजातियों ने विद्रोह किया और गुरिल्ला युद्धनीति का इस्तेमाल किया।

तमाड़ विद्रोहः यह वर्ष 1789 और 1832 के बीच छोटानागपुर क्षेत्र में तमाड़ के उराँव जनजातियों द्वारा किया गया विद्रोह था, जिसका नेतृत्व भोला नाथ सहाय ने किया था।

जनजातियों ने ब्रिटिश सरकार द्वारा लागू की गई दोषपूर्ण संरेखण प्रणाली के खिलाफ विद्रोह किया, जो कि काश्तकारों के भूमि अधिकारों को सुरक्षित करने में विफल रही थी, जिसके कारण वर्ष 1789 में तामार जनजातियों में अशांति फैल गई।

औपनिवेशिक भारत में जनजातीय विद्रोह

औपनिवेशिक भारत में जनजातीय विद्रोह विविध और बहुआयामी थे, जो ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों तथा जनजातीय समुदायों पर उनके प्रभाव के विरुद्ध गहरी शिकायतों को दशार्ते थे। मुख्य भूमि और सीमांत जनजातीय विद्रोहों में वर्गीकृत ये आंदोलन 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से लेकर भारतीय स्वतंत्रता की पूर्व संध्या तक फैले रहे, जिन्होंने क्षेत्रीय गतिशीलता को प्रभावित किया तथा ब्रिटिश सत्ता को चुनौती दी।

'(सदस्य धुमकुड़िया संगठन सह अंकेक्षक अधिकारी रांची)

लेटर टू एडिटर

आतंकवाद की चुनौती

घाटी में नई सरकार के सामने आतंकवाद की बड़ी चुनौती उभरी है। पहले कश्मीरी पंडितों को लक्षित हिंसा का शिकार बनाया जाता रहा, लेकिन इस बार आतंकवाद की घटनाएं मजदूरों और कर्मचारियों पर केंद्रित रही हैं। ये हिंसा की घटनाएं केंद्र सरकार के शांति प्रयासों पर पानी फेर सकती हैं। पहले भी घाटी में भाड़े के आतंकी कहर बरपा चुके हैं।

- अमृतलाल रांची

सतर्क भी रहें

भारत और चीन के बीच हाल ही में हुए समझौते के तहत दोनों देशों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा से अपने सैनिकों को पीछे हटाने का निर्णय लिया है। भारत को इस पर सतर्क रहना चाहिए। चीन के प्रति नरम रुख अपनाने के बजाय, भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। नागरिकों को चीनी सामान की निर्भरता कम करके आर्थिक लड़ाई में योगदान देना होगा।

- राजेश चौहान, कोडरमा

ट्वीट

ओडिशा में दो दलित युवकों को घुटनों पर चलने, घास खाने और गंदा पानी पीने पर मजबूर करना सिर्फ. अमानवीय नहीं, बल्कि मनुवादी सोच की बर्बरता है।ये घटना उन लोगों के लिए आईना है जो कहते हैं कि जाति अब मुद्दा नहीं रही।

दलितों की गरिमा को रौंदने वाली हर घटना, बाबा साहेब के संविधान पर हमला है - बराबरी, न्याय और मानवता के खिलाफ साज़िश है।

भाजपा शासित राज्यों में ऐसी घटनाएं आम होती जा रही हैं क्योंकि उनकी राजनीति ही नफरत और ऊँच-नीच पर टिकी है। विशेषकर ओडिशा में रउ, रळ और महिलाओं के खिलाफ अत्याचार चिंताजनक रूप से बढ़े हैं।

- राहुल गांधी, सांसद

मेक इन इंडिया से सुदृढ़ हुआ भारतीय औषधि विज्ञान

मुकुंद

सामयिक

आज दुनिया में भारत के फार्मास्युटिकल क्षेत्र (औषधि विज्ञान) की छवि तेजी से बदल रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के आह्वान से यह इंडस्ट्री पहले से कई गुना सुदृढ़ हुई है। यही नहीं भारत पिछले छह-सात वर्षों से यूनिसेफ का सबसे बड़ा वैक्सीन आपूर्तिकर्ता रहा है। भारत ने इस अवधि में यूनिसेफ की कुल खरीद में 55 प्रतिशत से 60 प्रतिशत योगदान दिया। आज का नया भारत क्रमशः डीपीटी, बीसीजी और खसरे के टीकों के लिए डब्ल्यूएचओ की मांग का 99 प्रतिशत, 52 प्रतिशत और 45 प्रतिशत पूरा करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के अनुरूप रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय का औषध विभाग सस्ती दवाओं की कीमत, उपलब्धता, अनुसंधान, विकास और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन करता है।

भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीबीआई) की वेबसाइट में 13 अप्रैल को इस आशय के आंकड़े साझा किए गए हैं। भारतीय दवा उद्योग घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली, कम लागत वाली प्रभावी दवाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं, प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और स्वदेशी ब्रांडों के मजबूत नेटवर्क में इसके प्रभुत्व को दशार्ता है। इसमें चिकित्सा उपकरण उद्योग के कई क्षेत्र अत्यधिक पूंजी-प्रधान हैं। वह इसलिए कि इस क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियों का निरंतर समावेशन किया जाता है। इसमें मदद के लिए औषध विभाग सरकारी अनुमोदन के माध्यम से एफडीआई प्रस्तावों पर एफडीआई नीति के अनुसार अनुमोदन या अस्वीकृति के लिए विचार करता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अप्रैल 2024 से दिसंबर 2024 तक एफडीआई प्रवाह (फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों दोनों में) 11,888 करोड़ रुपये रहा है । इसके अलावा, औषध विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ब्राउन फील्ड परियोजनाओं के लिए 7,246.40 करोड़ रुपये के 13 एफडीआई प्रस्तावों को मंजूरी दी ।

भारत सरकार की 2020 में शुरू की गई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने भी इसमें क्रांतिकारी पहल की है। पीएलआई का प्रमुख उद्देश्य घरेलू उत?पादन को बढ़ावा देना, निवेश आकर्षित करना, आयात पर निर्भरता कम करना और निर्यात बढ़ाना है। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल के दृष्टिकोण के अनुरूप यह योजना उत्पादन में प्रदर्शन के आधार पर वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है।

फार्मास्यूटिकल्स के लिए पीएलआई योजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 24 फरवरी 2021 को मंजूरी दी थी। इसका वित्तीय परिव्यय 15,000 करोड़ रुपये है। यह तीन श्रेणियों के तहत पहचाने गए उत्पादों के उत्पादन के लिए 55 चयनित आवेदकों को छह साल की अवधि के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है । इस योजना में कैंसर रोधी और ऑटो इम्यून जैसी दवाओं का उत्पादन शामिल है। पीएलआई के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि लक्षित निवेश को पार करना है। प्रारंभिक प्रतिबद्धता 3,938.57 करोड़ रुपये आंकी गई थी। वास्तविक प्राप्त निवेश पहले ही 4,253.92 करोड़ रुपये (दिसंबर 2024 तक) तक हासिल हो चुका है।

इसके अलावा मार्च 2020 में स्वीकृत बल्क ड्रग पार्क योजना (वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2025-26) का उद्देश्य उत?पादन लागत को कम करने और बल्क ड्रग्स में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए विश्वस्तरीय सामान्य बुनियादी ढांचे वाले पार्क स्थापित करना है। इस योजना के तहत गुजरात, हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश के प्रस्तावों को मंजूरी दी दी जा चुकी है। वित्तीय सहायता प्रति पार्क 1,000 करोड़ रुपये या परियोजना लागत का 70 फीसद (पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के लिए 90 फीसद) तक सीमित है।इसका कुल परिव्यय 3,000 करोड़ रुपये है। सबसे खास प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना है। इसका लक्ष्य पूरे देश में किफायती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना है। इसके तहत लोगों को समझाया जा रहा है कि इन दवाओं के उत्पादन में गुणवत्ता से कई समझौता नहीं किया जाता। यह धारणा गलत है कि महंगी दवा का मतलब बेहतर प्रभाव होता है। सरकारी अस्पतालों में बीमारी का प्रभावी विकल्प लिखने में जेनेरिक दवाओं को प्राथमिकता दी जाती है। अच्छी बात यह है कि आठ अप्रैल, 2025 तक देश भर में कुल 15,479 जन औषधि केंद्र हैं। करोड़ों लोग इनके माध्यम से सस्ती दवाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

आम जन के बीच भूमिका तलाशे राजभाषा विभाग

उमेश चतुर्वेदी

विमर्श

संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी।

इसे संयोग कहें या कुछ और, राजभाषा हिंदी को प्रतिष्ठापित करने के लिए गठित भारत सरकार का राजभाषा विभाग जिस समय अपनी पचासवीं सालगिरह मना रहा है, ठीक उसी वक्त महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल तो उस महाराष्ट्र में भी उठ रहा है, जहां के लोकमान्य तिलक, काका कालेलकर और विनोबा भावे जैसी विभूतियों ने हिंदी में राष्ट्रीय एकता के सूत्र दिखे थे। सदा की तरह तमिलनाडु ने हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल ही रखा है।

संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस दिन स्वाधीन भारत के इतिहास के काले अध्याय यानी आपातकाल की घोषणा हुई, ठीक उसके अगले दिन राजभाषा विभाग अस्तित्व में आया। वैसे यह भी ध्यान देने की बात है कि संभवतः भारत अकेला देश है, जहां राजभाषा के लिए अलग से विभाग है। राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए अधिकारी हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण किसी दूसरे देश में नहीं मिलता। पचास साल की यात्रा पूरी कर चुके राजभाषा विभाग की स्थापना का बुनियादी उद्देश्य राजभाषा संबंधी संवैधानिक और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और संघ के सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना रहा।

किसी विभाग की पचास साल की यात्रा कोई कम नहीं होती। यह ठीक है कि इस दौरान हिंदी ने लंबा सफर तय किया है। संचार के माध्यमों, बाजार और सिनेमा ने हिंदी को दुनिया के उस कोने तक पहुंचा दिया है, जहां सरकारी सहयोग से उसके पहुंचने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके बावजूद हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि नए सिरे से हिंदी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। हिंदी विरोधी सुर उन राज्यों में भी दिख रहे हैं, जहां कभी हिंदी के समर्थन में आंदोलन हुए, हिंदी ने जहां रचनात्मक उपलब्धियां हासिल कीं। महाराष्ट्र ऐसा ही राज्य है। लेकिन नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉमूर्ले के तहत हिंदी को रखने के चलते इस राज्य में विरोध तेज हो गया। इस विरोध की आंच बैंकों और केंद्र सरकार के दूसरे दफ्तरों तक पहुंची, जहां हिंदीभाषी कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं। स्थानीय राजनीतिक कार्यकताओं ने उन पर मराठी बोलने का दबाव बढ़ाया। सोशल मीडिया के जरिए दुनिया ने देखा कि मराठी नहीं बोल पाने के कारण बैंकों और दूसरे संस्थानों के कर्मचारियों से किस तरह बदसलूकी हुई।

महाराष्ट्र से सटे कर्नाटक राज्य में भी ऐसा नजर आया। कन्नड़ ना बोल पाने के कारण एक बैंक अधिकारी के साथ स्थानीय समूह बदतमीजी करते नजर आए। सॉफ्टवेयर क्रांति का केंद्र बेंगलुरू में हिंदी बोलने के कारण उत्तर भारतीयों को ऑटो और बाइक चालकों की बदसलूकी का शिकार होना पड़ा है।

आजादी के सतहत्तर साल बीतने और राजभाषा विभाग के गठन के पचास साल होने के बावजूद किसी गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदीभाषियों के साथ बदसलूकी होने के पीछे कहीं न कहीं राजभाषा विभाग की नाकामी भी है।

देश की पहली हाइड्रोजन चलित रेलगाड़ी ट्रायल रन के लिए तैयार है। रेवाड़ी स्टेशन पर खड़ी हाइड्रोजन चलित रेलगाड़ी।

कार्टून वर्ल्ड

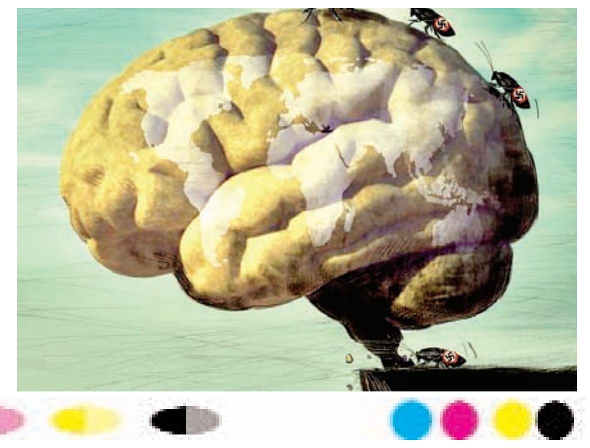

स्पीड न्यूज

कुजू में वित्त प्रबंधक को दी विदाई

कुजू। सीसीएल कुजू के करमा परियोजना के वित्त प्रबंधक भरत केशरी के दूसरे स्थान पर ट्रांसफर होने विदाई समारोह का आयोजन हुआ। इस दौरान कार्मिक प्रबंधक अविनाश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वित्त प्रबंधक भरत केशरी को उपहार देकर विदाई दिया गया। मौके पर मौजूद कर्मियों ने कहा कि आपके द्वारा परियोजना में किये गए कार्य को कभी भुलाया नही जा सकता है। इधर नये वित प्रबंधक राजकुमार का करमा परियोजना में स्वागत किया गया। मौके पर अविनाश कुमार श्रीवास्तव, लालजी प्रसाद, विनय सिंह, धानेश्वर महतो,राजकुमार महतो, ललन यादव, अविनाश कुमार सिंह, संजय कुमार, सत्येन्द्र कुमार राय,ललन यादव,श्रवण कुमार आदि शामिल थे।

एसओपी गिरीश चंद्र हुये सेवानिवृत

कुजू। सीसीएल कुजू क्षेत्र के एसओपी गिरीश चंद्र के सेवानिवृति को लेकर करमा परियोजना द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता कार्मिक प्रबंधक अविनाश कुमार श्रीवास्वत ने किया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में करमा परियोजना पदाधिकारी रामेश्वर मुंडा शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने एसओपी गिरीश चंद्र को सेवानिवृति के बाद दूसरी पारी में स्वस्थ्य एवं उज्वल भविष्य की कामना किया। कहा कि आपके साथ हमलोग हमेशा सुख दुख में खड़ा रहेंगे। आपके कार्यकाल में हमलोगों को आपका भरपूर साथ मिला है। बाद में उनको उपहार देकर सम्मानित किया। मौके पर प्रताप रंजन, भूषण कुमार यादव, सरोज कुमार, साधना चौधरी, जमसं करमा परियोजना के शाखा सचिव राजकुमार महतो, ललन यादव, सत्येन्द्र कुमार राय,तरुण कुमार रंजन, संजय कुमार, राकेश कुमार, नरेश महतो, श्रवण कुमार, आदि लोग शामिल हुए।

सेवा मंच ने गरीबों को कराया भोजन

भुरकुंडा (रामगढ़)। सेवा मंच ने प्रत्येक सप्ताह की भांति इस रविवार को भी साप्ताहिक हाट भुरकुंडा में दुर-दराज ग्रामीण क्षेत्रो से दातुन-पत्तल बेचने आने वाले गरीबों को भोजन कराया। मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह ने 150 गरीब महिला-पुरूष व बच्चों के बीच पुरी-सब्जी का वितरण करते हुए कहा कि गरीबों की सेवा सबसे बड़ा पूण्य कार्य है। ऐसे नेक कार्यों में सबों को तन-मन-धन से सहयोग करना चाहिए। सिंह ने कहा कि गरीबों की सेवा ही मंच उद्देश्य है। सबों के सहयोग से उक्त कार्यक्रम निरंतर जारी रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह, उमाशंकर जायसवाल, प्रो. रामानुज सिंह, जगतार सिंह, रिंकु वर्णवाल, उदयभान दुबे, लालू उरांव, सुकरा करमाली, बारीक अंसारी, महावीर सिंह, गौतम अग्रवाल, संजू सिन्हा, मो. शाहिद आदि का विशेष योगदान रहा।

अग्रसेन स्कूल में बेल्ट ग्रेडेशन टेस्ट

भुरकुंडा (रामगढ़) ।शोतोकान कराटे डू फेडरेशन ऑफ भुरकुंडा डोजो द्वारा रविवार को श्री अग्रेसन स्कूल भुरकुंडा में एक दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर सह बेल्ट ग्रेडेशन टेस्ट का आयोजन किया गया। शिविर में भुरकुंडा, सयाल, पतरातु एवं बड़कागांव क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों अग्रेसन स्कूल भुरकुंडा, माइलस्टोन हाई स्कूल बड़कागांव, सरना हाई स्कूल पतरातु, स्टार प्लस इंटरनेशनल स्कूल पतरातु से कुल 120 कराटेकारों ने भाग लिया। शिविर के पहले चरण में कराटे का प्रशिक्षण दिया गया, जबकि दूसरे चरण में बेल्ट ग्रेडेशन टेस्ट संपन्न हुआ। यह टेस्ट फेडरेशन के टेक्निकल डायरेक्टर नरेंद्र सिन्हा एवं कराटे प्रशिक्षक प्रदीप हंसदा के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। ब्राउन बेल्ट प्राप्त करने वाले कराटेकारों में बिंदेश भोगता, शुभम, विशेष, अंश अग्रवाल, तान्या श्रीवास्तव, आशीष, अमन गंझू, अर्णव, सत्यजीत कुलकर्णी, कुणाल, प्रीतम, सुरभि, श्रेयश पाठक, आर्यन गंजू, नादिर अख्तर एवं सक्षम अंशुल शामिल रहे। वहीं पर्पल बेल्ट में हर्षवीर सिंह, मनन राज, सुरभि सिंह, समरवीर सिंह, सतीश, पार्थ, माही, राधिका पटेल, ब्लू बेल्ट में कृष्णा, सूर्यांशु, पूजा, हिमांशु, किंजल, आर्यनऔर शिवानंद, ग्रीन बेल्ट में चिराग झा, चिन्मय झा, खुशी, पीहू, चांदनी, करण, सुलेखा, श्रेया श्रीवास्तव, पूजा एवं अर्जुन कुमार शामिल हैं। जबकि बेस्ट परफॉर्मर का पुरस्कार परी, सौरव, अमृता, शिवा, अनमोल राज, खुशी, पीहू, आर्यन, समरवीर सिंह, सत्यजीत कुलकर्णी, विंदेश भोगता, तान्या श्रीवास्तव, सक्षम अंशुल, श्रेयश पाठक, सतीश एवं पूजा कुमारी को दिया गया। सभी प्रतिभागियों को नरेंद्र सिन्हा द्वारा मेडल एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

हजारीबाग में कुर्सी से चिपके हैं कई 'चिरंजीवी बाबू'

जहां तबादला नहीं, वहां भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी !

अभय कुमार सिंह

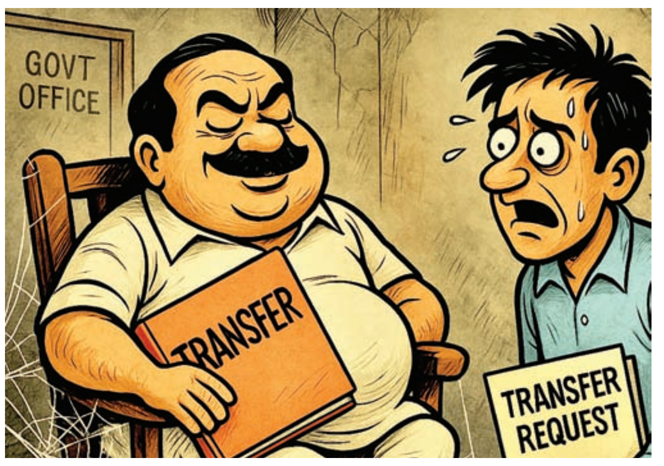

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिले में एक अदृश्य साम्राज्य फल-फूल रहा है-बाबुओं का ऐसा किला, जिसे तबादला नीति की आंधी भी नहीं हिला पा रही। यहां सरकारी दफ्तरों की कुर्सियां स्थायी संपत्ति बन चुकी हैं। अफसरों का जमावड़ा कुछ इस तरह है जैसे प्रशासनिक व्यवस्था का स्थायी टेंट यहीं गड़ा हो। जब राज्य भर में तीन साल की अधिकतम तैनाती सीमा लागू है, तब हजारीबाग में कई अधिकारी 8 से 12 वर्षों से एक ही पद पर काबिज हैं। ये वो कर्मचारी हैं जिनके ट्रांसफर आदेश या तो बनते ही निरस्त हो जाते हैं या फिर फाइलें रहस्यमयी तरीके से गायब हो जाती हैं। लोकल भाषा में इन्हें कहा जाता है ट्रांसफर टालवा ब्रिगेड ।सूत्रों की मानें तो हर विभाग चाहे वह शिक्षा हो, भूमि सुधार, बिजली, जल संसाधन, स्वास्थ्य या खनन कहीं न कहीं एक अदृश्य गठजोड़ से ग्रसित है। कुछ कर्मचारी स्थानीय नेताओं से जुड़े होते हैं, तो कुछ विभागीय अधिकारियों के खास। नतीजा यह होता है कि वह स्थानीय व्यवस्था के गॉडफादर बन जाते हैं। इन्हें हटाने की हिम्मत न प्रशासन कर पाता है, न ही मंत्री। इन चिरस्थायी कर्मचारियों का प्रभाव इतना गहरा होता है कि ठेके, भुगतान, नियुक्ति और तबादले तक में उनकी स्वीकृति अनिवार्य हो जाती है। जनता के लिए तो यह व्यवस्था एक भ्रष्ट भूलभुलैया बन चुकी है, जहां फाइलें धूल खाती हैं और हकदार चक्कर काटते रहते हैं। अब सवाल उठता है कि क्या हजारीबाग में ट्रांसफर एक प्रशासनिक प्रक्रिया है या फिर एक अधिकार जिसे केवल शक्तिशाली खरीद सकते हैं? अगर सिस्टम में नई जान डालनी है, तो सबसे पहले इन कुर्सी से चिपके बाबुओं की जड़ें काटनी होंगी। वरना हजारीबाग जैसे जिलों में बदलाव महज एक सपना ही बना रहेगा। जनता पूछ रही है सरकार सो रही है या सौदा हो गया है?

तीन बसों से गये 180 श्रद्धालु हजारों लोगों ने किया रवाना

सांसद तीर्थ यात्रा

▶▶ यह यात्रा धार्मिक विश्वास को मजबूत करेगी : जायसवाल

खबर मन्त्र संवाददाता

कटकमदाग। नरसिंह स्थान मंदिर प्रांगण से रविवार को सांसद तीर्थ यात्रा योजना के तहत 180 श्रद्धालुओं का जत्था तीन बसों के माध्यम से रवाना हुआ। यह धार्मिक यात्रा विशेष रूप से काशी, अयोध्या, प्रयागराज और विंध्याचल जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों के लिए आयोजित की गई है। इस अवसर पर कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों लोगों की उपस्थिति रही। आयोजकों के अनुसार, लगभग 5 हजार लोग मंदिर प्रांगण में जुटे थे, जिन्होंने यात्रियों को शुभकामनाओं के साथ विदा किया। मंच पर मुख्य रूप से चतरा के सांसद और इस यात्रा के आयोजक प्रतिनिधि मौजूद थे। साथ ही सदर विधायक प्रदीप प्रसाद और बड़कागांव विधायक रौशन लाल चौधरी भी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए।

सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि यह यात्रा न केवल श्रद्धालुओं के धार्मिक विश्वास को मजबूत करेगी, बल्कि देश के सांस्कृतिक गौरव से उन्हें जोड़ने का कार्य भी करेगी। उन्होंने बताया कि बुजुर्गों और जरूरतमंदों को वरीयता दी गई है और पूरे यात्रा के दौरान आने जाने व रहने की व्यवस्था निशुल्क रहेगी। जत्थे की रवानगी से पूर्व वैदिक मंत्रोच्चारण और आरती के साथ विधिवत पूजा की गई। श्रद्धालुओं ने सांसद व जनप्रतिनिधियों का आभार जताया और यात्रा को यादगार बनाने का संकल्प लिया।मौके पर चतरा लोकसभा सांसद कालीचरण सिंह, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, भाजपा के संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, बरही विधायक मनोज कुमार यादव, बड़कागांव विधायक रौशन लाल चौधरी, मांडू विधायक तिवारी महतो उर्फ निर्मल महतो, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, सिमरिया विधायक उज्वल दास, पूर्व विधायक अमर बावरी सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

तीर्थ यात्रियों का उमेश मेहता ने किया स्वागत

हजारीबाग। हजारीबाग जिले चार धाम काशी, अयोध्या, प्रयागराज संगम और विंध्याचल जा रहे 180 तीर्थ यात्रियों और नेतृत्व कर रहे सांसद मनीष जायसवाल को इचाक मोड़ में जीप चेयरमैन उमेश प्रसाद मेहता ने माला पहना कर स्वागत किया। तीन बसों से जा रहे तीर्थयात्रियों को माला पहनाने के बाद पानी, बिस्किट समेत अन्य खाने पीने का सामान देकर जीप चेयरमैन ने विदा किया। इस दौरान इचाक मोड़ शिव मंदिर के पास तीर्थयात्रियों का गाजे बाजे के साथ जोरदार स्वागत किया। जिप चेयरमैन उमेश प्रसाद मेहता ने कहा कि तीर्थ यात्रियों का स्वागत करने का अवसर मिला है यह बहुत ही सुखद है।

उन्होंने कहा कि सभी लोगों को तीर्थयात्रा करना चाहिए और यह अच्छा मौका है किसांसद मनीष जायसवाल के सौजन्य से बिना किसी भाड़ा के चार तीर्थ का यात्रा करवाया जा रहा है। साथ ही सांसद को भी बधाई दी। मौके पर पूर्व मुखिया भागवत प्रसाद मेहता, डेगनारायण मेहता, सुधीर मेहता, राजेंद्र मेहता, संजय मेहता, सीताराम मेहता, अविनाश कुमार, विकास कुमार मेहता, समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

भदानीनगर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री की मन की बात

भुरकुंडा (रामगढ़)। कोल कंपनी स्थित चबुतरा पर रविवार को भदानीनगर मंडल उपाध्यक्ष अनुप कुमार ठाकुर ने अपने बूथ संख्या 408 के सक्रिय कार्यकताओं के साथ देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र दास मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को ध्यानपूर्वक सुना। इस दौरान कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों को प्रेरणादायक और जनकल्याणकारी बताते हुए उनके नेतृत्व में देश के विकास की दिशा को सराहा। साथ ही सभी ने एकजुट होकर पार्टी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प को दोहराया। पीएम मोदी के मन की बात सुनने वालो में प्रमुख रूप से अनूप ठाकुर, विशाल कुमार, सूरज कुमार, कामेश्वर बैठा, अर्जुन यादव, भारत प्रसाद, उमा सिंह, आशीष पासवान, रंजीत प्रसाद, हिमांशु ठाकुर, विशाल नायक, विवेक ठाकुर, सुदर्शन कुमार, संजय भारती, संदीप प्रसाद, कमलेश चौधरी समेत कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पतरातू प्रखंड में भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन करेगा आजसू : विजय साहू

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। आजसू पार्टी ने रविवार को पीटीपीएस स्थित सरोवर बिहार में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्य योजनाओं की जानकारी दी। पार्टी के केंद्रीय महासचिव विजय कुमार साहू ने कहा कि बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ता संग्रह कार्यक्रम की शुरूआत की जा रही है।

उन्होंने बताया कि पहले चरण में पतरातू प्रखंड के 46 पंचायतों में कार्यकताओं से स्नेहिल मुलाकात, विचार-विमर्श और उनके सुख-दुख को जानने के लिए घर-घर जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो कार्यकर्ता 22-23 वर्षों से समर्पण के साथ पार्टी को आगे बढ़ा रहे हैं, पार्टी उनके साथ हर परिस्थिति में खड़ी रहेगी और उनकी भावनाओं का सम्मान किया जाएगा। विजय साहू ने कहा कि पार्टी के असली धरोहर कार्यकर्ता हैं और जब कार्यकर्ता मजबूत होंगे, तो जनता का भरोसा भी पार्टी पर बना रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में जनता के मुद्दों को लेकर पार्टी आंदोलनात्मक रणनीति भी अपनाएगी।

श्री साहू ने बताया कि सोमवार को सुंदर नगर भुरकुंडा में पार्टी की प्रखंड कमिटी की बैठक बुलाई गई है, जिसमें प्रखंड सह अंचल कार्यालय में व्याप्त कुरीतियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन का शंखनाद किया जाएगा। कार्यकर्ता संग्रह की शुरूआत जुलाई के प्रथम सप्ताह से होगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एम. रहमान, कमलेश, अशोक पाठक, भुन्नू सिंह, नित्यानंद कुमार, ब्रजेश सिंह, अजय रवि, कलाम अंसारी, बैजनाथ राय और रंजीत यादव सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

हजरत बीड़ी शाह बाबा का 36वां सालाना उर्स संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़) ।मदरसा गुलशन रजा भुरकुंडा में हजरत बीड़ी शाह बाबा का 36वां सालाना उर्स शनिवार को श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया गया। उर्स के पूर्व शुक्रवार रात 8 बजे मजार शरीफ का गुसुल (स्नान) किया गया और खादिम ग्यास खान द्वारा पारंपरिक चादरपोशी की गई। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच शिरनी (प्रसाद) का वितरण किया गया। शनिवार को उर्स मेला और लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए।

भुरकुंडा थाना की ओर से एसआई डीपी मेहता द्वारा मजार शरीफ पर सरकारी चादर चढ़ाई गई। इस अवसर पर मुस्लिम धमार्लंबियों सहित दर्जनों श्रद्धालुओं ने चादरपोशी कर अपने घर-परिवार और क्षेत्र की सुख-शांति की दुआएं मांगी। लंगर वितरण के साथ देर रात तक उर्स मेला चलता रहा। पूरे कार्यक्रम में सूफियाना माहौल, भाईचारे और श्रद्धा की मिसाल देखने को मिली। उर्स के अवसर पर भुरकुंडा, सौंदा डी,

चादरपोशी करते भुरकुंडा थाना के एसआई डीपी मेहता और अन्य

चादरपोशी, मेला और लंगर में उमड़े श्रद्धालु

सुंदरनगर, जवाहरनगर, ऊपर धौड़ा, रीवर साइड, चिकोर, लपंगा, महुआटोला, चौनगड्डा, गिद्दी, सेंट्रल सौंदा, पतरातू सहित अन्य क्षेत्रों के लोगो ने चादरपोशी की। मेला में लोगो ने जमकर खरीदारी करते हुए और लजीज व्यंजनों का लुफ्त उठाया। उर्स के सफल आयोजन में भुरकुंडा ओपी प्रभारी एवं मुख्य संरक्षक निर्भय कुमार गुप्ता, संरक्षक महेश्वर साहू, अध्यक्ष जगतार सिंह, उपाध्यक्ष सुरेंद्र राम, बारीक अंसारी, डब्लू सिंह, रामशरण गरी, सचिव उमाशंकर जायसवाल, सह सचिव मो. वसीम, हाजी महबूब आलम, असलम खान और अफरोज अहमद, सुरेंद्र राम, अलाउद्दीन मंसरी, मिनाज अंसारी, संतन सिंह, कांति कुमारी की अहम भूमिका रही।

एक नजर में

रथयात्रा को ले आयोजकों ने जताया आभार

चौपारण। श्रीजगन्नाथ रथयात्रा महामहोत्सव की सफलता के बाद आयोजकों ने प्रेस कांफ्रेंस कर सभी श्रद्धालुओं, प्रशासनिक अधिकारियों और सामाजिक संगठनों का आभार प्रकट किया। रथयात्रा समिति के अध्यक्ष हरिश्चंद्र सिंह और संयोजकों ने कहा कि इस आयोजन की विशेषता रही नारीशक्ति की अद्वितीय भागीदारी। दुगार्वाहिनी की बहनों ने बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार होकर भगवान जगन्नाथ की भक्ति से भरी अगवानी की। भगवा ध्वज थामे इन वीरांगनाओं की रैली ने वातावरण को भक्तिमय ही नहीं, प्रेरणादायक भी बनाया। आयोजकों ने कहा कि महिलाओं ने इस आयोजन में सिर्फ भाग नहीं लिया, बल्कि नेतृत्व किया, जिससे यह आयोजन महिला सशक्तिकरण का प्रतीक बन गया। 60 हजार से अधिक श्रद्धालुओं की भागीदारी वाले इस आयोजन में हर वर्ग झ्र युवक, युवतियां, विद्यार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता, प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि ने एकजुट होकर भाग लिया। आयोजकों ने विशेष रूप से उपायुक्त शशि प्रकाश, एसपी अंजनी अंजन, स्थानीय प्रशासन, पुलिसकर्मी, स्वास्थ्य, स्वच्छता व विद्युत विभाग, मीडिया, राजकेशरी निर्माण कंपनी, एनएस-33 कर्मी और सभी स्वयंसेवकों का आभार जताया। कार्यक्रम में सांसद मनीष जायसवाल, विधायक मनोज यादव, बजरंग दल, विहिप, मुखिया संघ, करनी सेना और सामाजिक समूहों के योगदान को सराहा गया। आयोजकों ने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक उत्सव नहीं, सामाजिक समरसता और एकता का आंदोलन बन गया, जिसमें आस्था, प्रेम और नेतृत्व की नई मिसाल कायम हुई।

टाटीझरिया : सांसद के सौजन्य से लगा ट्रांसफार्मर

टाटीझरिया । धरमपुर पंचायत के जेरूवाडीह गांव का बिजली ट्रांसफार्मर पिछले आठ दिनों से खराब था। ग्रामीणों ने सांसद प्रतिनिधि के माध्यम से सांसद मनीष जायसवाल को सूचित किया था। उन्होंने अनुशंसा किया और ग्रामीणों को 100 केवीए का ट्रांसफार्मर मिला। जिसका उद्घाटन प्रमुख सह सांसद प्रतिनिधि संतोष मंडल,भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाशपति सिंह,भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाशपति सिंह , एमके पाठक,अमरेश सिंह ने फीता काटकर किया। सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि सांसद के पास आप समस्या लेकर पहुंचेंगे तो निश्चय समाधान होगा ।यहां के ग्रामीणों ने अपनी समस्या बताई ।मैने देखा भी कि कृषि प्रधान ग्राम होने की वजह से बिजली की यहां जरूरत है और इस जरूरत को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता के आधार पर इसे पूरा किया गया। मौके पर कृष्णा साव,नंदकिशोर प्रसाद,कुलदीप प्रसाद,पंकज मंडल,योधी प्रसाद यादव,अशोक यादव,राजू प्रसाद समेत अन्य उपस्थित थे।

मूसलाधार बारिश से किसानों को नुकसान

टाटीझरिया । झरपो भराजो खैरा डहरभंगा डूमर धरमपुर बेड़म टाटीझरिया आठों पंचायत के विभिन्न गांव में लगातार बारिश होने से आम जन किसानों को काफी नुकसान हुआ है। कई क्षेत्र के किसानों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमलोग अपने खेतों में कर्ज पर लेकर धान,टमाटर,बैगन , मूली,अन्य साग सब्जियों के बीज खाद दवा की खरीदारी किए थे। किसानों ने यह भी कहा कि अभी कर्जदारों को हमलोग लिए गए खेती करने के लिए ब्याज की राशि दिए भी नहीं थे कि मुशलाधर वारिश की तेज बहाव ने खेत में बोए गए बीज को अपने साथ बहा कर ले गया। जो कुछ बीज बचा वह जमीन के मिट्टी में मात्रा से ज्यादा गहराई में चले जाने से काफी नुकसान हो गया। वही मजदूर वर्ग के लोगों ने भी कहा कि हमलोग अपनी मजदूर कर ही अपना जीवन आपन परिवार का भरन पोषण करते थे। लेकिन मुशलाधार वारिश और लगातार पानी के फुहारों से हमलोगों को घर से निकला भी काफी मुश्किल हो गई है।

डपोक से पिपरटांड़ जाने वाली सड़क जर्जर

बरही। बरही थाना क्षेत्र के डपोक पंचायत के डपोक से पिपरटांड़ तक सड़क काफी जर्जर हो चुकी है। सड़क पर कई जगहों पर बड़े-बड़े गड्ढ बन गए हैं। अब बारिश के कारण इन गड्ढों में पानी भर जाने से दुर्घटना की संभावना भी बढ़ गई है। सड़क की इस स्थिति से ग्रामीण काफी नाराज हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों से बार-बार गुहार लगाने के बावजूद आज तक कोई पहल नहीं की गई। फिलहाल इस सड़क की स्थिति ऐसी है कि कई जगहों पर पता ही नहीं चलता कि सड़क है भी या नहीं। सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढ दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे हैं। यह सड़क पिपरटांड़ और डपोक को जोड़ती है। सड़क करीब दो किलोमीटर लंबी है। इन दिनों सड़क पर दोपहिया और चारपहिया वाहन चलाना चुनौती बन गया है। युवा समाजसेवी उपेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि जब किसी को प्रसव कराना होता है तो उन्हें काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। क्योंकि सड़क खराब होने के कारण इस पर न तो चार पहिया वाहन चल पाते हैं और न ही दो पहिया वाहन। मरीज को समय पर अस्पताल पहुंचाना ग्रामीणों के लिए चुनौती बन गया है। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूली बच्चों को आने-जाने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। बद्री ठाकुर, बोला ठाकुर, कैलाश ठाकुर, बासुदेव ठाकुर, प्रभु ठाकुर, चौधरी ठाकुर, रामेश्वर ठाकुर, मुंशी ठाकुर, गोविंद ठाकुर, समन ठाकुर, सुरेंद्र ठाकुर, राजू ठाकुर, बाबूलाल ठाकुर, सीताराम ठाकुर, महेश ठाकुर, शंकर ठाकुर, हीरालाल ठाकुर, प्रदीप ठाकुर, दिनेश ठाकुर, मुकेश ठाकुर, मनोज ठाकुर, दिलीप, सहायक शिक्षिका प्रमिला समेत सैकड़ों ग्रामीणों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सड़क निर्माण की मांग की है।

बरही : गड्ढा के चलते मकान में घुसा ट्रक

बरही। बरही गया रोड स्थित मुमताज गैरेज के समीप रविवार की अहले सुबह ट्रक संख्या डब्लूबी57डी 0092 अनियंत्रित होकर एक घर में जा घुस गया। जिससे घर के आगे का हिस्सा और ट्रक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार ट्रक बरही से गया जा रहा था। इसी दौरान मुमताज गैरेज के समीप सड़क में गड्ढा होने के कारण ट्रक का संतुलन बिगड़ गया और घर में जा घुसा। सड़क के बीचों बीच कई जगह डेढ़ से दो फीट का बड़ा गड्ढा बन गया है। गया रोड में गड्ढे की खबर कई बार अखबार में छप चुकी है, बावजूद इसके प्रशासन आंख मूंद कर सो रहा है। ऐसा लग रहा है कि बरही प्रशासन किसी बड़ी घटना के इंतजार में है।

कांग्रेस ने किया मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति

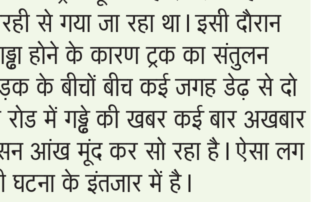

बड़कागांव ।कांग्रेस ने बड़कागांव प्रखंड को तीनों मंडल के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया। बड़कागांव पश्चिम मंडल से बड़कागांव निवासी पूर्व पसस धर्मनाथ महतो, मध्य से महुगाईकला निवासी श्याम कुमार भार्गव एवं पूर्वी से उरेज गांव निवासी रमेश सिंह भोक्ता का मनोनयन किया। अध्यक्षों को कांग्रेस प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो, पूर्व विधायक जेपी पटेल, जिला अध्यक्ष शैलेश यादव के हाथों हजारीबाग जिला कांग्रेस कार्यालय में मनोनयन पत्र दिया गया। मनोनयन पत्र वितरण में बड़कागांव से सुरेश महतो सहित जिले भर के बड़ी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित थे।

30 जून 1855 जब संथालों ने ब्रितानी हुकूमत को हिला दिया था

हूल दिवस: ब्रितानी सरकार के खिलाफ बजा था पहला बिगुल

- अंग्रेजों ने दस हजार रुपये का ईनाम रखा था सिद्धू कान्हू पर
- सूदखोरो और अंग्रेजो के भूमि कानून से नाराज आदिवासियों की हूल भारत की पहली जनक्रांति
- 30 जून 1955 को भोगनाडीह में विशाल जनजुटान से डरे अंग्रेज

वंदना टेटे

देश का पहला स्वतंत्रता संग्राम होने के बावजूद संताल हूल पर इतिहास और साहित्य में नहीं के बराबर लिखा गया है।

1855 में अंग्रेजी शासकों, जमींदारों, महाजनों और दलालों के विरूद्ध हुआ संताल युद्ध भारतीय आजादी का पहला संगठित युद्ध था। इतिहासकार आदिवासी युद्धों को 'विद्रोह' कह कर इसकी व्यापकता को संकुचित करते हैं। वहीं गैरआदिवासियों जैसे कुंअर सिंह, लक्ष्मीबाई आदि को स्वतंत्राता संग्राम का नायक स्थापित करते हैं जो वास्तव में राजा-रानी थे और जहां पीड़ित जनता उनके नेतृत्व और आह्वान पर लड़ाई में ड्डाग लेती है। लेकिन आदिवासी युद्धों में इसके विपरीत पूरी जनता सामूहिक कंससनेस से ब्रिटिश सरकार के खिलाफ युद्ध का फैसला करती है। गांव-गांव और पंचायत स्तर पर जनता खुद ही संगठित होती है और पूरा इलाका एक साथ युद्ध में उतरता है। संताल हूल में सिदो-कान्हू को 'नायक' और 'नेता' आदिवासी जनता ने नहीं बनाया बल्कि उन लोगों ने बनाया जो बाहर से आए। वे इतिहासकार थे, रिसर्चर थे या फिर साहित्य से जुड़े हुए लोग। सच्चाई यही है कि पारंपरिक आदिवासी स्वशासन व्यवस्था के अनुसार सिदो-कान्हू ने अगुआई की। नायक बनाने के चक्कर में न सिर्फ संताल हूल में शामिल अन्य अगुआ लोगों की उपेक्षा हुई बल्कि महिलाओं की ड्डागीदारी को भी समुचित स्थान नहीं मिल सका। चांद-भैरव और फूलो-झानो के बारे में हमलोग इसीलिए नहीं जान पाते हैं क्योंकि सिदो-कान्हू के नायकत्व में इन्हें भूला दिया गया।

संताल हूल सोच-समझकर लिया गया सामूहिक निर्णय था। यह निर्णय 30 जून 1855 को भोगनाडीह, बरहेट में आयोजित विशाल जन-जुटान में लिया गया। इस जन-जुटान में संताल परगना और जंगल तराई इलाके के आदिवासियों ने हजारों की संख्या में भाग लिया था और इसमें सदान मूलवासी जनता की भी भरपूर भागीदारी थी। जबकि 1857 में शुरू हुआ विद्रोह मंगल पांडेय नामक सिपाही के धार्मिक सोच की वजह से शुरु हुआ था। संताल हूल और सिपाही विद्रोह की शुरुआत के कारण बिल्कुल अलग थे। संताल हूल जहां ब्रिटिश शासकों और जमींदार-महाजनों के खिलाफ युद्ध का सीधा फैसला था तो सिपाही विद्रोह व्यक्तिगत रूप से धार्मिक कारण के चलते अनायास शुरु हुआ था। जो आगे चलकर एक बड़े विद्रोह के रूप में परिणत हुआ और इसमें शामिल होने वाले या नेतृत्वकर्ता अधिकांश राजा-सामंत थे जो ब्रिटिश शासन के हस्तक्षेप को अपने राज-काज में स्वीकार नहीं करना चाहते थे। परंतु संताल हूल किसी व्यक्तिगत निजी कारण से नहीं वरन सामूहिक स्तर पर युद्ध करने का फैसला था। लेकिन आदिवासियों को असभ्य, जंगली और बर्बर मानने की नस्ली दृष्टि के कारण 1855 में हुए संताल हूल को इतिहास और साहित्य में भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम नहीं स्वीकार किया गया। यह सम्मान दो साल बाद निजी कारण से शुरू हुए सिपाही विद्रोह को दिया गया।

संगठित संथाल हूल कितना प्रभावी था इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तोप और बंदूकों के बावजूद अनेक बार उन्हें पीछे हटना पड़ा था। दो सौ साल के ब्रिटिश शासनकाल में यह पहला ऐसा व्यापक जनयुद्ध था जिसे दबाने के लिए सरकार को मार्शल लॉ लगाना पड़ा। यह जनयुद्ध रुक-रुक कर कई चरणों में 1956 तक चला और इस दौरान हजारों आदिवासी लड़ाके शहीद हुए जिनमें महिलाएं भी शामिल थी। 1830-32 के महान कोल व्रिदोह के करीब 20 साल बाद हुआ संताल हूल ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ हुआ दूसरा सबसे बड़ा जनयुद्ध था। इसके पूर्व देश के किसी हिस्से में ऐसे जनयुद्ध का विवरण नहीं मिलता। तथाकथित तौर पर भारत का प्रथम राष्ट्रीय संग्राम कहा जाने वाला 1857 का सिपाही विद्रोह हो या पचास के दशक तक चला आजादी का संघर्ष, इन सबकी नींव में संताल हूल जैसे आदिवासी युद्ध थे। संताल हूल ने अपने सरेंडर विहीन युद्ध से पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था। लंदन के अंग्रेजी अखबारों में संताल हूल पर लंबी-लंबी रपटें छपी थीं और युद्ध की तस्वीरें चित्राकार से बनवाकर छापी गई थीं। इससे कार्ल मार्क्स जैसे राजनीतिक दार्शनिकों को आदिवासियों के इस अदम्य संघर्ष की जानकारी हुई। कार्ल मार्क्स ने अपनी विश्वप्रसिद्ध रचना 'नोटस ऑफ इंडियन हिस्ट्री' में जून 1855 में हुए इस आदिवासी जनयुद्ध संताल हूल को जनक्रांति कहा है। हमारे देश के इतिहासकारों ने कभी भी आदिवासी इतिहास पर कलम नहीं चलाई। आदिवासी लोग बहुत बाद में पढ़े-लिखे। इसलिए संताल हूल जैसे आदिवासी जनयुद्ध अड्डाी ड्डाी इतिहास के अंधेरे में हैं। आदिवासी लोकगीतों, लोककथाओं और वाचिक परंपरा के अन्य विधाओं में बहुत सारी ऐतिहासिक सामग्री संजोयी हुई है। ब्रिटिश दस्तावेजों और जिला गजेटियरों में भी बहुत से तथ्य हैं। जिनकी चर्चा जानबूझकर इतिहासकार नहीं करते। आदिवासी लेखकों, बुद्धिजीवियों और समाज-राष्ट्र में समानता की चाह रखने वाले लोतांत्रिाक शक्तियों को श्रमपूर्वक खोज-अध्ययन करते हुए आदिवासी जनयुद्धों के इतिहास के सभी आयामों को उजागर करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

(लेखिका सामाजिक कार्यकत्ता और लेखन से जुड़ी हैं)

हूल ज्ञापन नहीं जीने का अधिकार पत्र है!

अश्विनी पंकज

पत्नी, बच्चे, घर-द्वार के लिए भाई
बछड़े, बकरों के लिए भाई
हूल हम जरूर करेंगे
पहले जैसी आजादी के लिए भाई
पहले जैसी मुक्ति के लिए भाई
हूल हम जरूर करेंगे

हूल, उलगुलान, धूमकाल और सन 47 के बाद किये गये संवैधानिक वायदों की अनदेखी बढ़ती जा रही है। इसलिए हूल दिवस के इस अवसर पर इतिहास और वर्तमान को याद करना जरूरी होगा, जिससे हम 1855 से जारी जनयुद्ध के कारणों को सामाजिक न्याय के परिप्रेक्ष्य में देख सकें। इसके आलोक में अपनी समझदारी विकसित कर सकें कि कोई भी समाज-राष्ट्र आखिर अपने ही देशज-आदिवासी समुदायों के, वह भी संवैाानिक प्रावाानों के बावजूद, क्यों जीने के अाकिार से वंचित करते हुए उन्हें अलगाव में डाल रहा है, उन्हें जनयुद्ध की ओर धकेल रहा है।

भारत के आदिवासी जनों के साथ भेदभाव इतिहास लेखन के साथ ही शुरू हो जाता है। जब हम सभी पाठ्य पुस्तकों, इतिहास की किताबों में सिर्फ और सिर्फ यही पढ़ते हैं कि भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के सिपाही विद्रोह से शुरू होता है। झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार की सीमा पर राजमहल के जंगलों में जबकि 1880 में तिलका मांझी उर्फ जबरा पहाड़िया का जनयुद्ध हो चुका था। इसके करीब 70 साल बाद 1855 में हुआ हूल आंदोलन तो एक व्यापक, संगठित और रणनीतिक रूप से सुनियोजित युद्ध था, जिसके विस्तार और प्रभाव को अंग्रेज अधिकारियों से लेकर तत्कालीन लेखकों ने समान रूप से स्वीकार है।

इस दृष्टि से 1935 में लिखित आर कार्सटेयर्स लिखित 'हाड़मा विलेज' महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेज है, जिसमें हूल का आंखों देखा विवरण दर्ज है। कार्सटेयर्स 1855 से 1859 तक संताल परगना में डिप्टी कमिश्नर रहा था। 'हाड़मा विलेज' का संताली अनुवाद आरआरके रापाज किस्कू ने 1946 में 'हाड़मावाक् आतो' का रोमन लिपि में प्रकाशित किया था। हिंदी अनुवाद 2012 में शिशिर टुडू ने किया। जो 'ऐसे हुआ हूल' के नाम से प्रकाशित हुआ है।

यह दस्तावेज हूल के जिन कारणों पर विस्तार से प्रकाश डालता है, उससे अलग आज की परिस्थिति बिल्कुल नहीं है। बल्कि पहले से ज्यादा बदतर हुई है। पहले तो कम से कम एक बड़ा विभाजन यही था कि शासक बाहरी अर्थात विदेशी थे। लेकिन 47 के बाद शासक देशी हुए और कहा गया कि देश आजाद हो गया, सभी नागरिक अब स्वतंत्र हैं। झूठी स्वतंत्रता और भ्रष्ट लोकतंत्र के कारण विरोध करना, असहमति जताना, अन्याय-अत्याचार की खिलाफत करना और आत्मरक्षार्थ हथियार उठाना देशद्रोह मान लिया जाता है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के साथ शासक वर्ग का रवैया कसाई और बकरी की तरह है। ऐसे में आदिवासी जनता क्या करे? हम जानते हैं कि तमाम संवैाानिक प्रावाानों, कानूनों, सराकरी नीतियों-कार्यक्रमों, घोषणाओं और आश्वासनों के बावजूद देश के आदिवासी इलाके हूल की तरह ही त्रास्त हैं और प्रतिरोध में लगातार उबल रहे हैं।

1855 में हुए देश के इस प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में सिर्फ संताल ही नहीं शामिल थे। उस इलाके सारे समुदाय, जो सूदखोरी, महाजनी, जमींदारी जुल्म, पुलिसिया अन्याय और औपनिवेशिक लूट से पीड़ित थे, हूल में शामिल थे। संतालों की आबादी चूंकि राजमहल के इलाके में सबसे ज्यादा थी और उन्होंने ही इस जनयुद्ध का नेतृत्व किया था, इसलिए इसे संताल हूल कहा जाता है। लेकिन यह वास्तव में संतालों के नेतृत्व में हुआ देश का पहला जनयुद्ध था। इसीलिए हूल के तुरंत बाद 15 अगस्त 1855 को अंगरेजी सरकार ने यह घोषणा करते हुए उस इलाके में 14 हजार सैनिकों को तैनात किया था

'जान पड़ता है, संताल आदिवासियों ने सरकार के विरुद्ध विद्रोह किया, लूट-पाट की, लोगों के प्राण लिये और सरकारी फौजों का सामना किया, फिर भी उनमें से अधिकांश अपना मूर्खता को महसूस करते हुए क्षमा चाहते हैं, पहले की तरह मिलजुलकर रहना चाहते हैं। इसलिए सरकार की ओर से यह घोषणा की जाती है कि चूंकि सरकार अपनी प्रजा की भलाई चाहती है, अतः संताल लोग पथभ्रष्ट हो चुकने के बाद भी हाकिमों, अधिकारियों के पास दस दिनों के अंदर आत्मसमर्पण कर दें, तो जांच के बाद नेताओं को छोड़कर अन्य लोगों को क्षमा प्रदान कर दिया जाएगा। और अगर इस घोषणा के बाद भी कोई

सरकार के विरुद्ध खड़ा होगा, तो उसे अविलंब सजा दी जाएगी।'

लेकिन योद्धाओं ने समर्पण नहीं किया। महाजनी-सामंती और अंगरेजी राज के खिलाफ नारा और बुलंद हुआ - 'जुमीदार, महाजन, पुलिस राजदेन आमला को गुजुकमाड़' अर्थात 'जमींदार, महाजन, पुलिस और सरकारी अमलों का नाश हो।' 'बिर-बुरु ओकेया-ओकेया' (जल, जंगल, जमीन हमारा है हमारा है)। आज भी देश के आदिवासी क्षेत्रों में यही नारा है। कोई नया नारा नहीं है। जब नारा नया नहीं है, तो जाहिर है परिस्थितियां वही हैं। सवाल, मुद्दे और मांगें भी वही हैं। हद तो तब हो जाती है, जब देश का संवैधानिक प्रमुख, जिस पर आदिवासी इलाकों के लिए संविधान में किये गये विशेष प्रावाान पांचवीं अनुसूची की रक्षा का दायित्व है,वह भारी जन विरोध के बावजूद कॉरपोरेट का साथ देता है। आदिवासियों को उनसे से मिलने नहीं दिया जाता। समूचे क्षेत्र में अघोषित कर्फ्यू लगा दिया जाता है। सरकार और समाज को हूल की असहमतियों पर विचार करना ही होगा।

हूल मांग का कोई ज्ञापन नहीं है। यह ऐतिहासिक अस्वीकार है लूट, दमन और आज के विवंसकारी विकास मॉडल का। यह दावा है प्रकृति जनों का प्रकृति और पूरी समष्टि के लिए। प्रकृति, जानवर, वनस्पतियां, ग्रह, नक्षत्र और इंसान सभी के हित सुरक्षित रहें इसकी कामना है हूल।

आज के राजनेता सिद्धो-कान्ह से सीखें

संथाल हूल के जननायक से सीख लें झारखंडी युवक-युवतियां

डॉ हरि उरांव

झारखंड में आज आदिवासी नेतृत्व पर सवाल उठाये जाते हैं लेकिन इतिहास के पन्नों को पलटें तो आदिवासी नेतृत्व में कहीं भी कमजोरी नहीं दिखायी देती है। वीर तिलका मांझी, सिदो-कान्हू, चांद, भैरव, वीर बुद्धु भगत, तेलंगा खड़िया, बिरसा मुंडा, नीलांबर पीतांबर, जतरा टाना भगत सहित कई ऐसे व्यक्तित्व हुए जिन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता का लोहा मनवाया है। ऐसे में यह कहना कि आदिवासियों में नेतृत्व क्षमता की कमी है यह हजम नहीं होता है। बस इसे देखने का नजरिया होना चाहिए। संताल हूल के जननायक सिदो-कान्हू से झारखंड के युवाओं को प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने विषम परिस्थितियों में भी अंग्रेजों से लोहा लिया और वीर गति को प्राप्त किया। आज के आदिवासी नेताओं, विधायकों, मंत्रियों के ऐसे वीरों की जीवन से सीख लेनी चाहिए। आज आदिवासियों नेतृत्व पर इसलिए सवाल उठाये जाते हैं क्योंकि आज उनके अंदर विजन नहीं है। वे व्यक्तिवादी हो गये हैं। पैसा,नाम और पहचान चाहते हैं, निःस्वार्थ सेवा की भावना नहीं है। सिर्फ अपना एक्सपोजर चाहते हैं। सामज की चिंता नहीं करते हैं, जबकि सिदो-कान्हू जैसे अन्य वीरों ने समाज के लिए संघर्ष किया। अपने को बलिदान कर दिया। पहले के आदिवासी अगुवों में इतनी बेइमानी नहीं थी। जनता उनपर विश्वास करती थी, लेकिन आज उलटा हो रहा है। मुद्दों पर भी जनता एकजुट नहीं हो रही है। क्योंकि आज के आदिवासी नेता विश्वास को तोड़ चुके हैं। जनता उनपर विश्वास ही नहीं करती है। इसलिए जनता का विश्वास जीतना होगा। आज शहीद सिदो-कान्हू, वीर बुद्धु भगत, बिरसा मुंडा, तिलका मांझी की तरह समाज के लिए समर्पित होना होगा। झारखंड को सही नेतृत्व देना होगा। आज देश, राज्य के नेता बस

अपनी सुरक्षा और लाभ के लिए राजनीति कर रहे हैं। समाज और देश की भलाई नहीं सोचते। ऐसे परिस्थिति में इन शहीदों की जीवन ही हमें समाज के लिए सोचने ओर काम करने के लिए प्रेरित करता है। आज मंथन और चिंतन के बाद भी झारखंड विकास के रास्ते नहीं चल रहा है। आज विजनपूर्ण नेतृत्व की जरूरत है। इसी से झारखंड का भला होगा। तमाम तामझाम के बावजूद विजन वाला नेतृत्व झारखंड को नहीं मिल पाया है।

(जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग रांची)

हूल के जनक: गरभू मांझी

जेरोम जेराल्ड कुजूर

1857 के सिपाही विद्रोह को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की पहली लड़ाई कहा जाता है, लेकिन झारखंड के इतिहास में इसके पूर्व ही यहां के शूरवीरों ने अंग्रेजी सम्राज्य के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। अमर शहीद तिलका मांझी का आंदोलन 1772 के आसपास हुआ था। जिन्हें अंग्रेजों ने फांसी दी। 1832 में कोल विद्रोह हुआ जिसमें पूरे आदिवासी शामिल हुए थे। 1855 का संताल हूल सिद्धो-कान्हो के नेतृत्व में लड़ी गयी। इस संताल हूल के एक नायक थे गरभू मांझी। गरभू मांझी न होते तो शायद संताल हूल न होता।

गरभू मांझी का जन्म बरहेट क्षेत्र के आमगाछी गांव में हुआ था। उस समय संथालपरगना में अंग्रेज महाजनी प्रथा चला रहे थे। उनके गांव में महाजनी के लिए कुबिरा गांव के दो भाई किनाराम और बेचाराम भगत आया करते थे। वे दोनों लोगों का तीन चार मुर्गा और ज्यादा पैसा वसूल ले जाते थे। पैसा नहीं देने पर गाय-बैल, भेड़-बकरी भी जबरन उठा ले जाते थे। यह सब देखकर गरभू मांझी को रहा नहीं जाता था। चूंकि मांझी था इसलिए गांव की जिम्मेवारी उसी पर थी। ग्रामीणों की पीड़ा देखकर वह महाजनों के खिलाफ आवाज उठाया। गरभू मांझी की शक्ति देखकर महाजन किनाराम और बेचाराम भगत व्याकुल हो उठे। उसे दबाने के लिए दोनों महाजनों ने बरहेट थाना में महेश लाल दरोगा के समक्ष गरभू मांझी के खिलाफ झूठा केस दायर कर दिया। इस पर दरोगा ने आमगाछी गांव आकर गरभू मांझी को गिरफ्तार कर लिया।

यह खबर संतालपरगना में आग की तरह फैल गयी। उस समय का जेल भागलपुर में था, इसलिए गरभू मांझी को बरहेट से भागलपुर जेल ले जाना था। इसकी सूचना पडेरकोला श्यामपरगना लिप्तीपाड़ा के विजय मांझी एवं भोगनाडीह के संताल भाइयों सिदो-कान्हो तक भी पहुंच गयी।

> गरभू मांझी को छुड़ाने के लिए सिदो-कान्हो ने हजारों संतालियों को जमा करके बरहेट थाना का घेराव किया। बरहेट थाना में सिदो ने गरभू मांझी की हथकड़ी खोल दी। हथकड़ी खुलते ही गरभू मांझी ने संताल भाई से तलवार छीनकर दारोगा महेशलाल की कान काट दी। और सभी संतालों ने एक साथ चिल्लाया हूल-हूल, फिर उन्होंने ने बरहेट थाना जला दिया गया।

अतः गरभू मांझी को छुड़ाने के लिए सिदो-कान्हो ने हजारों संतालियों को जमा करके बरहेट थाना का घेराव किया। बरहेट थाना में सिदो ने गरभू मांझी की हथकड़ी खोल दी। हथकड़ी खुलते ही गरभू मांझी ने संताल भाई से तलवार छीनकर दारोगा महेशलाल की कान काट दी। और सभी संतालों ने एक साथ चिल्लाया हूल-हूल, फिर उन्होंने ने बरहेट थाना जला दिया गया।

यहीं से संताल हूल की शुरुआत हुई। यह घटना 1855 की है। अगर गरभू मांझी नहीं होते तो सिद्धो-कान्हो और उनके भाई तथा अन्य संताली यह आंदोलन नहीं करते। लेकिन जिस प्रकार अन्य मामलों और आंदोलनों की इतिहास में उपेक्षा की गयी है उसी प्रकार इस आंदोलन के कई महत्वपूर्ण पात्र अनजान है और उनके बारे में कोई नहीं जानता है। झारखंड की धरती रत्नगर्भा होने के साथ वीर भी पैदा करती रही है। संताल हूल गरभू मांझी के कारण ही प्रारंभ हुआ लेकिन आज वे इतिहास के पन्नों से गायब हैं।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता व चिंतक हैं।)

सामग्री संकलन: प्रो कोरनेलियुस मिंज बिरसा कॉलेज खूंटी झारखंड

स्पीड न्यूज

लाको बोदरा की 39वीं पुण्यतिथि पर शोकसभा

जमशेदपुर। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 29 जून, 2025 को महान भाषाविद्, हो भाषा की 'वारांग क्षिति' लिपि के जनक एवं समाज सुधारक ओत गुरु कोल लाको बोदरा जी की 39वीं पुण्यतिथि के अवसर पर हो समाज भवन, गोलमुरी, जमशेदपुर में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत लाको बोदरा जी की तस्वीर पर माल्यार्पण और श्रद्धासुमन अर्पित करके की गई। मौके पर समाज के गणमान्य समाजसेवी, युवाओं और महिलाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

कार्यकर्ताओं ने गुरुजी के लिए की पूजा-अर्चना

जमशेदपुर। आज रविवार को पूर्वी सिंहभूम जिला संयोजक मंडली के द्वारा झारखंड राज्य के जनक और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन जो पिछले कई दिनों से अस्वस्थ है और दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती है आज उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए साकची स्थित पुराना कोर्ट 'कचहरी बाबा शिव मंदिर' के प्रांगण में विधिवत पूजा अर्चना किया गया।

संघ ने किया पुलिस केंद्र में पौधरोपण

जमशेदपुर। रविवार को सेवानिवृत्त पुलिस पदाधिकारी संघ के द्वारा पुलिस केंद्र जमशेदपुर में पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया जिसमें सभी सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक उपस्थित हुए। सांख्यिकीय द्वारा यह निर्णय लिया गया कि संघ के सभी सदस्य अत्यधिक सामाजिक कार्यों में अपनी भूमिका निभाएंगे साथ ही समाज मे वैसे गरीब बच्चों के पठन पाठन की सामग्री को भी उपलब्ध कराएंगे जिन्हे स्कुल कलेज मे पठन पाठन के बगैर पढ़ाई रुकी हुई हैं।

तुलसी जयंती समारोह में भाषण प्रतियोगिता

जमशेदपुर। तुलसी भवन द्वारा आयोजित तुलसी जयंती समारोह के अन्तर्गत कक्षा 8 से 12 तक के छात्रों के लिए विषय संप्रेषण (भाषण) प्रतियोगिता संपन्न हुआ। जिसमें नगर के 23 विद्यालयों के कुल 86 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के आरंभ में संस्थान के मानद महासचिव डॉ प्रसेनजित तिवारी ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए पुरे कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में सर्वश्री डा यमुना तिवारी व्यथित, डा अरुण सज्जन, विजयालक्ष्मी 'वेदुला', डा उदय प्रताप हयात, दिव्येन्दु त्रिपाठी, अनिता निधि, नीलिमा पाण्डेय, ड वीणा पाण्डेय 'भारती', कैलाश नाथ शर्मा 'गाजीपुरी' व राजेंद्र राज रहे।

यूजीसी में मैथिली के नोडल ऑफिसर बने डॉ अशोक झा

जमशेदपुर। डा अशोक झा (अविचल) को कोल्हान विश्वविद्यालय के प्रवक्ता सह मिडिया सेल कोडीनेटर के साथ यूजीसी मे मैथिली भाषा के नोडल ऑफिसर जैसे प्रतिष्ठित एवम महत्वपूर्ण पद पर पदस्थापित किया गया है। इस बिशेष उपलब्धि के लिए कोल्हान मिथिला समाज के तत्वाधान मे समाज के प्रबुद्ध व्यक्तियों के द्वारा उन्हें सम्मानित करते हुए समाज को गौरव का अनुभुति हो रहा है। इस अवसर पर सर्वश्री पं.विपिन झा, आकाश चंद्र मिश्र, पंकज राय, अनिल झा, रंजीत झा, शिव चंद्र झा, शिव कुमार झा (टिल्लु), अमर झा, चंदन झा, गोपालजी चौधरी थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य लाभ के लिए की पूजा अर्चना

कतरास। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वस्थ लाभ होने की कामना को लेकर रविवार की शाम झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य सह बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव पचगढ़ी बाजार स्थित श्री श्याम खाटू दरबार पहुंचे। अजय पंडित ने पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कराई। मंटू यादव ने बताया कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का इलाज दिल्ली में चल रहा है। उनके स्वास्थ्य लाभ के लिए खाटू श्री श्याम के दरबार में पूजा अर्चना कर उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई। मौके पर महानगर उपाध्यक्ष संजय केजरीवाल, नगर उपाध्यक्ष दिनेश यादव, बमबम पांडेय, सदानंद गोप, शंभू गुप्ता, बैजनाथ पाल, सोनू दे, अभिषेक पांडेय आदि पूजा में शामिल हुए।

लगातार बारिश से स्वणरिखा और खरकाई नदी में उफान

- नदी के तटीय और निम्न इलाकों में रहने वाले लोगों को जिला प्रशासन ने किया सतर्क
- नदी किनारे नहीं जाएं, जानमाल की सुरक्षा सर्वोपरि : उपायुक्त

यूसील कालोनी में गुर्रा नदी का पानी घुसने के बाद की स्थिति।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन ने स्वर्णरेखा व खरकई नदी के तटीय इलाकों में जानमाल की सुरक्षा को देखते हुए नागरिकों से सजग एवं सतर्क रहने की अपील की जाती है।

डीसी कर्ण सत्यार्थी ने जिले के खरखई एवं स्वर्णरेखा नदी के किनारे तथा अन्य निम्न इलाकों में निवास करने वाले नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। नदी का जलस्तर अचानक बढ़ सकता है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि भारी बारिश के दौरान सुरक्षित ऊंचे स्थानों में शरण लें, नागरिकों की सुरक्षा जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। अनुमंडल पदाधिकारी समेत सभी नगरीय निकाय पदाधिकारी, बीडीओ एवं सीओ क्षेत्र भ्रमण कर स्थिति पर लगातार नजर बनाये हुए है। सभी नागरिकों से सहयोग की अपील की जाती है ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

आपात स्थिति में किसी सूचना या सहायता के लिए कंट्रोल रूम में 0657-2444233 पर जरूर सम्पर्क करें।

यूसिल कॉलोनी के 25 घरों में घुसा पानी, कर्मियों ने संभाली कमान

जादूगोड़ा। बीती रात से लगातार बारिश के बाद गुरा नदी का जलस्तर बढ़ने व गालूडीह बराज का फाटक बंद कर देने से भारत सरकार की संस्थान यूसिल की जादूगोड़ा यूरेनियम प्रोजेक्ट की आवासीय क्वाटर में तीसरी बार बी व सी टाइप की कुल 25 क्वार्टरों के घरों दो फिट पानी घुस गया। इधर जलस्तर लगातार बढ़ने से यूसिल कर्मियों में अफरा तफरी मच गई है व कंपनी कर्मी ऊपर तला पहुंच कर अपनी जानमाल की रक्षा की। बाढ़ में फंसे लोगों की मदद हेतु यूसिल द्वारा हाथ खड़ा कर देने से यूसिल के पूर्व मजदूर नेता राजकुमार भक्त ने नाराजगी जताई तथा कहा कि पहले कलोनी में बाढ़ से पूर्व बड़े बड़े ट्रक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में खड़े रहते है व कंपनी की ओर से रेस्क्यू टीम बाढ़ में फंसे लोगों की मदद हेतु तैनात की जाती थी इस बार स्थिति उलट है।पीड़ित परिवार खुद अपने समान को इधर से उधर शिफ्ट कर रहे है । कई परिवारों का सामान घर पर ही डूब गया लाखों रुपया का सामान नष्ट हो गया।

15 सालों तक डुबाव क्षेत्र में क्वाटर आवंटन पर रोक थी, दोबारा चालू की गई : यूसिल आवासीय कलोनी की बी टाइप क्वटर में 30 साल पहले भी दो बार बाढ़ की स्थिति बनी थी। जिसके बाद तत्कालीन यूसिल के अध्यक्ष सह प्रबंध निर्देशक जे एल भसीन ने गुरा नदी से सटे व निचले इलाके में बड़े कंपनी क्वटर आवंटन पर रोक लगा दी गई थी। बाद में राजस्व वसूली को लेकर कंपनी प्रबंधन को और से इस डुबाव क्षेत्र में दोबारा कंपनी कर्मियों को मकान आवंटित कर दी गई ।जिससे लोगों की बाढ़ की विभिषिका से जूझना पड़ा।

लगातार बारिश से डिमना डैम खतरे के निशान से ऊपर जमा हुआ पानी, चार फाटक खोले गये

- नाले में उफान से किनारे बने घरों की बाउंड्री हिले

डिमना डैम के खुले फाटक से बहता पानी और नाले के किनारे बने मकानों के बगल से गुजरता तेज पानी।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। लौहनगरी जमशेदपुर को पेयजल आपूर्ति का सबसे बड़ा श्रोत डिमना लेक में 529 मीटर से ज्यादा पानी जमा हो गया। लगतार बारिश के चलते इस सिजन में पहली बार डैम भरा है, और डैम पर बढ़ते दबाव को देखते हुए टाटा स्टील यूआइएसएल प्रबंधन ने डैम के चार फाटक खोल दिए। शाम सात बजे फाटक खोला गया तो इसके नाले में उफान आ गया।

डिमना डैम का फाटक खुलते ही जिस तरह नाले में बने मकानों की दीवारों से पानी टकरा रहा है, वह केवल एक प्रातिक घटना नहीं, बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। पानी की सीधी मार इन घरों की असुरक्षित स्थिति को उजागर करती है। अगर ये मकान धसते हैं, तो सरकार पर दोषारोपण होना तय है लेकिन असली सवाल यह है कि जिम्मेदारी किसकी है?

डिमना नाले की जमीन पर वर्षों पहले बनाए जा रहे कुछ मकानों को मानगो नोटिफाई एरिया कमेटी द्वारा सील भी किया गया था। इसके बावजूद, निर्माण कार्य जारी रहा और आज ये मकान न केवल नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरा बन चुके हैं, बल्कि विकास कार्यों में भी बाधा उत्पन्न कर रहे हैं।

फिलहाल, डिमना नाले में एक पुल निर्माण कार्य जारी है, लेकिन सामने बने इन अवैध घरों के कारण निर्माण अधर में लटका हुआ है। यह स्थिति साफ तौर पर दर्शाती है कि अवैध निर्माण किस तरह न केवल मानव जीवन के लिए खतरा बनते हैं, बल्कि जरूरी बुनियादी ढांचे के विकास में भी बाधा बनते हैं। यह जानकारी बालिगुमा सुखना बस्ती की ओर से साझा की गई है, जहां के स्थानीय निवासी लगातार इस समस्या को प्रशासन के समक्ष उठाते आ रहे हैं। बस्ती के लोगों का कहनरा है कि प्रशासन को चाहिए कि समय रहते ऐसे संवेदनशील इलाकों में बने अवैध या असुरक्षित घरों की स्पष्ट पहचान कर कार्रवाई सुनिश्चित करे, ताकि किसी अनहोनी से पहले ही जन-जीवन और विकास दोनों को सुरक्षित किया जा सके।

रात भर लगातार वर्षा से पोटका में स्कूल-घरों में पानी, कई पुलिया बहे

पोटका। पोटका प्रखंड क्षेत्र में लगातार बारिश से पूरे क्षेत्र में त्राहिमाम का माहौल है। गुर्रा नदी पूरे उफान पर है। जिस कारण कहीं घरों में पानी घुस गया है तो कही मुख्य सड़कों पर पुलिया के बह जाने की भी सूचना है। जिससे गांव से मुख्य सड़क पर आने का संपर्क बिल्कुल ही टूट गया है। यहां तक कि स्कूल के हस्टल में पानी भर जाने के कारण सैकड़ों बच्चे विद्यालय के छत पर फंस गए थे। जिन्हें ग्रामीणों के सहयोग से सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। है। पोटका के हल्दीपोखर कवाली मुख्य मार्ग पर पंडर सोली स्थित लव कुश आवासीय विद्यालय के हस्टल में पानी भर गया।

एक नजर में

प्रतिभा सम्मान समारोह -2025 का आयोजन 12 को

रांची। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में प्रतिभा सम्मान समारोह- 2025 का आयोजन 12 जुलाई को महाराजा अग्रसेन भवन रांची में आयोजित किया जाएगा। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, महामंत्री विनोद कुमार जैन एवं संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने संयुक्त रूप से बताया कि इस प्रतिभा सम्मान समारोह में रांची जिले भर के मारवाड़ी समाज से संबंध रखने वाले प्रतिभावान मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने शैक्षणिक उपलब्धियों अथवा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज को गौरवान्वित किया है। उन्होंने बताया कि सम्मान की प्रमुख श्रेणियां मे कक्षा 10वीं एवं 12वीं सीबीएसई, आईसीएसई एवं झारखंड राज्य बोर्ड परीक्षा के 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा,तथा विश्वविद्यालय स्तर यूजी/ पीजी के टॉप 10 रैंक धारक छात्र-छात्राओं, तथा राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाएं- यूपीएससी,सीए, सीएस, एसएमए, एमबीए, इंजीनियरिंग, मेडिकल एलएलबी, एलएलएम, पीएचडी, बी.एड आदि के अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं, तथा राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धि सांस्कृतिक, खेल या अन्य क्षेत्रों में विशेष पहचान बनाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए संयोजक विशाल पाड़िया व विकास अग्रवाल को बनाया गया है। सभी सफल प्रतिभागियों से 8 जुलाई तक महाराजा अग्रसेन भवन मे पूरे विवरण के साथ रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

श्री राधा- कृष्ण मंदिर में अन्नपूर्णा महाप्रसाद का वितरण

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम,पुंदाग में रविवार को 214 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। महाप्रसाद ट्रस्ट के सदस्यों के सौजन्य से आयोजित किया गया था। अन्नपूर्णा महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12:30 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तत्पश्चात मंदिर परिसर में उपस्थित दो हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। तत्पश्चात भजन- संध्या के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायकों ने कृष्ण दरबार में मनमोहक भजनों से भक्तों को अमृत गंगा का रसपान कराते हुए खूब झुमाया। इस अवसर पर-ट्रस्ट के डुंगरमल अग्रवाल, निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, मनोज कुमार चौधरी, निर्मल छावनिका, मधु जाजोदिया, शिव भगवान अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, पूर्णमल सर्राफ, सुनील पोद्दार, संजय सर्राफ, पवन पोद्दार, अंजनी अग्रवाल, रमन अग्रवाल, गोवर्धन यादव, आशा मुंजाल, शोभा जालान, रश्मी जालान, अशोक ठाकुर, मुरली परमार, सुधीर कुमार, सत्यम कुमार सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष उपस्थित थे।

एफसीआई अस्पताल के सीनियर पेथोलाजिस्ट प्रयागराज विश्वकर्मा का निधन

सिंदरी। सिंदरी के एफसीआई अस्पताल के सेवानिवृत्त पेथोलाजिस्ट 74 वर्षीय प्रयागराज विश्वकर्मा का शनिवार को देर रात अशर्फी अस्पताल धनबाद में निधन हो गया। वे लंबे समय से बिमार चल रहे थे। वो अपने पीछे चार पुत्रियां और एक पुत्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर विश्वकर्मा मंदिर के अध्यक्ष भरत शर्मा, सचिव अरुण कुमार शर्मा, डॉ सी जी साहा, डॉ डी के झा, डॉ परवेज, डॉ दीपक, डॉ उदय शंकर ने शोक व्यक्त किया है।

2013 से लंबित मामलो में डीसी की पहल

केंद्रीय विद्यालय बनाने का रास्ता हुआ साफ

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त आदित्य रंजन की पहल पर 2013 से केन्द्रीय विद्यालय निर्माण के लंबित मामले ने गति पकड़ते हुए विद्यालय निर्माण का रास्ता साफ हो चुका है। इस संबंध में उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की शिक्षा के प्रति जो सोच है, उसे आगे बढ़ाने का प्रयास जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है।

इस विद्यालय के निर्माण हो जाने से धनबाद जिले के बच्चों के भविष्य में सकारात्मक बदलाव दिखाई देगा। इस पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उपायुक्त ने बताया कि केन्द्रीय विद्यालय निर्माण का मामला 2013 से लंबित था। इस मामले में चिन्हित जमीन पर कब्जा भी किया जा चुका था। जिसे प्रशासन की पहल से कब्जा से मुक्त कराया गया। उन्होंने बताया कि यह जमीन पूर्व में गैर मजूरवा (जीएम लैंड) थी और वर्तमान में भी गैर मजूरवा है।

जिस पर रैयत अपनी दावेदारी कर रहा था। अंचल अधिकारी धनबाद के न्यायालय में मामले की सुनवाई हुई। अंचल न्यायालय ने ग्रामीण को निर्देश दिया कि वह सीएनटी एक्ट की धारा 87 के तहत आदेश उपलब्ध कराएं अथवा सक्षम न्यायालय का रोक लगाने का आदेश दिखाएं। पर्याप्त समय देने के बावजूद रैयत इसमें असफल रहा। इसके बाद रैयत के दावे को खारिज कर दिया गया और वर्षों से लंबित विद्यालय निर्माण का रास्ता साफ हुआ।

जमादार ने मुंशी पर लगाया गाली देने और मारपीट करने का आरोप

जमादार सुदीप रविदास ने डीआईजी सह एसएसपी के की लिखित शिकायत

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पुलिस के आला-अधिकारियों के लाख प्रयास करने के बाद भी थाना स्तर पर पुलिसकर्मियों की कार्यशैली में सुधार नही हो सका है। आलम यह है कि अब थाना परिसर में पुलिसवाले आपस में ही मारपीट व गाली गलौज कर रहे हैं। ऐसी ही एक घटना धुर्वा थाना में घटी है,जहां थाना में पदस्थापित मुंशी पर ओडी डयूटी में कार्य कर रहे जमादार ने गाली-गलौज व मारपीट करने का आरोप लगा है। इस मामले में पीड़ित जमादार ने थानेदार व मुंशी के खिलाफ रांची के डीआईजी सह एसएसपी से लिखित शिकायत की है।

क्या है मामला

धुर्वा थाना में पदस्थपित जमादार सुदीप रविदास 27 जून को ओडी डयूटी में थे। इस दौरान इनके व गश्ती दल के सहयोग से जगन्नाथपुर मेला परिसर से मोबाइल चोरी व चेन छिनतई करने के मामले में कुल 12 लोगों को पकड़कर पूछताछ के लिये थाना लाया गया था। जिसमें छह व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। इसकी जानकारी मुंशी ने ओडी डयूटी कर रहे जमादार सुदीन रविदास को नही दी गई। जब जमादार के द्वारा मुंशी उदय शंकर यादव से पूछा गया तो थाने में मुंशी ने जमादार को गाली देने लगा। वहीं शनिवार को फिर जमादार सुदीन रविदास के ओडी डयूटी के दौरान थाना से छेड़छाड़ के आरोपी को बिना किसी कार्रवाई के छोड़ दिया गया।

जिस पर ओडी डयूटी के दौरान जिम्मेवारी होने के कारण जमादार ने जब मुंशी से आरोपी के छोड़े जाने का कारण पूछा तो मुंशी ने फिर गाली-गलौज कर चार-पांच मुक्का जमादार को मारा। जमादार इस घटना के बाद से काफी मानसिक तनाव में है। जमादार का आरोप है कि थानेदार और मुंशी ने पैसा लेकर सभी को छोड़ा है।

वहीं इस मामले में धुर्वा थाना प्रभारी विमल किंडो ने बताया कि मुंशी व जमादार के बीच मामूली विवाद हुआ था। मारपीट की घटना नही हुई है। पूर्व में जमादार के खिलाफ वरीय अधिकारियों के पास रिर्पोट की गई है।

जिक्र कर्बला इंसान को बुजदिल नहीं बहादुर बनाती हैं : मौलाना तहजीब

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कर्बला हमारी पहचान है। जिक्र कर्बला इंसानों को बुजदिल नहीं बहादुर बनाती है। आज के जमाने में जो मुसलमान में तोड़ पैदा कर रहा है उसे मुसलमान ना कहना। वह यहूदियत का एजेंट है, अमेरिका का एजेंट है। कर्बला के मानने वाले कभी भी यजीदियत कि तारीफ नहीं कर सकता। कुरान जिसकी तारीफ कर रहा है हम भी उसकी तारीफ करेंगे। अल्लाह ने कुरान में कहा ईमान वालों को कोई खसरा नहीं। सिर्फ जबान से दवा करना मुसलमान नहीं, बल्कि दिल से होना चाहिए। अमल से, अपने किरदार से अपने अखलाक से ईमान की झलक दिखनी चाहिए।

इमामे हुसैन का जिक्र इसलिए करें कि कम से कम जमाने से यह कह सके कि हम हुसैनी हैं। ये बातें झारखंड वक्फ बोर्ड के सदस्य सह ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड के चेयरमैन सह मस्जिद जाफरिया रांची के इमाम व खतीब हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीब उल हसन रिजवी ने कही। वह रविवार को तीसरी मोहर्रम के अवसर पर शहर के मकबूल समाजसेवी सैयद शाहरुख सहन रिजवी कांके हुसीर आवास पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। मौलाना तहजीब ने आगे कहा कि पूरी कायनात जिसकी नाज बरदारी करे उसे मोहम्मद कहा जाता है और जिसकी मोहम्मद नाज बरदारी करें उसे इमाम हुसैन कहा जाता है। मौके पर इकबाल फातमी, शाहरुख रिजवी, शजर हसन रिजवी, जीशान हैदर, पूर्व मुखिया इम्तियाज अंसारी, मौलाना सईद अहसन, अमोद अब्बास, जसीम रिजवी, नदीम रिजवी, हाजी हबीब, सोहेल सईद, असगर इमाम, एस एच फातमी, हसनैन, सज्जाद रिजवी, मौलाना कुर्बान, मुनाजिरुल इस्लाम, शरीफ अंसारी, सैयद जावेद हैदर, सुरूर रजा, कासिम अली, अमीर गोपालपुरी समेत सैंकड़ों लोग मौजूद थे।

रिफैक्ट्रियों में चोरी का कोयला आपूर्ति करने वाले एजेंटों में जमकर हुई मारपीट, चार घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

मैथन। गलफरबाड़ी दुधियापानी में शनिवार की रात खूब बवाल हुआ। रिफैक्ट्रियों में चोरी व अवैध कोयला आपूर्ति करने वाले एजेंट के दो गुटों में जमकर मारपीट हो गयी। एक राउंड हवाई फायरिंग की भी सूचना है। घटना में साइकल से रिफैक्ट्रियों में चोरी का कोयला पहुंचाने वाले स्थानीय तीन चार युवकों के घायल होने की सूचना है। मौके पर पहुंच एक दबंग ने मामला शांत कराया। इस घटना के बाद से क्षेत्र में कोयला चोरों के साथ साथ रिफैक्ट्री संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस को इसकी भनक नहीं है। दो साल पूर्व वर्ष 2023 के चार जुलाई की रात इन दोनों गुटों के बीच भिड़ंत हुई थी। उस समय भी कट्टा चमकाया गया था। इसके अलावे अवैध कोयला को लेकर मारपीट की छोटी मोटी घटना तो हमेशा घटते रहती है। बता दें कि क्षेत्र में इस तरह की 8--10 रिफैक्ट्रियां हैं, जो चोरी व अवैध खनित कोयले से संचालित हो रहा है। बारहों माह यह अवैध धंधा स्थानीय पुलिस के संरक्षण में चलता है। इसके लिये पुलिस को बंधी बंधाई मोटी रकम भी मिलती है। हालांकि इस अवैध धंधे की खबर पुलिस के आला अधिकारियों को नहीं है।

क्या है पूरा मामला

दुधियापानी में यादव, सिंह एवं राय तीन एजेंट है, जो कमीशन पर चोरी व अवैध खनित कोयला रिफैक्ट्रियों में पहुंचवाता है। इसीएल के कापासारा का बंद खदान एवं गलफरबाड़ी का बंद बर्ण स्टैंडर्ड कंपनी परिसर से अवैध खनित कोयला साइकल व बाइक द्वारा रिफैक्ट्रियों में जाता है। सिंह व यादव ग्रुप मजबूत है। इन दोनों गुटों में हमेशा संघर्ष होता रहता है। शनिवार की रात भी ऐसा ही हुआ। रेट को लेकर एक गुट ने रिफैक्ट्री में कोयला भेजने से मना कर दिया। दूसरा गुट पुराने रेट पर ही कोयला आपूर्ति कर रहा था। जिसका विरोध करने पर दोनों गुट आपस में भिड़ गये। देखते देखते दोनों गुट के समर्थक जुट गये व बवाल शुरू हो गया। दोनों ओर से लाठी डंडा एवं हाकी स्टीक का जमकर उपयोग हुआ। दोनों गुटों की ओर देशी कट्टा चमकाने की सूचना है। घटना में तीन चार कोयला चोरों के घायल होने की बात भी कही जा रही है। इधर सूचना पर एक दबंग मौके पर पहुंचा और झगड़ा शांत कराया। साथ ही समझौता करा दिया। रिफैक्ट्रियों में नये रेट पर कोयला भेजने की सहमति बनी।

क्या है पूरा खेल : इन दिनों चोरी का कोयला पोड़ा कर यूपी, बंगाल, बिहार सहित अन्य राज्यों में भेजने का नया ट्रेंड चला हुआ है। दुधियापानी में यह खेल दो सालों से चल रहा है। दरअसल ईंट पकाने के नाम पर पुलिस की शह पर रिफैक्ट्री में चोरी का कोयला लिया जा रहा है।

बर्मिंघम में भारतीय टीम को पहली जीत की तलाश

एजेंसी

बर्मिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के शेष चार मैचों में वापसी करने की चुनौती है। दूसरा टेस्ट एजबेस्टन में दो जुलाई से खेला जाएगा। बर्मिंघम इंग्लैंड के उन तीन स्थलों में शामिल हैं जहां भारतीय टीम ने कभी जीत हासिल नहीं की है। बर्मिंघम में भारतीय टीम ने आठ मैच खेले हैं जिसमें सात में उसे हार का सामना करना पड़ा है जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा है। दो अन्य जिन पर जीत नहीं मिली है, उनमें मैनचेस्टर और साउथम्पटन शामिल हैं।

सीरीज में पीछे चल रहा है भारत

लीड्स में भारतीय टीम को पांच मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। बेन स्टोक्स की टीम 1-0 से आगे चल रही है। भारतीय टीम के शीर्ष क्रम का प्रदर्शन अच्छा था लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाज अपेक्षित योगदान नहीं दे पाए। पहली पारी में भारत के निचले क्रम के प्रदर्शन का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम के पहली पारी में अंतिम सात विकेट 41 रन पर गिर गए थे और भारतीय टीम जो एक समय 500 से ऊपर का स्कोर बनाती नजर आ रही थी वह 471 पर ऑलआउट हो गई थी।

गिल को कप्तानी में छोड़नी होगी छाप

दूसरी पारी में मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा खाता नहीं खोल पाए। भारतीय टीम ने अंतिम छह विकेट महज 32 रन पर गंवा दिए थे। प्रसिद्ध का कहना है कि निचले क्रम का भी बल्ले से योगदान दिया जाना जरूरी है और नेट प्रैक्टिस में इस पर भी जोर दिया जा रहा है। 25 साल के शुभमन गिल की कप्तानी को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। रोहित शर्मा के टेस्ट प्रारूप को अलविदा कहने के बाद गिल ने दायित्व संभाला है। एक बल्लेबाज के तौर पर तो उन्होंने पहली पारी में 147 रन की पारी खेलकर अच्छी फॉर्म का संकेत दिया है, लेकिन एक कप्तान के तौर पर अभी उन्हें छाप छोड़नी बाकी है।

शास्त्री ने गिल साल तक गिल को कप्तान बनाए रखने कहा

भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का समर्थन किया है। शास्त्री ने टीम प्रबंधन से अपील की है कि अगर भारत इंग्लैंड में सीरीज गंवा देता है तो भी वे शुभमन गिल को कप्तान बनाए रखें। रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद गिल को यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी। कप्तान के तौर पर पहले मैच में गिल को हार का सामना करना पड़ा था। गिल ने कप्तानी के डेब्यू पर शतक लगाया था और पांचवें भारतीय थे जिन्होंने कप्तान के तौर पर अपने पहले मैच में शतक जड़ा था। हालांकि, उनके लिए कप्तानी का डेब्यू यादगार नहीं रहा क्योंकि इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच में भारत को पांच विकेट से हराया। भारत की हार के बावजूद शास्त्री ने गिल की सराहना की है और टीम प्रबंधन से अपील की है कि वे गिल को तीन साल तक कप्तान बनाए रखें। शास्त्री ने कहा, गिल बहुत परिपक्व हो गया है। जिस तरह से वह मीडिया को संभालता है, जिस तरह से वह प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करता है, टॉस में, वह बहुत परिपक्व हो गया है। उसे तीन साल तक कप्तान रहने दो। सीरीज में जो कुछ भी होता है, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उसके साथ तीन साल तक रहो और मुझे लगता है कि वह टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करेगा। इसके अलावा शास्त्री ने यह भी कहा कि गिल में खेल के महान खिलाड़ियों में से एक बनने के सभी गुण मौजूद हैं और उसे समय के साथ परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की जरूरत है। शास्त्री ने कहा, अगर गिल आगे नहीं बढ़ पाते हैं तो मैं निराश हो जाऊंगा। अगर वह अनुभव के साथ सीख सकते हैं और परिस्थितियों के अनुकूल हो सकते हैं, तो मुझे लगता है कि वह एक ऐसा नाम है जिसे मैं देख सकता हूं।

शुभमन गिल की रणनीति पर उठे थे सवाल

पहले मैच में हार के बाद कई क्रिकेट विशेषज्ञों ने गिल की रणनीति पर सवाल खड़े किए थे। भारतीय टीम की नजरें अब सीरीज में वापसी करने पर टिकी होंगी। भारत और इंग्लैड के बीच दूसरा टेस्ट मैच दो जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। भारत के लिए एजबेस्टन में खेलना आसान नहीं होगा क्योंकि टीम ने इस मैदान पर कोई टेस्ट मैच नहीं जीता है।

क्लार्क के बाद अजहरुद्दीन ने भी की कुलदीप को प्लेइंग 11 में शामिल करने की मांग

एजेंसी

बर्मिंघम। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क के बाद पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने भी भारतीय टीम की प्लेइंग 11 में कुलदीप यादव को शामिल करने की मांग की है। दोनों का मानना है कि एजबेस्टन टेस्ट में टीम प्रबंधन को बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए। अजहरुद्दीन ने बुमराह के वर्कलोड पर भी बात की है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर है।

कुलदीप को शामिल करना चाहिये

इंग्लैंड के खिलाफ पहले मुकाबले में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम विकेटों के लिए बुमराह पर अधिक निर्भर थी। अजहरुद्दीन ने कहा, वे बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर हैं। यह आसान नहीं है क्योंकि आपको अधिक अनुभवी गेंदबाजों की जरूरत है और उन्हें कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए। अब दूसरा टेस्ट बर्मिंघम में दो जुलाई से खेला जाएगा, जहां पिच सूखी रहने की उम्मीद है। यहां कुलदीप को मदद मिल सकती है। इससे पहले माइकल क्लार्क ने भी कुलदीप को टीम में शामिल करने की मांग की थी। क्लार्क ने उन्होंने बियॉन्ड23 पॉडकास्ट में कहा, 'गेंदबाजी के लिहाज से मैं किसी एक खिलाड़ी पर ज्यादा जोर नहीं देना चाहता, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल आसान है। वह विकेट लेने वाला गेंदबाज है और इस टेस्ट में उसने जो किया उससे कहीं ज्यादा अच्छा प्रदर्शन कर सकता था।'

अजहरुद्दीन ने किया गिल का समर्थन

इस दौरान अजहरुद्दीन ने नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल का बचाव किया। उन्होंने कहा कि गिल को अपनी क्षमता साबित करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यह कप्तान के तौर पर उनका पहला मैच है। आप कप्तानी के बारे में बात नहीं कर सकते। कप्तानी के बारे में बात करना अभी जल्दबाजी होगी। हमें उन्हें उचित मौका देना चाहिए और उन्होंने अभी अभी कमान संभाली है। इसलिए आपको उन्हें काफी समय और समर्थन देना चाहिए। हम सिर्फ खिलाड़ियों की शिकायत और आलोचना नहीं कर सकते।

भारतीय महिला हॉकी टीम को चीन ने 2-3 से दी मात, एफआइएच प्रो लीग में आठवीं हार मिली

नयी दिल्ली। एफआइएच प्रो लीग से पहले ही बाहर हो चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम को रविवार को दो बार एक गोल की बढ़त गंवाने के बाद चीन से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की इस प्रतियोगिता में यह लगातार आठवीं हार है। भारत इस हार के बाद 16 मैचों में 10 अंकों के साथ नौ टीमों की तालिका में सबसे नीचे रहा। आखिरी स्थान पर रहने के कारण भारतीय महिला टीम शीर्ष स्तर के प्रो लीग से दूसरे स्तर की वैश्विक टूर्नामेंट नेशंस कप में रेलीगेट हो गयी। सुनेलिता टोप्पो (नौवें मिनट) और रुतुजा पिसल (38वें) ने भारत के लिए गोल किये जबकि झांग यिंग (19वें, 39वें) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की बढ़त को खत्म किया और फिर जू वेन्यू ने 53वें मिनट में गोल कर चीन की जीत पक्की कर दी।

छक्का लगाते ही हो गई बल्लेबाज की मौत, खेल के मैदान पर ली आखिरी सांस

पंजाब। खेल के मैदान में कई बार खिलाड़ियों की मौत की दुखद खबर देखने को मिलती है। पंजाब के फिरोजपुर स्थित क्रिकेट मैच के दौरान भी ऐसी ही कुछ देखने को मिला जब बल्लेबाज की छक्का लगाते ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक छक्का लगाने के तुरंत बाद खिलाड़ी को हार्ट अटैक आ गया जिस कारण उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। घटना एक निजी स्कूल के ग्राउंड की है और मरने वाले खिलाड़ी का नाम हरजीत सिंह बताया जा रहा है। इस घटना का वीडियो साथ खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों ने कैमरे में कैद कर लिया था। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक बल्लेबाजी कर रहा है और एक बॉल पर सिक्सर शॉट खेलता है। छक्का लगाने के बाद खिलाड़ी क्रीज पर ही बैठ जाता है जिसके बाद नॉन स्ट्राइक पर खड़ा बल्लेबाज भी उसके साथ आकर बैठता है। इस दौरान स्टाइकर जमीन पर गिर जाता है और सभी साथी खिलाड़ी दौड़कर उसे देखते हैं। उक्त खिलाड़ी के जमीन पर गिरने के बाद उसे प्राथमिक उपचार के तहत सीपीआर (हार्ट को पंप करना) भी दी जाती है। लेकिन उसकी मौत हो जाती है। इस घटना से अन्य खिलाड़ियों में सनसनी फैल गई।

झारखंड बालक खो-खो टीम ने जीता कांस्य पदक

रांची। झारखंड बालक सुपर स्पीड खो खो टीम ने द्वितीय फेडरेशन कप प्रतियोगिता में रविवार को नई दिल्ली में कांस्य पदक प्राप्त कर इतिहास रचा। यह प्रतियोगिता सुपर स्पीड खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में मॉ गंगा विद्यालय पालम, नई दिल्ली के प्रांगण में मैट पर आयोजित की गई थी। तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए झारखंड बालक खो-खो टीम ने कड़े संघर्षपूर्ण मैच में नई दिल्ली को 17-15 अंकों से पराजित कर कांस्य पदक प्राप्त कर चमचमाता हुआ ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। झारखंड टीम की ओर से कप्तान शिवम नायक, उपकप्तान सन्नी कुमार, अभिषेक उरांव, शिवा कुमार, आकाश कुमार, रोहण कुमार ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। टीम के शानदार प्रदर्शन पर एसोसिएशन के महासचिव विवेक कुमार, अध्यक्ष अजय झा, कोषाध्यक्ष सहजाद कुरैशी, संयुक्त सचिव नीतेश कुमार साहु ने बधाई दी है।

बोडोलैंड की नई पहचान, खेल का मैदान : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि जिस बोडोलैंड की पहचान कभी संघर्ष ही हुआ करती थी वह आज खेल के राष्ट्रीय मंच पर नयी पहचान के साथ खड़ा हो गया है और वहां जारी फुटबॉल टूर्नामेंट में 70 हजार से अधिक फुटबॉल खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं जिससे यह आयोजन क्षेत्र नई क्रांति का सूचक बन गया है। श्री मोदी ने रेडियो पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 134वीं कड़ी में रोचक अंदाज में कहा, आप एक तस्वीर की कल्पना कीजिए।

विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के 20 एथलीट करेंगे स्पर्धा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत का 20 सदस्यीय दल सोमवार से शुरू हो रही विश्व मुक्केबाजी कप कजाकिस्तान 2025 में महिला और पुरुष वर्ग की विभिन्न भार श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेगा। झाकसिलिक उशकेम्पिरोव मार्शल आर्ट पैलेस में आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट तीन निर्धारित आयोजनों में से दूसरा है, जो मुक्केबाजों को पूरे वर्ष रैंकिंग अंक अर्जित करने में मदद करता है। कजाकिस्तान चरण चार जुलाई तक चलेगा। इसमें ओलंपियन सहित 31 देशों के 400 से अधिक मुक्केबाज पुरुष और महिला दोनों वर्गों की 10 भार श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत की 10 सदस्यीय महिला टीम में पेरिस 2024 ओलंपियन और कॉमनवेल्थ गेम्स की पदक विजेता जैस्मीन लैम्बोरिया के साथ-साथ टोक्यो ओलंपियन और पूर्व एशियाई चैंपियन पूजा रानी भी शामिल हैं। इस बीच, ब्राजील मीट से पुरुष भारतीय मुक्केबाजी टीम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। 70 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता हितेश गुलिया, रजत पदक विजेता अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल इस टीम का नेतृत्व करेंगे।विश्व मुक्केबाजी कप कजाकिस्तान 2025 के लिए

भारतीय टीमें इस प्रकार है

पुरुष वर्ग – जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (50 किग्रा), मनीष राठौड़ (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा),अभिनाश जामवाल (65 किग्रा), हितेश (70 किग्रा), निखिल दुबे (75 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), जुगनू (85 किग्रा), विशाल (90 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (90 से अधिक किग्रा) भार वर्ग में स्पर्धा करेंगे।
महिला वर्ग : मीनाक्षी (48 किग्रा), अनामिका (51 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा), संजू (60 किग्रा), नीरज फोगट (65 किग्रा), एस चानू (70 किग्रा), मुस्कान (75 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और नूपुर (80 से अधिक किग्रा) भार वर्ग में स्पर्धा करेगी।

विलियम्स के शतक ने जिम्बाब्वे को फॉलोऑन से बचाया

एजेंसी

बुलावायो। शॉन विलियम्स (137) की शतकीय और कप्तान क्रेग एर्विन (36) रनों की संघर्षपूर्ण पारियों के दम पर जिम्बाब्वे ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 251 रन बनाकर फॉलोऑन को टाल दिया। स्टंप के समय दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 49 रन बनाकर लिये है और पहली पारी के आधार पर उसकी बढ़त 216 रनों की हो गई है। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 418 रन बनान के बाद पारी घोषित कर दी थी। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने टी काइटानो (शून्य) और निक वेल्च (चार) के विकेट जल्दी ही गवां दिया। बेनेट के आउट होने के बाद टीम संकट में फंस गई, लेकिन अनुभवी खिलाड़ी शॉन विलियम्स और क्रेग एर्विन ने पारी को संभाला। इस दौरान सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट को मैदान पर लगी चोट के कारण बुलावायो टेस्ट से बाहर होना पड़ा है। सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने आठवें ओवर में रिटायर्ड आउट होने से पहले 28 गेंदों में 19 रन बनाए। बेनेट को छठे ओवर में क्वेना मफाका की गेंद को हुक करने के प्रयास में हल्की चोट लगी थी और उन्हें मैदान के बाहर जाना पड़ा था। इसके बाद शॉन विलियम्स और क्रेग एर्विन ने पारी को संभाला ने भोजनकाल तक टीम के स्कोर को दो विकेट पर 94 रन पहुंचा दिया। भोजनकाल के बाद जिम्बाब्वे का तीसर विकेट कप्तान क्रेग एर्विन (36) रन के रूप में गिरा। इसके बाद जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण के आगे नहीं टिक सका।वेस्ली मधेवेरे (15) रन बनाकर आउट हुए। इस दौरान शॉन विलियम्स ने एक छोर को संभाले रखा और अपना शतक पूरा किया।

शॉन विलियम्स ने 164 गेंदों में 16 चौकों की मदद से (136) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। उन्हें केशव महाराज ने आउट किया। दक्षिण अफ्रीकी ने जिम्बाब्वे की पूरी टीम को 67.4 ओवर में 251 रन के स्कोर पर समेट दिया। हालांकि इस दौरान जिम्बाब्वे ने फॉलोऑन टाल दिया। विनसेंट मसेकेसा (11) रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से वियान मुल्डर ने चार विकेट लिये। कोडी यूसुफ और केशव महाराज ने तीन-तीन विकेट झटके। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत एक बार फिर खराब रही और उसने एक रन के स्कोर पर अपना पहला विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये वियान मुल्डर ने टोनी डीजॉर्जी के साथ पारी को संभाला। दिन का खेल समाप्त होने के समय दक्षिण अफ्रीका ने एक विकेट पर 49 रन बना लिये है। वियान मुल्डर (नाबाद 25) ने टोनी डीजॉर्जी (नाबाद 22) क्रीज पर मौजूद रहे। दक्षिण अफ्रीका की कुल बढ़त 216 रनों की हो गई है। जिम्बाब्वे की ओर से टी. चिवंगा ने एक विकेट लिये।

आयुष शेट्टी और तन्वी शर्मा यूएस ओपन के फाइनल में

एजेंसी

आयोवा। बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा को मात दी। उनके अलावा 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-6 खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को शिकस्त देकर अपने करियर के सबसे बड़े फाइनल में जगह बना ली है। दोनों ही खिलाड़ी बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन के अपने-अपने फाइनल में पहुंच गए हैं। महिला सिंगल इवेंट में तन्वी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-40 खिलाड़ी बुहरोवा को 21-14, 21-16 से हराकर मुकाबले को 34 मिनट में अपने नाम कर लिया। वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-66 तन्वी शर्मा ने मई में डेनमार्क चैलेंज जीता था। वह पिछले साल ओडिशा मास्टर्स में सुपर 100 फाइनल में पहुंची थीं। बाई ने अपने एक्स पोस्ट में तन्वी की तारीफ करते हुए लिखा, वह जाल बिछाती हैं, और उसमें सबसे बेहतरीन भी फंस जाते हैं। हमारी टीन टाइटन समझदार, होशियार, साहसी हैं। वह सधे हुए शॉट्स और बेखौफ खेल से हर रैली में दिल जीत रही हैं! गुवाहाटी में बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआइ) के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग लेने वाली तन्वी अब समिट क्लैश में चीन की विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी बेइवेन झांग से भिड़ेंगी। वहीं, दूसरी ओर विश्व में 34वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने ताइपे ओपन 2025 के सेमीफाइनल में चोउ से मिली हार का बदला चुकता किया। पहले गेम में मिली करीबी हार के बाद उन्होंने चोउ को 21-23, 21-15, 21-14 से हराया।

ब्रायन यांग से होगा आयुष शेट्टी फाइनल मुकाबला

अब फाइनल में शेट्टी का सामना ब्रायन यांग से होगा, जिन्होंने लियाओ झूओ फू पर 21-10, 21-12 से आसान जीत दर्ज की है। शेट्टी की नजरें अपने पहले वर्ल्ड टूर खिताब जीतने पर होंगी, क्योंकि यांग पर उनका रिकॉर्ड 2-0 है। बीडब्ल्यूएफ ने एक्स पर लिखा, 16 वर्षीय तन्वी शर्मा और 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन-2025 के सेमीफाइनल में सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इससे पहले, तन्वी ने क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पिचामोन ओपटनीपुथ को सीधे गेम में 21-18, 21-16 से हराया था, जो दुनिया की 58वें नंबर की खिलाड़ी हैं। वह 2023 की जूनियर विश्व चैंपियन भी हैं। दूसरी ओर, आयुष ने पुरुष एकल के राउंड ऑफ 16 में हमवतन थारुन मन्नेपल्ली पर 21-12, 13-21, 21-15 से कड़ी टक्कर में दर्ज की, जो दुनिया में 54वें नंबर के खिलाड़ी हैं।

तन्वी शर्मा

जोकोविच की नजर रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने पर, सोमवार से होगा विंबलडन का आगाज

एजेंसी

नयी दिल्ली। नोवाक जोकोविच की नजर सोमवार से शुरू हो रहे विंबलडन पर है। इस टूर्नामेंट में वह रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का लक्ष्य लेकर उतरेंगे। 38 वर्षीय टेनिस स्टार खिलाड़ी से जब उनसे संन्यास को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा इसको लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता।

क्या संन्यास लेंगे जोकोविच?

जोकोविच ने कहा, क्या यह मेरा आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट हो सकता है। इसको लेकर अभी मैं पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकता हूं। मैं अगले साल फ्रेंच ओपन या किसी अन्य ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में भाग लूंगा या नहीं, इसको लेकर निश्चित नहीं हूं। मेरी इच्छा कई और साल तक खेलना है। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह फिट रहना चाहता हूं। यही मेरा लक्ष्य है लेकिन उम्र के इस पड़ाव पर आप पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकते कि आगे क्या होगा।

पहले दौर में मुलर का सामना करेंगे जोकोविच

विंबलडन में सात बार के चैंपियन जोकोविच ने कहा कि ऑल इंग्लैंड क्लब उन्हें एक और ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने का सबसे अच्छा अवसर प्रदान कर सकता है, जिससे वह अपने करियर में कुल 25 खिताब जीत सकेंगे। दरअसल, यह एक ऐसी संख्या जिस तक कोई भी टेनिस खिलाड़ी नहीं पहुंच पाया है। जोकोविच ने कहा, मैं इस बात पर सहमत हो सकता हूं कि विंबलडन में फिर से चैंपियन बनने का यह मेरे लिए सबसे अच्छा मौका हो सकता है। यह परिस्थितियों पर निर्भर करेगा लेकिन अभी मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। जोकोविच मंगलवार को पहले दौर में एलेक्जेंडर मुलर का सामना करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत ने बासुकीनाथ में की पूजा-अर्चना

जस्टिस को स्मृति चिन्ह भेंट करते डीसी अभिजीत सिन्हा एवं एसपी पीतांबर सिंह खेरवार।

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थली बासुकीनाथ धाम में आषाढ़ शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि रविवार को भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश सूर्यकांत ने सपत्नीक पूजा अर्चना किया।

इस अवसर पर जस्टिस को पैतृक पंडा की मौजूदगी में विद्वान पंडितों की सानिंध्य में वैदिक मंत्रोचार के बीच बाबा फौजदारीनाथ का जलाभिषेक कराया गया। पूरे विधि-विधान के साथ की यहां बाबा बासुकीनाथ की पूजा के बाद माता पार्वती सहित समस्त देवी देवताओं की आराधना की गई। इसके उपरांत मंदिर प्रांगण में पूरे भक्ति भाव से शिव पार्वती एवं अन्य देवी देवताओं की आरती उतारी गई।

उधर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के आगमन को देखते हुए तीर्थ नगरी की चाकचौबंद सुरक्षा व्यवस्था नजर आई। जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ न्यायिक सेवा के अधिकारी मंदिर में मौजूद थे। इस दौरान डीसी अभिजीत सिन्हा एवं एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को बासुकीनाथ का स्मृति चिन्ह भेंट किया।

मौके पर स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधियों के अलावा बड़ी संख्या में पंडा पुरोहित एवं पुलिस बल उपस्थित थे।

अपर समाहर्ता ने 83 शराब दुकान की जांच का कार्य पूरा करने का दिया निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग झारखंड सरकार द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के आलोक में बोकारो जिला अंतर्गत संचालित 83 खुदरा उत्पाद दुकानों के स्टॉक सत्यापन/जांच हेतु डीसी सह जिला दंडाधिकारी अजय नाथ झा के निर्देशानुसार अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में जांच हेतु सभी प्रतिनियुक्त जांच पदाधिकारी एवं उत्पाद विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मियों के साथ समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में खुदरा उत्पाद दुकानों के स्टॉक सत्यापन के संबंध में विस्तृत वार्ता की गई एवं अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी द्वारा ससमय स्टॉक सत्यापन करने हेतु सभी जांच पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। मौके पर सहायक उत्पाद आयुक्त उमाशंकर सिंह सहित सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे। अपर समाहर्ता ने कहा कि सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं दंडाधिकारियों को, आवंटित खुदरा उत्पाद दुकान के स्टॉक का कार्य पूर्ण कर प्रतिवेदन देने को कहा। अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी ने कहा कि वैसे खुदरा उत्पाद दुकान जिन पर वित्तीय अनियमितता अथवा दुकान में कार्यरत कर्मी जिनके विरुद्ध पूर्व में गंभीर आरोप या प्राथमिक दर्ज है या ब्लैक लिस्टेड की कार्रवाई की गई है- उनसे प्रस्तावित खुदरा उत्पाद दुकान के संचालन में किसी भी परिस्थिति में कार्य नहीं ली जाने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने बोकारो जिला अंतर्गत कुल 83 खुदरा उत्पाद दुकानें जिसमें 20 देसी व 37 विदेशी एवं 26 कंपोजिट शराब की दुकान के स्टाफ सत्यापन जांच का कार्य अविलंब एक जुलाई तक पूर्ण करने का निर्देश दिया।

एक नजर में

बेरमो : जीनियस स्टडी पॉइंट के द्वारा अभिभावक सम्मान समारोह का आयोजन किया

बेरमो। फुसरो के पटेल नगर स्थित राजशाही भवन में जीनियस स्टडी पॉइंट के द्वारा अभिभावक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीसीएल ढोरी के सीएसआर अधिकारी शैलेश कुमार, विशिष्ट अतिथि बीएंडके के एएफम ज्ञानेन्द चौबे, मैम्बर ऑफ कॉमर्स उपाध्यक्ष सुशांत राईका, ओम मेडिकल हॉल के विकास अग्रवाल तथा कांग्रेसी नेता मो रऊस आदि उपस्थित रहे। वहीं इस वर्ष टॉपर रहे छात्र-छात्राए और अभिभावक को सम्मानित किया गया। इन्टर में आर्ट्स में प्रथम रुपाली कुमारी, दूसरे स्थान पर रही नंदनी कुमारी, चेयला कुमारी, जेएसएम कॉलेज की कॉमर्स की टॉपर नादिया फातिमा वहीं मैट्रिक में सुनिता कुमारी, निरज कुमार, सोनिया कुमारी, भावना कुमारी को सम्मानित किया गया। वहीं उपस्थित लोगों ने कहा कि जीनियस स्टडी पॉइंट के द्वारा बच्चो को अच्छा शिक्षा दिया जा रहा है। कोचिंग संस्थान के संस्थापक ए के चौहान ने कहा कि बच्चो को सम्मानित करने की उद्देश्य है कि बच्चो के अन्दर आगे बढ़ने की उत्साह और बढ़े। बच्चों के शिक्षा में अभिभावकों का बहुत योगदान है। बच्चों में पढाई के साथ संस्कार देने का भी कार्य किया जाता है। मौके पर सह-संस्थापक आरती दास, प्रबंधक राजेश दूबे आजाद, अंजली, आलोक झा, पायल, राज, साहिल आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

श्रमिकों के स्वास्थ्य से हो रहा खिलवाड़ : अजय

बेरमो। सीसीएल में कथारा क्षेत्र सबसे अधिक श्रमिकों की संख्या वाला क्षेत्र है। सीसीएल मुख्यालय द्वारा श्रमिकों को शुद्ध पेयजल जल मुहैया कराने के लिए कार्य योजना 11 वर्षों से विफल साबित हो रहा है। वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का सभी फिल्टर प्लांटेशन मशीन खराब पड़ा है। उक्त कार्य का फूल रिनोवेशन किए जाने का एक्सरसाइज लंबे समय से हो रहा है। सीसीएल के तत्कालीन सीएमडी गोपाल सिंह के द्वारा वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट को दुरुस्त किए जाने का भी सख्त निर्देश क्षेत्र को दिया गया था इस कड़ी में उसे समय के तत्कालीन विभाग अध्यक्ष असैनिक शर्मा साहब का स्थानांतरण भी अन्यत्र क्षेत्र में किया गया था। सीएमडी के घोषणा के बाद भी सी एम् डी 4 वर्ष तक सीएमडी के प्रभार में ही रहे लेकिन मजदूरों को शुद्ध पेयजल मुहैया नहीं कर सके। 15 दिनों से लगातार सीसीएल के विभिन्न कॉलोनीयों में कीचड़ युक्त पानी का सप्लाई किया जा रहा है। लेकिन सीसीएल प्रबंधन मोनी बाबा के तरह अपनी योजना को निहार रहा है। यहां तक के वर्षा के पहले एलम फेरिक की भी व्यवस्था नहीं हो पाया। आज भी सीसीएल प्रबंधन द्वारा दर्जनों ऐसी योजना है जहां लाखों लाख रुपया खर्च कर वह कार्य अनुपयोगी साबित हो रहे हैं। यह सीसीएल के उदासीन रवैया को दशार्ता है। पिछले दिनों उक्त मामले को आरसीएमयू के रीजनल उपाध्यक्ष व कथारा के विधायक प्रतिनिधि अजय कुमार सिंह ने सीसीएल के निदेशक कार्मिक की अनुपस्थिति में उनके निजी सहायक अभिलाष सिंह एवं सीसीएल के महाप्रबंधक कल्याण रेखा पांडे को हो रही जल आपूर्ति को बोतल में पेश किया था। अगर जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो सीसीएल के उदासीन रवैया के खिलाफ संगठन के द्वारा जोरदार पहल किया जाएगा। इस बीच क्षेत्र के लोगों ने संयुक्त हस्ताक्षर पत्र बेरमो के विधायक कुमार जय मंगल उर्फ अनूप सिंह को सौंप कर शुद्ध पेयजल मुहया करवाये जाने का आग्रह किया है।

बेरमो : अखबार विक्रेता बने ठगी का शिकार

तेनुघाट कोर्ट। तेनुघाट के प्रतिष्ठित अखबार विक्रेता सतीश बुक स्टॉल के सतीश कुमार के खाते से ऑन लाइन साइबर ठगो ने 4,28,499 रुपये उड़ाया। इस बारे में सतीश कुमार ने बताया कि दिन शुक्रवार लगभग ढाई बजे साइबर ठगो के द्वारा फोन कर बोला कि आपका बिजली बिल बकाया है। तथा ऑन लाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा और अभी तुरंत रजिस्टर्ड कराए आप लाइन में रहिए फोन डिश कनेक्ट नहीं कीजियेगा। लगभग आधा घंटा लाइन में रहने के बाद डायरेक्ट पैसा कटने लगा। फोन काटते काटते पैसा का निकासी हो हो गया। कुल सात बार में निकासी कर लिया। 34 हजार (चौतीस हजार) दूसरे बार में 1,97,500, फिर 49,000 कर के चार बार, 999 रुपए कुल मिला कर 4,28,499 रुपए उड़ा दिया। तुरंत बैंक जाकर खाता को बंद कराया गया। साइबर ठगो ने प्रति दिन नई नई विधि से लोगो को ठगने उपाय अपना रहा है। और उसके शिकार में प्रति दिन भोला-भाला कोई ना कोई इंसान फंस कर अपना लाखों रुपए गंवा रहे है।

दुमका : मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक में जारी हुए कई गाईड लाईन

दुमका। शांतिपूर्ण व सौहादर्यपूर्ण महौल में 5 जुलाई को मोहर्रम पर्व मनाने को लेकर रविवार को नगर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता नगर थाना प्रभारी नंदकिशोर प्रसाद ने किया। बैठक में मुख्य रूप से सदर बीडीओ उमेश कुमार मंडल उपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण मनाने का अपील किया गया है। डीजी बजाना पूर्ण रूपेण प्रतिबंध होगा। किसी प्रकार के अन्य देशों के झंडे लहराने की सख्त मनाही की गई है। साथ ही नगर थाना प्रभारी ने किसी प्रकार की भड़काउ गाना और सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्टर करने वालो असमाजिक तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा कि सामाजिक सौहादर्य बिगाड़ने वाले लोगों पर पुलिस प्रशासन की पैनी नजर होगी। धार्मिक उन्माद फैलाने वाले लोगों से प्रशासन सख्ती से निपटने को तैयार है। पुलिस प्रशासन ने मुहर्रम में तजिया निकालने के निर्धारित साईज, समय और रूटों को लेकर चर्चा किया। थाना प्रभारी ने समिति सदस्यों को तजिया वाले रूट लाईनों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनाती एवं अग्निशामक वाहनों की तैनाती की समुचित व्यवस्था का आश्वासन दिया। इस अवसर पर समिति सदस्यों ने समुचित व्यवस्था की ओर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया। समिति सदस्यों ने समुचित लाईट की व्यवस्था, सफाई, पानी आदि की व्यवस्था करने को लेकर पहल किया। इस अवसर पर प्रेम केशरी, राधेश्याम वर्मा, श्यामाकांत साह, डॉ मनोज घोष, डॉ अमिता रक्षित, मो शारीक, मो शरीफ, हैदल अली, प्रदीप्तो मुखर्जी, मो अब्बास, मो नौशाद आलम, मो अली, भाष्कर अजीत सिंह, मुस्ताक अली आदि उपस्थित थे।

मुहर्रम पर्व को लेकर शिकारीपाड़ा थाना परिसर में शांति समिति की हुई बैठक

शिकारीपाड़ा। मोहर्रम पर्व को लेकर रविवार को जिला के शिकारीपाड़ा थाना परिसर में अंचल अधिकारी कपिल देव ठाकुर के अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अंचल अधिकारी ने उपस्थित लोगों को जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देश से अवगत कराते हुए कहा कि पूर्व से निर्धारित मार्ग से ही ताजिया का जुलूस निकाला जाएगा। जहां मेला लगेगा वहां शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस बल की तैनाती होगी। घनी आबादी से जुलूस गुजरते समय प्रशासन स्वयं मौजूद रहेगा। किसी भी हालत में भड़काऊ नारा एवं अश्लील गाना बजाना वर्जित रहेगा। इस अवसर पर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अमित लकड़ा ने कहा कि पुलिस शांति व्यवस्था बहाल करने के लिए हमेशा तैयार रहेगी एवं दंडाधिकारी की मौजूदगी में गश्ती दल भी क्षेत्र में भ्रमणशील रहेगा। बैठक में प्रखंड प्रमुख हुदू मरांडी, रामनारायण भगत, लाल मोहम्मद उर्फ ललकामिया,महतो मियां ,सहित अन्य मौजूद थे।

तालाब में डूबने से किशोरी की मौत

दुमका। जिला के जरमुंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत सुखजोरा नाग मंदिर के सामने तालाब में डूबने से किशोरी की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार किशोरी अपने दोस्तों के साथ नाग मंदिर में पूजा करने गई थी। दोस्तों ने बताया कि पानी में डुबकी लगाने के बाद किशोरी ऊपर नहीं आयी। ग्रामीणों ने बेहोशी की हालत में उसे निकाला और डॉक्टर के पास लेकर गए। तब तक शायद बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टर ने किशोरी को मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि मृत युवती छोटी कुमारी (14) नोनीहाट पंचायत के नोनीगांव निवासी किशुन मांझी की छोटी पुत्री थी। इधर लड़की की मौत की खबर सुन कर परिजनों का रो-रोककर बुरा हाल है। इधर शव के गांव में मातम पसरा है।

राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन की बैठक

बेरमो। राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन का प्रदेश स्तरीय बैठक रविवार को रांची स्थित कटहल मोड़ में सम्पन्न हुई। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार नीलेश की सहमति एवं जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता के अनुशंसा पर बोकारो जिला कमिटी का विस्तार करते हुए बोकारो जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार साहू, जिला सचिव अनूप कुमार साव एवं जिला कोषाध्यक्ष नरेश चंद्र नायक को मनोनित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार नीलेश द्वारा घोषणा किया गया कि तेली समाज के किन्हीं भी जरूरतमंद लोगों को निशुल्क रात्रि विश्राम एवं ठहरने हेतु उचित प्रबंध राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन की और से किया गया है। सुख दु ःख में एक दूसरे के साथी बनने एवं समाज के पुनीत कार्यों में महिलाओं की भी भागीदारी सुनिश्चित किया जाए।

स्पीड न्यूज

बोकारो के बालीडीह में धमन भट्ठी में विस्फोट दो मजदूर झुलसे

बोकारो। बोकारो जिले में बालीडीह इंडस्ट्रियल एरिया के शिवपुरिया इस्पात उद्योग के धमन भट्ठी में सुबह विस्फोट हो गया। विस्फोट की चपेट में आने से दो मजदूर बुरी तरह से झुलस गये। गंभीर रूप से घायल दोनों मरीजों को बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां दोनों का इलाज चल रहा है।

बोकारो इस्पात जनता मजदूर संघ ने इस्पात मंत्री को लिखा पत्र

बोकारो। बोकारो इस्पात जनता मजदूर संघ बोकारो इस्पात कामगारों के हितों की रक्षा में सदैव तत्पर रहता है। संयुक्त महामंत्री आशा देवी ने बोकारो इस्पात नगर प्रबंधन के ढूलमूल रवैये से उत्पन्न समस्याओं पर ई मेल/ पत्र के माध्यम से इस्पात मंत्री और सेल अध्यक्ष एवं प्रबंधन नगर सेवाएं का ध्यान आकृष्ट कराने का प्रयास किया है। आशा देवी ने कहा कि सुंदर शहर बोकारो को बर्बाद किया जा रहा है। इस्पात मंत्री को भेजे मेल में संयुक्त महामंत्री ने कहा कि कामगारों के गम्भीर बिमारियों की स्थिति में आश्रितों के नियोजन में सरलता लाई जाय जिससे उनका परिवार भी सम्मान से जिंदगी जी सके। मजदूर संघ के प्रेस सचिव ने कहा कि प्रबंधन को पूर्व में दिए गये मांग पत्र पर बोकारो प्लांट प्रबंधन द्वारा वार्ता का आश्वासन देकर अभी तक मजदूरों के साथ वार्ता का समय निर्धारित नहीं करना प्रबंधन की लापरवाही को दशार्ता है। सारे कामगार इस ढूलमूल रवैये पर आक्रोशित हैं और आगे की कार्यवाही पर गंभीरता पूर्वक विचार कर रहे हैं।

गोड्डा : पेड़ से लटका मिला अधेड़ का शव

गोड्डा/पथरगामा। थाना क्षेत्र के महेशलिट्टी ग्राम के शमशान घाट के पास पेड़ के ऊपर गले में कपड़ा का फंदा लगाकर लगभग 50 वर्षीय अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद हुआ। जिसके बाद इस घटना की सूचना पथरगामा थाना प्रभारी को दी गई। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर पेड़ से लटकते शव को नीचे उतरवाया और शव की जांच पड़ताल की। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पंचायत के मुखिया नागेंद्र महतो को दी। मुखिया नागेंद्र घटनास्थल पर पहुंचे और शव को देख कर बताया कि यह महेशलिट्टी पंचायत का ही व्यक्ति है। इसी बीच मटिहानी ग्राम के ग्रामीणों ने मृतक के बड़े भाई नागेश्वर हांसदा एवं मृतक की पत्नी होपनमय सोरेन को दी गई।

गोड्डा : छेड़खानी से तंग आकर महिला ने की आत्महत्या

गोड्डा। सदर प्रखंड अंतर्गत मोतिया गांव में छेड़खानी से आहत होकर चार बच्चे की मां ने खुदकुशी कर ली। वहीं घटना शुक्रवार की देर शाम की बताई जा रही है, जहां हटिया से लौटने के बाद महिला ने कीटनाशक खा लिया। महिला ने ससुराल पक्ष के लोगों को बताया कि उसके घर के बगल का रहने वाला राजेश हरिजन उसके साथ छेड़खानी कर रहा था, इससे वह आहत हो गयी थी और बेइज्जती के डर से महिला ने कीटनाशक खा लिया। जिसके बाद महिला की हालत बिगडने लगी तब ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया जहां से उसे बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल से भागलपुर रेफर कर दिया गया। वहीं भागलपुर ले जाने के क्रम में सिकटिया के पास महिला ने दम तोड़ दिया। मृतका के ससुर ने बताया कि उनका बेटा दिल्ली में रहकर काम करता है। पतोहू अपने बच्चों के साथ मोतिया में ही रह रही थी। गांव के ही राजेश छेड़खानी कर रहा था। वह गलत संबंध बनाने का दबाव दे रहा था इसका महिला ने विरोध किया।

दुमका : विस्थापन, प्रदूषण और दुर्घटनाओं के खिलाफ आंदोलन करेगी सीपीएम

संताल परगना काश्तकारी कानून की धज्जियां उड़ाते हुए रैयतों की जमीन लूट रहे दलाल : वृंदा

बैठक में उपस्थित सीपीएम नेता वृंदा करात व अन्य

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। संताल परगना क्षेत्र में जमीन का सवाल एक प्रमुख सवाल है। चुकी देशी विदेशी कंपनियों और कार्पोरेट घरानों की नजर यहां की खनिज संपदा पर है। हाल ही में निजी कंपनियों को कोयला खनन के लिए कोल ब्लाक आवंटित किए गए हैं। ये निजी कोल कंपनियां यहां के आदिवासियों और अन्य गरीबों की जमीन की रक्षा के लिए बने संताल परगना काश्तकारी कानून की धज्जिया उड़ाते हुए स्थानीय दलालों के माध्यम से रैयतों के जमीन की लूट रही है। उक्त बातें संताल परगना क्षेत्रीय कमेटी की बैठक में सीपीएम नेता बृन्दा कारात ने रविवार को कही। उन्होंने कहा कि पाकुड़ के अमड़ापाड़ा के पचुआडा नार्थ कोल ब्लाक के समीप बसे गांवों में इन दलालों का इतना आतंक है कि आम आदिवासी रैयत कंपनी के खिलाफ मुंह तक नहीं खोलते हैं। दुसरी ओर सार्वजनिक क्षेत्र के उधम कोल इंडिया की कंपनी ईसीएल ने भी कोयला खनन का काम कुख्यात आउटसोर्सिंग कंपनियों के हवाले कर दिया है। जिन्हें नहीं तो कामगारों के हितों की परवाह है और नही रैयतों के अधिकारों की। इस अवसर पर राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा कोयला उधोग का निजीकरण किए जाने की दिशा में कदम उठाते हुए कार्पोरेट घरानों को कोल ब्लाकों की नीलामी की जा रही है। जिससे एक बड़ी समस्या यहां कोयला कंपनियों द्वारा आउटसोर्सिंग के माध्यम से कोयले का उत्खनन करने के बाद उसके परिवहन से आ रही है। आमड़ापाड़ा के ओपेन कास्ट कोयला खानों से कोयला निकाल कर निजी कंपनियों द्वारा बड़े-बड़े बड़े डंपर, हाइवा वाहनों से कोयला दुमका और पाकुड़ के डम्पिंग यार्ड तक संडक मार्ग से भेजा जाता है। कोयला के परिवहन में सैकड़ों वाहन कोयले की धुल उड़ाते हुए राजमार्ग से गुजरते हैं। जिसके चलते भारी प्रदूषण हो रहा है और कभी हरा भरा दिखने वाला यह इलाका कोयले के काले डस्ट से रोड के किनारे बसे गांवों को अपने आगोश में ले लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कोयले को ढंक कर ले जाने और रास्ते में पानी का छिड़काव करने का दिशा-निर्देश केवल कागजों तक सीमित रह गया है। कोयला परिवहन से उड़ने वाली डस्ट से वातावरण में कोयले के महीन कणों की मौजूदगी से लोगों को श्वांस की बीमारी हो रही है। इसके अलावा अनियंत्रित बड़े वाहनों के परिचालन से रोज दुघर्टनाएं भी होती हैं। इलाके की खेती भी चौपट हो रही है। इस ज्वलंत मुद्दे पर आज सीपीएम की दुमका और पाकुड़ जिला कमेटी की संयुक्त बैठक में चर्चा करते हुए आंदोलन की एक कार्य योजना बनायी गयी। बैठक की अध्यक्षता जिला सचिव सुभाष हेम्ब्रम ने की। बैठक में संताल हूल की 170वीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम किए जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में एहतेशाम अहमद, शिवानी पाल, प्रफुल्ल लिंडा आदि मौजूद रहे।

बेरमो: जारंगडीह में पत्रकार एकता मंच की बैठक संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

कथारा। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारंगडीह दक्षिणी पंचायत भवन में रविवार को पत्रकार एकता मंच की एक अहम बैठक सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता पत्रकार अनिल बर्नवाल और संचालन एसपी सक्सेना के द्वारा किया गया। इस बैठक में तमाम पत्रकारों ने एकजूटता आपसी समन्वय एवं समय-समय पर एक दूसरे के साथ सुख दुख में साथ देने की बातें कही गई। बैठक में यह भी तय हुआ कि प्रति माह नियमित रुप में मंच की बैठक आयोजित होगी साथ ही पत्रकारिता के गिरते स्तर को देखते हुए मंच के अध्यक्ष सकशेना ने कहा कि आप लोग अपनी कलम मे धार लाईये ताकि सच्च दुनिया के सामने सरलता से आये और लोगो के बीच आपकी विश्वसनीयता पुनः स्थापित हो सके। कहा गया कि दो दो रुपये की पत्रकारिता से खुद को बाहर निकाले तभी आपका अस्तित्व बच पायेगा। इस बैठक में उपरोक्त लोगों के अलावे शहरयार खान, जगदीश भारती, साजेश गुप्ता, सिराज अंसारी, राजेश मिश्रा, शिव शंकर सिंह, धीरज बरनवाल, इस्तियाक अहमद आदि दर्जनों पत्रकार मौजूद थे। जबकि धन्यवाद ज्ञापन पत्रकार एकता मंच के अध्यक्षता कर रहे अनिल बर्नवाल ने कहा कि एक जुटातस ही हमारी ताकत है इसे बनाये रखने की जरूरत है।

दुमका : कोयला डंपिंग यार्ड हटाने की मांग को लेकर आरपीएफ व आंदोलनकारी अपनी अपनी बातों पर अड़ें

आरपीएफ जवान व आंदोलनकारियों में होती नोक-झोंक।

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। कोयला डंपिंग यार्ड हटाने की मांग को लेकर आंदोलनरत स्थानीय ग्रामीणों ने रेलवे स्टेशन परिसर में धरना प्रदर्शन कर रहे धरनार्थियों और आरपीएफ के बीच कसमकस देखने को मिला। लोगों के लिए सिर दर्द बन चुका कोयला डंपिग यार्ड को हटाने के सिवा इन लोगों की और कोई भी मांग नहीं है। रविवार को रविशंकर मंडल के नेतृत्व में मुन्नी हांसदा, भाजपा के युवा और जुझारू नेता बिमल मरांडी, पूर्व नगर पर्षद अध्यक्ष अमिता रक्षित के साथ ग्रामीण धरना स्थल पर पहुंच कोयला डंपिग यार्ड हटाने की मांग को लेकर धरना स्थल पर पहुंच कर विरोध जताया। धरना देने के सवाल पर जहां आरपीएफ रेलवे स्टेशन परिसर में धरना नहीं देने पर अड़ी रही तो दूसरी ओर धरनार्थी भी उसी बात को लेकर अपनी बातों पर अडिग दिखे। इसी बात को लेकर आरपीएफ इंस्पेक्टर मनोज कुजूर से धरनार्थी की बहस हो गई। आरपीएफ कर्मी के साथ हुई बहस में आंदोलनकारियों ने कहा कि यहां कोयला डंप अवैध रूप से हो रहा है लेकिन उसे आप नहीं रोक रहे हैं। एक भी नियम कानून का पालन नहीं किया जा रहा है। उस पर आप चुप हैं। लेकिन शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन कर रहे लोगों को अपनी पावर दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन से हो रहे प्रदुषण को रोक दीजिए हमलोग धरना हटा देंगे। कहा कि सैंकड़ों लोग इससे प्रभावित हो कर बीमार पड़ रहे उसे देखने वाला कोई नहीं है। सीनेट सदस्य भाजपा नेता बिमल मरांडी ने कोयला डंपिग यार्ड हटाने की मांग को लेकर विरोध स्वरूप जमीन पर बैठकर ही पीएम नरेंद्र मोदी के द्वारा कही जाने वाली मन की बात कार्यक्रम को सुनने लगे। उन्होंने कहा कि गोली चलाईए लाठी चार्ज कीजिए हम यहीं धरना देंगे। अब हर हाल में कोयला डंपिंग यार्ड दुमका रेलवे स्टेशन पर से हटाना पड़ेगा। इस अवसर पर हेमंत श्रीवास्तव, विष्णु यादव, अमन सिंह, अभय गुप्ता, गोवर्धन मंडल, जिमी यादव आदि मौजूद रहे।

बोकारो : डीवीसी चंद्रपुरा में जीवन शैली और खुशी के रहस्यों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो/चंद्रपुरा। डीवीसी चंद्रपुरा प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित दीघार्यु जीवन शैली व स्वास्थ्य और खुशी के रहस्यों को समझना विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक विनोद कुमार राय ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में कुछ ना कुछ गुण आवश्यक होता है। इस गुण को अपनाकर हम अपने जीवन शैली में सुधार ला सकते हैं। उन्होंने मानसिक सोच की मजबूती पर बल दिया और कहा कि मानसिक रूप से मजबूत व्यक्ति ही शारीरिक और सामाजिक रूप से मजबूत हो सकता है। प्रशिक्षक डॉ अशोक कुमार ने आम लोगों के महत्वाकांक्षी कार्यों पर विशेष प्रकाश डाला और कहा कि बच्चों को स्वतंत्र रूप से शिक्षा लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए। डॉ पीके घोष ने स्वस्थ रहने के लिए लोगों को खुश रहने की अपील की और कहा कि खुशियां खरीदी नहीं जा सकती। इस अवसर पर आपसी सहमति बनाए रखने और आपसी भ्रांतियां दूर करने के लिए एक खेल का भी आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अक्षय कुमार सुमन कुमार नूरजहां बानो राम रतन टुडू सुजीत कुमार रईस अंसारी बैसाखी बेरा अनूप कुमार सिन्हा महेंद्र कुमार विश्वकर्मा मो मुजाहिद रजा आशीष कुमार चक्रवर्ती जितेंद्र कुमार सिन्हा महेंद्र साव उमाशंकर प्रसाद सुरेश मनोरी सुनीता कुमारी आदि शामिल थे। इस अवसर पर प्रबंधक रोहित कुमार मीरा बखला अजीत कुमार आदि उपस्थित थे। निदेशक राय ने सभी प्रशिक्षणार्थियों और प्रशिक्षकों को प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

हरिद्वार में गुरु पूर्णिमा महोत्सव को लेकर झारखंड में भी उत्साह

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। 9-10 जुलाई को हरिद्वार में आयोजित होने वाले नीलकंठ महादेव गुरु पूर्णिमा महोत्सव को लेकर बोकारो सहित झारखंड के विभिन्न जिलों के निखिल शिष्यों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। ज्वालापुर रोड स्थित प्रेमनगर आश्रम में आयोजित होने वाला यह भव्य आध्यात्मिक समागम अंतर्राष्ट्रीय सिद्धाश्रम साधक परिवार एवं आध्यात्मिक पत्रिका निखिल मंत्र विज्ञान जोधपुर के तत्वावधान में परम पूज्य सद्गुरुदेव परमहंस स्वामी निखिलेश्वरानंद जी की दिव्य छत्रछाया और पूज्य गुरुदेव नन्द किशोर श्रीमाली के सानिध्य में संपन्न होगा। महोत्सव में बोकारो सहित झारखंड के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में शिष्य भाग लेंगे जिसकी तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। कार्यक्रम में गुरु और शिव के संयुक्त पूजन की विशेष साधना भी कराई जाएगी जिसका उद्देश्य शिष्यों के जीवन से चिंता भय भ्रम और असफलताओं को दूर करना है। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी विजय कुमार झा ने बताया कि गुरु के बिना मानव जीवन अधूरा है और गुरु पूर्णिमा आत्मा की जागृति का एक साक्षात क्षण होता है। बोकारो सहित झारखंड बिहार दिल्ली हरियाणा पंजाब हिमाचल प्रदेश जम्मू उत्तर प्रदेश उत्तराखंड ओडिशा छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश राजस्थान महाराष्ट्र कर्नाटक तमिलनाडु पश्चिम बंगाल असम और नेपाल से भी बड़ी संख्या में निखिल मंत्र विज्ञान के कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं।

आपातकाल में हुई थी संविधान की हत्या

मन की बात में प्रधानमंत्री ने हजारों लोगों को दी श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने लोकतंत्र की रक्षा की थी

- 1975 में न्यायपालिका को भी गुलाम बनाने का हुआ था प्रयास : मोदी
- पूर्व पीएम मोरारजी देसाई, बाबू जगजीवन राम और अटल बिहारी वाजपेयी के ऑडियो भी साझा किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में आपातकाल की 50वीं बरसी पर उसके काले अध्याय को याद किया और कहा कि यह सिर्फ संविधान की हत्या नहीं थी, बल्कि न्यायपालिका को भी गुलाम बनाने का प्रयास था। उन्होंने उन हजारों लोगों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने अत्याचारों का सामना करते हुए लोकतंत्र की रक्षा की। प्रधानमंत्री ने 123वें एपिसोड में अनेक विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने हाल के दिनों में देश में हुए सकारात्मक बदलावों, सांस्कृतिक पर्वों, सामाजिक सहभागिता, महिलाओं की प्रगति, पर्यावरण संरक्षण और भारत की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए देशवासियों को गर्व और प्रेरणा का अनुभव कराया। प्रधानमंत्री ने आपातकाल की 50वीं बरसी पर लोकतंत्र की रक्षा में जुटे लोगों को याद किया। मोदी ने कहा कि 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया था। आप कल्पना कर सकते हैं कि वह दौर कैसा था। आपातकाल लगाने वालों ने ना सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी गुलाम बनाए रखने का था। इस दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया था। इसके ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भी भुलाया नहीं जा सकता।

उन्होंने कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई, बाबू जगजीवन राम और अटल बिहारी वाजपेयी के पुराने ऑडियो भी साझा किए, जिनमें उन्होंने उस दौर की भयावहता को स्पष्ट किया। मोदी ने कहा कि यह भारत की जनता का सामर्थ्य था कि वो झुकी नहीं, टूटी नहीं और लोकतंत्र के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं किया। 25 जून को लागू किए गए आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर केंद्र सरकार द्वारा इसे संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया गया। मोदी ने कहा कि देश पर आपातकाल थोपे जाने के 50 वर्ष कुछ दिन पहले ही पूरे हुए हैं। हम देशवासियों ने संविधान हत्या दिवस मनाया है। हमें हमेशा उन सभी लोगों को याद करना चाहिए, जिन्होंने आपातकाल का डट कर मुकाबला किया था। इससे हमें अपने संविधान को सशक्त बनाए रखने के लिए निरंतर सजग रहने की प्रेरणा मिलती है।

विशाखापत्तनम में दो हजार से अधिक आदिवासी छात्रों ने 108 मिनट तक सूर्य नमस्कार किये

प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की भव्यता का वर्णन करते हुए बताया कि इस बार योग दिवस पर तीन लाख लोगों ने विशाखापत्तनम के समुद्र तट पर एक साथ योग किया। दो हजार से अधिक आदिवासी छात्रों ने 108 मिनट तक सूर्य नमस्कार किए। दिल्ली में यमुना के किनारे योग को स्वच्छता के संकल्प से जोड़ा गया। हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर नौसेना के जहाजों तक, योग हर जगह हुआ। इस बार की थीम एक धरती, एक स्वास्थ्य को उन्होंने वैश्विक एकता और भारतीय संस्कृति का संदेश बताया। प्रधानमंत्री ने तीर्थ यात्राओं में सेवा की भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि जब लोग तीर्थ पर निकलते हैं, तो हजारों लोग सेवा में लग जाते हैं – भोजन, पानी, चिकित्सा और आश्रय जैसी व्यवस्थाएं भाव से की जाती हैं। उन्होंने कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने और अमरनाथ यात्रा, जगन्नाथ रथ यात्रा जैसे आयोजनों की चर्चा की और सेवा भाव से जुड़े लोगों की सराहना की। उन्होंने देश को ट्रेकोमा रोग से मुक्त घोषित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की और बताया कि यह उपलब्धि स्वच्छता, जल की आपूर्ति और स्वास्थ्यकर्मियों की मेहनत से संभव हुई है। उन्होंने बताया कि अब देश की लगभग 64 प्रतिशत जनसंख्या को किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत की अंतरिक्ष में सफलता पर कहा कि देश हर क्षेत्र में नया इतिहास रच रहा है।

जॉर्ज फर्नांडिस को जंजीरों में बांधा गया था

उन्होंने कहा कि जॉर्ज फर्नांडिस साहब को जंजीरों में बांधा गया था। अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गई। मीसा के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। छात्रों को भी परेशान किया गया। अभिव्यक्ति की आजादी का भी गला घोंट दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उस दौर में जो हजारों लोग गिरफ्तार किए गए उन पर ऐसे ही अमानवीय अत्याचार हुए लेकिन यह भारत की जनता का सामर्थ्य है कि वो झुकी नहीं, टूटी नहीं और लोकतंत्र के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं किया। आखिरकार, जनता-जनार्दन की जीत हुई-आपातकाल हटा लिया गया और आपातकाल थोपने वाले हार गए।

स्पीड न्यूज

पाकिस्तान में भारी बारिश से 38 लोगों की मौत, 63 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में भारी बारिश से 38 लोगों की मौत हुयी है और 63 लोग घायल हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बताया कि मूसलाधार बारिश के कारण 78 घर भी नष्ट हुए हैं और 30 मवेशियों की मौत हुयी है। देश का उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ, जहां 19 लोगों की मौत हुयी है और 41 घायल हुए हैं। इसके बाद पूर्वी पंजाब प्रांत में 12 लोगों की मौत हुयी है और छह घायल हुए हैं।

राष्ट्रपति का दो दिवसीय उत्तर प्रदेश दौरा आज से

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू30 जून से 1 जुलाई तक उत्तर प्रदेश के बरेली और गोरखपुर के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वे विभिन्न शैक्षिक एवं स्वास्थ्य संस्थानों के कार्यक्रमों में भाग लेंगी और कई विकास कार्यों का शुभारंभ करेंगी। पहले दिन 30 जून को राष्ट्रपति बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करेंगी। इसके बाद वे गोरखपुर जाएंगी, जहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर के पहले दीक्षांत समारोह को भी संबोधित करेंगी।

पाक में बम विस्फोट दो लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनखा प्रांत में एक कबाड़ गोदाम में हुए विस्फोट में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। दीर जिले में शनिवार शाम कबाड़ गोदाम में पुराने विस्फोटकों से यह हादसा हुआ। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गयी और पांच घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनमें से दो की हालत गंभीर बताई गई है।

आप विधायक कुंवर प्रताप पार्टी से बाहर

चंडीगढ़ । पंजाब में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने अमृतसर उत्तरी से विधायक और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी कुंवर विजय प्रताप सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के चलते पांच साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में लिया गया जिसमें उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की गई।

इटली में डेटा खराबी से तीन सौ उड़ानें रद्द

रोम। इटली के मिलान में एरिया कंट्रोल सेंटर में शनिवार शाम डेटा ट्रांसमिशन में खराबी आने के कारण देश के पश्चिमोत्तर क्षेत्र के कईं शहरों में 300 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गयीं। एएनएसए समाचार एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि यह घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब नौ बजे हुयी। इसके कारण मिलान, बगामी, जेनोआ और ट्यूरिन सहित प्रभावित हवाई क्षेत्र के हवाई अड्डों पर उड़ानें स्थगित कर दी गयीं या उड़ान भरने और उतरने पर बड़े प्रतिबंध लगा दिए गये। तकनीशियन हवाई यातायात संचालन को बहाली में जुटे हुए हैं।

सोनभद्र में एक करोड़ का गांजा बरामद

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में दुद्धी कोतवाली क्षेत्र में पुलिस टीम ने एक ट्रक से चावल की बोरी में छिपाकर ले जाया जा रहा 10क्विंटल गांजा बरामद किया है । एसपी अशोक कुमार मीणा ने रविवार को बताया कि दुद्धी थाना क्षेत्र के रजखड़ क्षेत्र में पुलिस टीम द्वारा शनिवार रात जब संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी बीच दुद्धी हाथीनाला मार्ग पर एक संदिग्ध ट्रक दिखाई दिया। पुलिस टीम ने जांच शुरू की तो चावल की बोरी में अवैध रूप से गांजा रखा हुआ पाया गया। जांच में पुलिस को 10 क्विंटल गांजा बरामद हुआ जिसकी अनुमानित कीमत लगभग एक करोड़ है।

रेलवे आरक्षण में बड़ा बदलाव कल से

- तत्काल टिकट में आधार अनिवार्य
- 8 घंटे पहले लगेगा आरक्षण चार्ट
- वेटिंग टिकट जल्द पता चलेगा
- बुकिंग क्षमता 1.5 लाख टिकट प्रति मिनट होगी
- पूछताछ 40 लाख प्रति मिनट

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय रेलवे यात्री आरक्षण प्रणाली में एक जुलाई से बड़ा बदलाव करने जा रही है जिसके फलस्वरूप टिकट बुकिंग क्षमता में विस्तार और तत्काल टिकट बुकिंग में उपयोगकर्ता के आधार से प्रमाणीकरण के साथ साथ आरक्षण चार्ट बनाने का तरीका भी बदला जा रहा है।

आधिकारिक सूत्रों ने यहां कहा कि भारतीय रेल यात्रियों के संपूर्ण यात्रा अनुभव को यात्री-केंद्रित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलयात्रा की शुरूआत टिकट आरक्षण से होती है और इसे सरल व सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे कई कदम उठा रही है। हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन सुधारों की समीक्षा की थी और निर्देश दिए थे कि टिकटिंग प्रणाली को स्मार्ट, पारदर्शी, सुलभ और प्रभावी होना चाहिए। योजना निर्माण में यात्री सुविधा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि यात्रियों को एक सहज और आरामदायक अनुभव मिल सके।

सूत्रों के अनुसार नयी चार्टिंग प्रणाली से यात्रा योजना में यात्रियों को तैयारी करने में अधिक सुविधा होगी। वर्तमान व्यवस्था में अभी आरक्षण चार्ट ट्रेन प्रस्थान के चार घंटे पहले बनाया जाता है जिससे यात्रियों में अनिश्चितता बनी रहती है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो आस-पास के क्षेत्रों से ट्रेन पकड़ने आते हैं। अब नयी प्रणाली के लिए रेलवे बोर्ड ने प्रस्ताव किया है कि चार्ट ट्रेन प्रस्थान से आठ घंटे पहले तैयार किया जाए। यदि ट्रेन अपराह्न दो बजे से पहले प्रस्थान करती है तो चार्ट एक दिन पहले रात नौ बजे ही तैयार कर लिया जाएगा। रेल मंत्री ने इस प्रस्ताव से सहमति जतायी है और चरणबद्ध तरीके से इसे लागू करने के निर्देश दिए हैं ताकि कोई व्यवधान न हो।

सूत्रों ने कहा कि इससे वेटिंग टिकट वाले यात्रियों को स्थिति का जल्दी पता चलेगा और वैकल्पिक व्यवस्था के लिए अधिक समय मिलेगा। यह विशेष रूप से दूर-दराज या शहरी उपनगरों से आने वाले यात्रियों को लाभ देगा। दिसंबर 2025 तक नयी और आधुनिक यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) लागू हो जाएगी। रेल मंत्री ने नई पीआरएस प्रणाली की प्रगति की समीक्षा की है। इस परियोजना पर पिछले कुछ महीनों से क्रिस कार्य कर रहा है। नई प्रणाली अधिक लचीली, सक्षम और मौजूदा लोड से दस गुना अधिक संभालने में सक्षम होगी। टिकट बुकिंग क्षमता वर्तमान 32 हजार प्रति मिनट से बढ़कर 1.5 लाख टिकट प्रति मिनट होगी। पूछताछ क्षमता चार लाख से बढ़कर 40 लाख प्रति मिनट होगी। नयी सुविधाओं में बहुभाषी और यूजर-फ्रेंडली इंटरफेस, सीट विकल्प चुनने की सुविधा, किराया कैलेंडर, दिव्यांगजन, छात्र, रोगियों आदि के लिए एकीकृत विकल्प शामिल होंगे। रेलवे ने हाल ही में तत्काल टिकट बुकिंग के लिए सुदृढ़ प्रमाणीकरण प्रणाली की घोषणा की है। रेलवे एक जुलाई से आईआरसीटीसी वेबसाइट/ऐप पर तत्काल टिकट केवल प्रमाणित उपयोगकताओं को बुक करने की अनुमति देगा। जुलाई अंत तक ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण अनिवार्य किया जाएगा। रेल मंत्री ने निर्देश दिए हैं कि तत्काल बुकिंग के लिए प्रमाणीकरण व्यवस्था का विस्तार किया जाए। यह प्रमाणीकरण आधार या डिजीलॉकर में उपलब्ध किसी भी सरकारी पहचान पत्र के माध्यम से किया जाएगा। रेलवे लगातार अपनी प्रणालियों को आधुनिक और नागरिक-अनुकूल बनाने के लिए प्रयासरत है। इन कदमों से टिकट बुकिंग अधिक आसान, पारदर्शी और सुनिश्चित होगी जिससे करोड़ों यात्रियों को लाभ पहुंचेगा।

यूक्रेन पर रूस का बड़ा हवाई हमला

477 ड्रोम और 60 मिसाइलें दागीं, एफ-16 एयरक्राफ्ट तबाह

एजेंसी

कीव। रूस ने यूक्रेन के खिलाफ शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात अपना सबसे बड़ा हवाई हमला बोला। यूक्रेनी वायु सेना के अनुसार, रूस ने यूक्रेन पर 477 ड्रोन और 60 मिसाइलों से हमला बोला। सेना का दावा है कि इनमें से 249 को मार गिराया गया और 226 को इलेक्ट्रॉनिक रूप से जाम कर दिया गया। यह ताजा हमले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की शुक्रवार की टिप्पणी के बाद हुए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि मॉस्को इस्तांबुल में सीधे शांति वार्ता के नए दौर के लिए तैयार है। यूक्रेन की वायु सेना के संचार प्रमुख यूरी इहनात ने बताया कि हमले के दौरान पश्चिमी यूक्रेन सहित कई क्षेत्रों को निशाना बनाया गया। हमले अग्रिम पंक्ति से काफी दूर किए गए थे। गवर्नर ओलेक्सांद्र प्रोकुडिन ने कहा कि खेरसान क्षेत्र में ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि खार्कीव में एक ड्रोन द्वारा कार को निशाना बनाया गया। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। चकार्सी में एक बच्चे सहित छह लोग घायल हो गए। सुदूर पश्चिमी लविव क्षेत्र में ड्रोन हमले के बाद ड्रोहोबिच शहर में एक औद्योगिक सुविधा में आग लग गई, जिससे शहर के कुछ हिस्सों की बिजली चली गई। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूस के एक हमले को विफल करते समय एक एफ-16 लड़ाकू पायलट की मौत हो गई। पायलट ने दुर्घटना से पहले सात लक्ष्यों को मार गिराया था। यह युद्ध शुरू होने के बाद से तीसरा एफ-16 लड़ाकू विमान नष्ट हुआ है।

नोवोक्रेंका पर नियंत्रण का दावा : रूस ने रविवार को दावा किया कि उसने आंशिक रूप से रूसी कब्जे वाले डोनेट्स्क क्षेत्र में नोवोक्रेंका गांव पर नियंत्रण कर लिया है।

तेलंगाना में भी भाजपा की सरकार बनेगी:शाह

एजेंसी

निजामाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निजामाबाद में एक जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि राहुल गांधी ऑपरेशन सिंदूर का सबूत मांग रहे हैं। राहुल गांधी पाकिस्तान की बातें सुन रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी गई थी। तेलंगाना में कांग्रेस पर जनता का भरोसा खत्म हो गया लेकिन राज्य में भ्रष्टाचार जारी है। उन्होंने दावा किया अब तेलंगाना में भी भाजपा की सरकार बनेगी। शाह रविवार को राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड कार्यालय के उद्घाटन के बाद स्थानीय पॉलिटेक्निक मैदान पर आयोजित किसान सभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने नक्सलियों को चेतावनी देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य सिर्फ. आतंकवाद का खात्मा नहीं है, बल्कि देश में नक्सलवाद को भी खत्म करना है। इसलिए नक्सलियों को तुरंत हिंसा का रास्ता छोड़कर हथियार डाल दें और मुख्यधारा में शामिल होना चाहिए। हथियार छोड़ने वाले नक्सलियों का पुनर्वास कर उन्हें विकास से जोड़ा जाएगा।

आइएसएस पर अपने मिशन में पूरी तरह व्यस्त है एक्स-4 टीम

चेन्नई। एक्सिओम स्पेस ने रविवार को कहा कि चार सदस्यीय एक्स-4 चालक दल अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर अपने मिशन में पूरी तरह से व्यस्त है। चौथे दिन के अपडेट में कहा कि एक्सिओम मिशन 4 (एक्स-4) की कमांडर पैगी व्हिटसन, भारतीय पायलट शुभांशु शुक्ला, मिशन विशेषज्ञ स्लावोज उज्नान्स्की-विस्निएव्स्की और मिशन विशेषज्ञ टिबोर कापू अब आईएसएस पर मिशन में पूरी तरह से व्यस्त हैं तथा वैज्ञानिक अनुसंधान एवं अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच से भरे कार्यक्रम के साथ कक्षा में अपना दिन पूरा कर रहे हैं।

गाजा में हमास का कमांडर ढेर

इजरायल के हवाई हमले में अल-इस्सा मारा गया

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल की सेना ने गाजा सिटी में एक हवाई हमले में हमास के एक वरिष्ठ कमांडर को मार गिराया है। सेना के अनुसार कमांडर हमास की सैन्य तैयारियों और सात अक्टूबर को दक्षिणी इजरायल पर हुये हमले की योजना में अहम भूमिका निभा रहा था। इजरायली रक्षा बलों ने बताया कि कहा कि शुक्रवार शाम को सबरा इलाके में किये गये हमले में हखम मुहम्मद इस्सा अल-इस्सा की मौत हो गयी। यह ऑपरेशन इजरायल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट के साथ मिलकर किया गया था। सेना के अनुसार अल-ईसा हमास के सैन्य विंग के संस्थापक सदस्य थे और उन्होंने सात अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हुये हमले की योजना और उसे अंजाम देने में अहम भूमिका निभायी थी। उस हमले में करीब 1,200 लोग मारे गये थे और 200 से अधिक लोगों को गाजा ले जाया गया था। अल-इस्सा हाल ही में हमास के सैन्य विंग के कॉम्बैट सपोर्ट मुख्यालय का प्रमुख था, जहां वह इजरायली नागरिकों और सैनिकों पर हवाई और समुद्री हमलों की निगरानी करता था।

अनंत अंबानी को सालाना 10 से 20 करोड़ मिलेंगे वेतन

रिलायंस ने शेयरधारकों को दी सूचना

- कंपनी के लाभ पर कमीशन सहित कई भत्ते दिए जाएंगे

एजेंसी

नयी दिल्ली । अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी के सबसे छोटे पुत्र और तीन भाई-बहनों में सबसे पहले प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज में कार्यकारी निदेशक नियुक्त किए गए अनंत अंबानी को सालाना 10 से 20 करोड़ रुपये का वेतन और कंपनी के मुनाफे पर कमीशन सहित कई भत्ते दिए जाएंगे। शेयरधारकों को भेजी गई सूचना में यह जानकारी दी गई है। जहां सबसे अमीर एशियाई के तीनों बच्चे जुड़वां आकाश और ईशा, और अनंत को 2023 में गैर-कार्यकारी निदेशकों के रूप में तेल-से-दूरसंचार-और-खुदरा समूह के निदेशक मंडल में शामिल किया गया था, वहीं सबसे छोटे अनंत को इस साल अप्रैल में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया था।

गैर-कार्यकारी निदेशकों के रूप में, तीनों को कोई वेतन नहीं मिल रहा था और प्रत्येक को वित्त वर्ष 2023-24 में चार लाख रुपये का शुल्क और 97 लाख रुपये का लाभ पर कमीशन दिया गया था। हालांकि, कार्यकारी निदेशक के तौर पर 30 वर्षीय अनंत वेतन और अन्य आवश्यक शर्तों के हकदार होंगे। रविवार को शेयर बाजार को दिए गए नोटिस में रिलायंस ने कहा कि नियुक्ति के लिए शेयरधारकों की मंजूरी पोस्टल बैलेट के जरिये मांगी गई है। साल 2023 में नियुक्तियां भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी में उत्तराधिकार योजना का हिस्सा थीं, जिसे कई लोगों ने 2002 में उनके पिता की मृत्यु के बाद भाई-बहन के झगड़े से बचने के लिए अंबानी के प्रयास के रूप में देखा। ईशा रिलायंस रिटेल के निदेशक मंडल में हैं और हाल ही में बनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज में शामिल हुई हैं, आकाश दूरसंचार कारोबार के प्रमुख हैं। अनंत मैटेरियल्स और नवीकरणीय ऊर्जा खंड से जुड़े हैं। वहह पेशेवर प्रबंधकों के साथ मिलकर काम करते हैं। पोस्टल बैलेट में, रिलायंस ने कहा कि अनंत का वेतन और भत्ते 10 करोड़ रुपये से 20 करोड़ रुपये प्रति वर्ष की सीमा में होंगे। सुविधाओं और भत्तों में आवास या उसके बदले में मकान किराया भत्ता; व्यय की प्रतिपूर्ति के साथ मकान रखरखाव भत्ता और/या गैस, बिजली, पानी, साज-सज्जा और मरम्मत के उपयोग के लिए भत्ते तथा स्वयं और आश्रितों सहित परिवार के लिए छुट्टी यात्रा रियायत शामिल होगी। अनंत को अपने या पत्नी तथा व्यावसायिक यात्राओं के दौरान सहायकों के लिए यात्रा, भोजन तथा आवास पर किए गए व्यय की पैसा भी मिलेगा। साथ कंपनी के व्यवसाय के लिए कार की व्यवस्था तथा निवास पर संचार व्यय का खर्च भी मिलेगा। वह चिकित्सा के साथ-साथ अपने और अपने परिवार के सदस्यों के लिए कंपनी द्वारा व्यवस्थित सुरक्षा के भी हकदार होंगे। अधिसूचना में कहा गया। वेतन, भत्ते और सुविधाओं के अलावा, अनंत एम. अंबानी शुद्ध लाभ के आधार पर पारिश्रमिक पाने के हकदार होंगे। मुकेश अंबानी ने अगस्त, 2023 में तेल से लेकर दूरसंचार क्षेत्र में कारोबार करने वाली कंपनी के बोर्ड में अपने तीनों बच्चों को गैर-कार्यकारी निदेशकों के रूप में शामिल करने की घोषणा की थी, ताकि अंतिम उत्तराधिकार योजना तैयार की जा सके।